RNI:
UPHIN/2015/60902

राजधानी से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

www.theachivertimes.com

डाक पंजीयन संख्या
एस.एस.पी.एल.डब्लू/एन
पी.439/2015-2017

द अचीवर टाइम्स

वर्ष : 9 अंक : 214
पृष्ठ : 8 मूल्य : 3 रुपया
लखनऊ, रविवार, 27 नवम्बर, 2023

एक नज़र

किसान-मजदूरों ने दिखाई ताकत, सरकार की नीतियों की मुखालफत की, ईको गार्डन में तीन दिन रहेगा महापड़ाव

लखनऊ। प्रदेश के किसानों एवं मजदूरों ने रविवार से तीन दिन के लिए राजधानी लखनऊ के ईको गार्डन में महापड़ाव डाल दिया है। पहले ही दिन प्रदेशभर से आए किसानों ने अपनी ताकत का एहसास कराया। केंद्र एवं राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय कुमार मिश्र टेनी को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग की। किसान गन्ना मूल्य बढ़ाने, भूमि अधिग्रहण पर रोक लगाने सहित 25 सूत्री मांगों को लेकर महापड़ाव पर हैं। सरकार को संबोधित मांगों से संबंधित ज्ञापन 28 को सौंपेंगे। संयुक्त किसान मोर्चा व केंद्रीय श्रम संगठनों औद्योगिक फेडरेशनों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित महापड़ाव को लेकर राजधानी लखनऊ के ईको गार्डन में सुबह 10 बजे से ही किसानों- मजदूरों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। विभिन्न जिलों से हाथ में लाल और हरा झंडा लिए किसान सरकार विरोधी नारा बुलंद करते हुए पांडाल में पहुंचे। कुछ के हाथों में खाद, बीज सस्ती करो, स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें लागू करो जैसे नारे लिखी तल्खियां थीं। यहां जुटे किसानों का शरीर जर्जर तो हक के लिए हौंसला बुलंद दिखा। यही वजह है कि सर्दी होने के बाद भी सैकड़ों किसान रात में भी ईको गार्डन में डटे हैं। वे 28 तक यहीं रहेंगे। जनसभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार को किसान व मजदूर विरोधी बताते हुए उनकी नीतियों को कारपोरेट परस्त और सांप्रदायिक गठजोड़ युक्त बताया। इस बात पर भी नाराजगी जताई कि दिल्ली बार्डर पर हुए ऐतिहासिक किसान आंदोलन के दौरान सभी फसलों की एमएसपी की गारंटी, बिजली बिल वापसी आदि पर किए गए वादे से सरकार पलट गई। कॉर्पोरेट हितों में श्रम संहिताओं को थोपकर मजदूर वर्ग के अधिकारों को छीनने की साजिश की जा रही है। सार्वजनिक क्षेत्र को निजी हाथों में बेचा जा रहा है। संविधान और जनतन्त्र पर हमला हो रहा है।

अचानक बदला मौसम, गुजरात में आठ लोगों की मौत

गुजरात में बिजली गिरने से 8 की मौत, बेमौसम बारिश से फसलें बर्बाद

एजेंसी

नई दिल्ली। मौसम विभाग (ढ्ढरूष्ठ) के पूर्वानुमान के अनुसार अगले कुछ दिनों में देश के कुछ हिस्सों में गरज के साथ छींटे पड़ सकते हैं। बारिश की आशंका के साथ कुछ शहरों में ठंड बढ़ने के भी आसार हैं। ढ्ढरूष्ठ ने बताया है कि उत्तराखंड में 28 नवंबर को बारिश हो सकती है। छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में हल्की बारिश के आसार हैं। दिसंबर के पहले हफ्ते से ही कड़ाके की ठंड पड़ेगी। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तराखंड में अगले तीन दिन बारिश-बर्फबारी का येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम में अचानक हुए बदलाव के कारण उत्तरकाशी के सिलक्यारा सुरंग में फंसीं 41 मजदूरों की जिंदगियों पर भी खतरा मंडराने लगा है।

गुजरात में बिजली गिरने से 8 की मौत, बेमौसम बारिश से फसलें बर्बाद

अचानक मौसम बदलने का असर गुजरात के कई इलाकों में भी दिखा। बिजली गिरने की अलग-अलग घटनाओं में कम से कम आठ लोगों की मौत होने की खबर सामने आई है। फसलों को भी बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को राज्य में तूफान के साथ बड़े पैमाने पर बेमौसम बारिश हुई। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, गुजरात के 251 तालुकाओं में से 220 में रविवार सुबह 6 बजे के बाद 50 एमएम तक बारिश हुई। जनजीवन बुरी तरह प्रभावित होने के अलावा फसलों को भारी नुकसान होने की खबर है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के नुसार देश के कुछ हिस्सों में गरज के साथ छींटे पड़ सकते हैं। बारिश की ाशंका के साथ कुछ शहरों में ठंड बढ़ने के भी ासार हैं। IMD ने बताया है कि उळाराखंड में 28 नवंबर को बारिश हो सकती है। पने शहर में मौसम का हाल जानें

मुंबई में बारिश, वज्रपात, आंधी और तूफान की भी आशंका

महाराष्ट्र में अचानक बदले मौसम का मिजाज के बाद बारिश की तस्वीरें भी सामने आई हैं। रविवार शाम आर्थिक राजधानी मुंबई में बारिश हो रही है। साथ ही मौसम विभाग ने कहा है कि महाराष्ट्र के कई इलाकों में गरज के साथ छींटे पड़ सकते हैं।

इन जिलों में सतर्क रहने की अपील

आईएमडी के अनुसार महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में भारी बारिश, तूफान और ओलावृष्टि की भी आशंका है। मुंबई, ठाणे और पालघर में भारी बारिश होने की संभावना के अलावा नासिक और अहमदनगर के कुछ हिस्सों में वज्रपात के साथ आंधी की भी आशंका है।

मध्य प्रदेश के कई इलाकों में बारिश, ठंड से ठिठुरन बढ़ी

उत्तर भारत में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का असर मध्य प्रदेश के कई शहरों में भी दिख रहा है। ठंडी हवाओं के कारण रात में पारा गिरने लगा है। आने वाले दिनों में ठिठुरन और बढ़ने का अनुमान है। मौसम विभाग ने रविवार को बताया कि उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ के कारण प्रदेश के पांच शहरों में बारिश हुई। सोमवार को 14 शहरों में भारी बारिश और ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में भी बारिश के आसार हैं। छत्तीसगढ़ में बदले मौसम के मिजाज के कारण अभी कड़ाके की ठंड नहीं है, लेकिन मौसम विभाग का कहना है कि पिछले साल की तुलना में इस साल अधिक ठंड पड़ सकती है।

हिमाचल में दो दिनों तक बर्फबारी के साथ-साथ बारिश का अनुमान

पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में मौसम विभाग ने बर्फबारी का अनुमान जताया है। मौसम विभाग के मुताबिक 26 और 27 नवंबर को पहाड़ी राज्य के ऊंचे इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी होगी। आईएमडी हिमाचल प्रदेश के प्रमुख सुरेंद्र पॉल के अनुसार, 26 नवंबर से पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम में बदलाव होगा।

इन जिलों में जनहानि, बेमौसम बारिश की मार उद्योग पर भी

रिपोर्ट के मुताबिक अहमदाबाद में रविवार सुबह केवल दो घंटे में 15 एमएम बारिश हुई। राजकोट में बारिश के साथ-साथ ओलावृष्टि की खबर भी सामने आई। बेमौसम बारिश के कारण सौराष्ट्र क्षेत्र के मोरबी जिले में सेरामिक उद्योग भी प्रभावित हुआ है। अधिकांश फैक्टरियों को बंद रखना पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि तेज हवा, बिजली और तूफान के साथ, बेमौसम बारिश के कारण मेहसाणा, दाहोद, साबरकांठा, तापी, बोटाद, अमरेली और अहमदाबाद जिलों में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई।

मौसम की मार के अलावा दिल्ली-NCR में दमघोंटू हवा की चुनौती

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में वायु प्रदूषण के कारण भी जनता हलकान है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (हृष्टक्र) और दिल्ली-हृढ्ढष्ठ में रहने वाले लोग अभी भी जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। दिल्लीवासियों को अगले छह दिन राहत के आसार नहीं हैं। न्यू ओखला इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (हृह्रढ्ढष्ठ) और दिल्ली में औद्योगिक गतिविधियों और गाड़ियों की भरमार के कारण एयर क्वालिटी इंडेक्स (्रक्तढ्ढ) लगातार चिंताजनक बना हुआ है। रविवार को एनसीआर में दिल्ली सबसे ज्यादा प्रदूषित रही। यहां एक्यूआई 400 के करीब दर्ज किया गया जो बेहद खराब है। शनिवार के मुकाबले वायु गुणवत्ता सूचकांक सात अंक ज्यादा है।

हमास ने बंधकों के तीसरे जत्थे को किया रिहा

बेंजामिन नेतन्याहू ने किया गाजा पट्टी का दौरा

एजेंसी

तेल अवीव। इस्राइल और हमास के बीच चार दिनों तक युद्धविराम पर समझौता हुआ है। इसके तहत ही हमास इस्राइली बंधकों को रिहा कर रहा है। इसी क्रम उसने बंधकों के तीसरे जत्थे को रिहा किया है।

इस्राइल और हमास के बीच हुए समझौते के तहत संगठन ने रविवार को बंधकों के तीसरे जत्थे को रिहा कर दिया। छोड़े गए बंधकों में 14 इस्राइलियों सहित 17 लोग शामिल हैं। दूसरी ओर, इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा पट्टी का दौरा किया। इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक ट्वीट के जरिए इसकी जानकारी दी।

हमास ने किया बंधकों के तीसरे जत्थे को रिहा

दरअसल, इस्राइल और हमास के बीच चार दिनों तक युद्धविराम पर समझौता हुआ है। इसके तहत ही हमास इस्राइली बंधकों को रिहा कर रहा है। इसी क्रम उसने बंधकों के तीसरे जत्थे को रिहा किया है। इसमें 14 इस्राइलियों सहित 17 लोग शामिल हैं। वहीं, रेड क्रॉस के प्रतिनिधियों ने रविवार देर रात बंधकों को गाजा से बाहर स्थानांतरित कर दिया। मुक्त किए गए कुछ बंधकों को सीधे इस्राइल को सौंप दिया गया, जबकि अन्य मिस्र के रास्ते भेजे गए।

बेंजामिन नेतन्याहू ने किया गाजा पट्टी का दौरा

वहीं, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा पट्टी का दौरा किया है। यहां उन्होंने कमांडरों और सैनिकों से सुरक्षा ब्रीफिंग प्राप्त की। साथ ही एक सुरंग का दौरा किया। इस सुरंग के बारे में हाल ही में खुलासा हुआ था। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम ये जंग जीत तक जारी रखेंगे। हमें कोई नहीं रोक सकता। इस्राइल और हमास ने चार दिनों तक युद्धविराम का समझौता किया है लेकिन इसके टूटने का खतरा बन रहा है। दरअसल, हमास का आरोप है कि समझौते के तहत सहायता सामग्री से भरे 340 ट्रकों में से सिर्फ 65 ट्रकों को गाजा में दाखिल होने की मंजूरी दी गई है। हमास का आरोप है कि यह तय संख्या से आधे से भी कम है। वहीं, इस्राइल का कहना है कि गाजा में राहत सामग्री का वितरण संयुक्त राष्ट्र द्वारा किया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने पुष्टि की है कि राहत सामग्री से भरे 61 ट्रक शनिवार को गाजा पहुंच गए हैं।

राजस्थान में ओलावृष्टि और बारिश से बदला मौसम, बिजली गिरने से लड़की की मौत

जयपुर। राजस्थान में मौसम का मिजाज बदल गया है। शनिवार शाम और रविवार को प्रदेश के कई हिस्सों में ओले गिरने के साथ बारिश हुई। जिससे मौसम ठंडक घुल गई। मौसम साफ होने के बाद सर्दी और इजाफा होगा। राजस्थान में शनिवार देर शाम और रविवार को बारिश होने के कारण मौसम का मिजाज बल गया। आज बाड़मेर, जालोर और जैसलमेर के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश के साथ ओले गिरे। इसके अलावा जोधपुर, बांसवाड़ा, पाली, हनुमानगढ़, बीकानेर और गंगानगर जिले के कुछ हिस्सों में भी बूंदाबादी हुई। इससे हवा सर्द हो गई। इससे पहले शनिवार को प्रदेश के कुछ हिस्सों में मौसम की मार भी देखने को मिली। जालोर के डाबली गांव में बिजली गिरने से 17 साल की लड़की की मौत हो गई। हादसे के समय वह भैंसों को चारा डाल रही थी। इसी दौरान बिजली गिर गई। तीन भैंसें भी आकाशीय बिजली की चपेट में आ गई। वहीं, बाड़मेर के सेड़वा उपखण्ड में बिजली गिरने से दर्जनों बकरियों ने भी दम तोड़ दिया।

सुरंग में फंसे 41 मजदूरों के पास बजी बीएसएनएल की घंटी

एक छोटा लैंडलाइन फोन भी पहुंचा

एजेंसी

सिलक्यारा (उत्तरकाशी)। 12 नवंबर को मलबा आने की वजह से जब 41 मजदूर सुरंग के भीतर फंसे तो उनसे बातचीत का एकमात्र जरिया चार इंच का पाइप था, जिसमें बेहद धीमी आवाज आ रही थी। तीन दिन पहले एसडीआरएफ ने यहां कम्युनिकेशन डिवाइस लगाया। अब रविवार को बीएसएनएल ने भी अपना कम्युनिकेशन सेटअप लगा दिया।

सुरंग में 15 दिन से फंसे मजदूरों के पास रविवार को पहली बार बीएसएनएल की घंटी बजी। इसके लिए बीएसएनएल ने छह इंच के पाइप की मदद से अपनी लाइन पहुंचाने के साथ ही एक छोटा लैंडलाइन फोन भी पहुंचा दिया है।

अब बाहर बैठे रेस्क्यू अभियान के अधिकारी उनसे और बेहतर ढंग से संवाद स्थापित कर पा रहे हैं। 12 नवंबर को मलबा आने की वजह से जब 41 मजदूर सुरंग के भीतर फंसे तो उनसे बातचीत का एकमात्र जरिया चार इंच का पाइप था, जिसमें बेहद धीमी आवाज आ रही थी।

छोटे लैंडलाइन की मदद से की जा रही बातचीत

छह इंच का पाइप पहुंचने के बाद तीन दिन पहले एसडीआरएफ ने यहां कम्युनिकेशन डिवाइस लगाया, जिसके लिए माइक्रोफोन व स्पीकर भीतर भेजे गए थे। इसके माध्यम से लगातार मजदूरों से बातचीत की जा रही थी। रविवार को बीएसएनएल ने भी अपना कम्युनिकेशन सेटअप लगा दिया। बीएसएनएल के डीजीएम पीके शर्मा ने बताया कि वहां एक्सचेंज स्थापित कर दिया गया है। बताया कि छह इंच के पाइप की मदद से भीतर लाइन पहुंचा दी गई है। एक छोटे लैंडलाइन की मदद से अब उनसे बातचीत की जा रही है।

कहा, जब कोई इधर से फोन करता है तो वहां घंटी बजती है। इसके बाद मजदूर उसके माध्यम से आसानी से बात कर पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मजदूरों को बाहर का नंबर बता दिया गया है। वे यहां बीएसएनएल के नंबर पर फोन कर पा रहे हैं। जब भी उन्हें कोई जरूरत होगी तो वह सीधे फोन घुमाएंगे और बचाव दल उस पर कार्रवाई कर सकेगा।

शराब पीने के बाद दोस्त को पीटा

गले में बेल्ट डालकर मुंह पर किया पेशाब एक गिरफ्तार-तीन फरार

एजेंसी

मेरठ। जान से मारने की धमकी देते हुए पिस्टल मुंह में डाल दी। गले में बेल्ट डालकर सुनसान जगह ले गए। मुंह पर पेशाब किया। मेडिकल पुलिस ने रविवार को एक आरोपी आशीष मलिक को गिरफ्तार कर लिया। मेडिकल थाना क्षेत्र में दोस्तों ने शराब पीने के बाद छात्र की जमकर पिटाई की। जान से मारने की धमकी देते हुए पिस्टल मुंह में डाल दी। गले में बेल्ट डालकर सुनसान जगह ले गए। मुंह पर पेशाब किया। मेडिकल पुलिस ने रविवार को एक आरोपी आशीष मलिक को गिरफ्तार कर लिया। उसे रिमांड मजिस्ट्रेट की कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जमानत मिल गई। गंगानगर थाना क्षेत्र के रहने वाले युवक ने पिछले वर्ष 12वीं की थी। वह प्रतियोगिता परीक्षा की तैयार कर रहा है। छात्र के पिता के मुताबिक 13 नवंबर की रात उनका बेटा मेडिकल के जागृति विहार में मौसी के घर गया था। वहां उसका दोस्त राजन मिल गया। वह उसे साथ ले गया। इसके बाद आशीष मलिक निवासी अजंता कालोनी, मोहित ठाकुर निवासी सोमदत्त विहार, अवि शर्मा निवासी जेल चुंगी और तीन अज्ञात ने उनके बेटे के साथ मारपीट शुरू कर दी। वे सभी शराब के नशे में थे। उन्होंने छात्र को लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटा। उसके गले में बेल्ट डालकर मारा। मुंह में पिस्टल ठूंस दी। वे उसे जागृति विहार में सुनसान इलाके में ले गए। जान से मारने की धमकी दी। उसके मुंह पर पेशाब कर दिया। पूरी घटना का वीडियो बना लिया। उसे अधमरी हालत में छोड़कर चले गए। 14 नवंबर की सुबह नौ बजे बदहवास बेटा घर पहुंचा तो उसने मारपीट की जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने मेडिकल थाने में तहरीर दी जिस पर पुलिस ने 16 नवंबर को आरोपियों के खिलाफ बलवा, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी और मारपीट की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली।

पिता बोले, इंसाफ नहीं मिला तो करेंगे आत्मदाह

छात्र के पिता का कहना है कि पुलिस को इस मामले में अपहरण की धारा भी लगानी चाहिए। इसको लेकर वे एसएसपी से मिलेंगे। अगर आरोपी जेल नहीं गए तो वे आत्मदाह करने के लिए मजबूर होंगे।

वीडियो वायरल हुई तो चला घृणित घटना का पता

छात्र के पिता ने बताया कि बेटे ने 14 नवंबर को पेशाब करने के बारे में नहीं बताया था। 19 नवंबर को उन्हें वीडियो के बारे में पता चला तो पेशाब किए जाने की जानकारी हुई। उन्होंने मेडिकल थाने में जानकारी दी। पुलिस ने मुकदमे में आईपीसी की धारा 294 बढ़ा दी। एसपी सिटी पीयूष कुमार सिंह ने बताया कि मुख्य आरोपी आशीष मलिक को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया। दूसरे फरार आरोपी अवि शर्मा, राजन, मोहित ठाकुर और अन्य युवकों की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सारे साक्ष्यों के साथ किया कोर्ट में पेश

मेडिकल थाना प्रभारी सूर्य दीप सिंह का कहना है कि आरोपी आशीष मलिक के खिलाफ आईपीसी की धारा 147, 323, 504, 506 और 294 के अंतर्गत कार्रवाई की गई। वीडियो और फोटोग्राफ भी साक्ष्य के रूप में दिए गए। रविवार दोपहर उसे कोर्ट में पेश कर दिया गया। थाना प्रभारी का कहना है कि पेशाब वाली बात परिजनों ने शनिवार को बताई तो इसके बाद मुकदमे में धारा बढ़ा दी गई। बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी को भी दबिश दी जा रही है।

उतार-चढ़ाव आए, पर हमारे जज्बे और जुनून में नहीं आई कोई कमी:केजरीवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पार्टी के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि जनता का आशीर्वाद हमारे साथ है, हम सब अपने मजबूत इरादों के साथ आगे बढ़ते रहेंगे।

आम आदमी पार्टी (आप) की स्थापना के आज 11 वर्ष पूरे हो चुके हैं। आप पार्टी की स्थापना 26 नवंबर यानी आज ही के दिन 2012 में हुई थी। इस मौके पर दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पार्टी के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि जनता का आशीर्वाद हमारे साथ है, हम सब अपने मजबूत इरादों के साथ आगे बढ़ते रहेंगे।

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने लिखा, आज ही के दिन साल 2012 में देश के आम आदमी ने उठकर अपनी खुद की पार्टी 'आम आदमी पार्टी' की स्थापना की थी। तब से लेकर आज तक इन 11 साल में बहुत उतार-चढ़ाव आए, बहुत मुश्किलें भी आई, लेकिन हम सबके जज्बे और जुनून में कोई कमी नहीं आई है। एक छोटी सी पार्टी को आज जनता ने अपने प्यार और आशीर्वाद से एक राष्ट्रीय पार्टी में बदल दिया है, जनता का आशीर्वाद हमारे साथ है, हम सब अपने मजबूत इरादों के साथ आगे बढ़ते रहेंगे और जनता के लिए काम करते रहेंगे। सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी के स्थापना दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भारत के इतिहास में पिछले 11 वर्षों में आम आदमी पार्टी को जितना निशाना बनाया गया है, उतना किसी अन्य राजनीतिक दल को नहीं बनाया गया है। 11 साल में हमारे खिलाफ झूठे मुकदमे दाखिल किए गए। देश की सभी एजेंसियों को आम आदमी पार्टी के पीछे लगा दी गई हैं। लेकिन उन्हें आज तक कोई सबूत नहीं मिला। यह हमारी ईमानदारी का सबसे बड़ा प्रमाण पत्र है। मेरा दिल भारी है, यह पहला स्थापना दिवस है जब मनीष सिसौदिया, सत्येन्द्र जैन, संजय सिंह और विजय नायर यहां हमारे साथ नहीं हैं। उन्हें झूठे मामलों के तहत जेल में डाल दिया गया है। भाजपा अन्य दलों के नेताओं को झूठे मामलों के माध्यम से झुकाना जानती है, लेकिन उन्हें यह नहीं पता कि आप के साथ ऐसा कैसे किया जाए। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि हमारा कोई भी विधायक न तो बिका और न ही टूटा।

बड़ी धूमधाम से मनाया गया बौद्ध विहार मटरिया में संविधान दिवस

❖ संविधान की प्रस्तावना में निहित मौलिक अधिकारों कर्तव्यो दायुत्वो बन्धुता समता सामानता स्वतंत्रता एकता अरवंडता राष्ट्र की एकता धर्मनिरपेक्षता की जानकारी दी।।
❖ संविधान कब बनकर तैयार हुआ किसने किसके हाथों में दिया और पूर्णतः कब लागू हुआ।
❖ भारत की न्यायपालिका महिला सुरक्षा एवं शिक्षा की जानकारी दी।

द अचीवर टाइमस - महेंद्र कुमार

हसनगंज उन्नाव। विकासखण्ड हसनगंज की ग्राम पंचायत मटिया बौद्ध विहार में युवा संघर्ष दल के अध्यक्ष के तत्वाधान में बड़ी धूमधाम से मनाया गया संविधान दिवस अपने साथियों एवं ग्रामीणों को युवा संघर्ष दल के अध्यक्ष अभिषेक प्रधान मटरिया ने संविधान में निहित जानकारी से रूबरू करवाया बताया हमारे लिए शिक्षा व शिक्षित होना कितना महत्वपूर्ण है कहां शिक्षा वह शेरनी का दूध है जो जितना पिएगा उतनी तेज दहाड़ेगा। युवा संघर्ष दल के अध्यक्ष ने भारतीय संविधान दिवस के मौके पर बताया आज का दिन भारत के लिए बड़े ही गौरव का दिन है 16 नवम्बर 1949 को भारत रत्न बाबा साहब डा0 भीमराव अम्बेडकर ने दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान भारत को सौंपा था। जो कि 26 जनवरी 1950 को पूर्ण रूप से लागू हुआ भारत का संविधान मात्र एक ऐसा संविधान हैं जो दुनिया भर की विविधताओं को संजोए हुए तमाम विविधताओं के होते हुए भी सभी को समानता समता स्वतंत्रता एकता बन्धुता कर्तव्यो दायुत्व आखण्डता धर्मनिरपेक्षता राष्ट्र की एकता का संदेश देने की बात करता है।जिसे तैयार कर डा0 राजेन्द्र प्रसाद के हाथों में सौंपा था और कहा था किसी भी देश का संविधान कितना भी अच्छा क्यों न हों अन्त में आखिर वह ग़लत ही साबित होगा जब संविधान को चलाने वाले लोग ग़लत होंगे और यह भी कहा था किसी भी देश का संविधान कितना भी ग़लत क्यों न हो वह सही साबित होगा जब उसे चलाने वाले लोग सही होंगे। इसलिए इस देश व संविधान को बचाएं रखना हमारी और आपकी ज़िम्मेदारी है जब संविधान रहेगा तो देश रहेगा तभी हम सब सुरक्षित रह पाएंगे यह हम सब भारतीयो की जिम्मेदारी है। न्याय पालिका/महिला सुरक्षा पर जोर देते हुए कहा- न्याय पालिका हमारे भारतीय संविधान में स्वतंत्र से रखी गई है। महिलाओं को सम्मान व बराबरी का अधिकार भारतीय संविधान देता है चाहे वह ब्यवसाय हो या शिक्षा व खेल प्रतियोगिता का सामान अधिकार देता है यह नही कि पुरुष है तो मजदूरी व तनख्वाह महिला की अपेक्षा पुरुषों को अधिक दी जाए।

भारतीय संविधान जिन्दाबाद के नारे से गुंजा अचलगंज

द अचीवर टाइमस, महेन्द्र कुमार

अचलगंज उन्नाव। रविवार को संविधान दिवस के अवसर पर भीम आर्मी भारत एकता मिशन जनपद उन्नाव के द्वारा संविधान जागरुकता अभियान बाइक रैली निकाली गई बाइक रैली भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष रवि बौद्ध जी, जिला उपाध्यक्ष आशीष कुमार रावत के अगुवाई में निकाली गई रैली की शुरुवात कुशाल खेड़ा अंबेडकर पार्क से मरहला चौराहा होते हुए सहजनी, मगरवारा होते हुए उन्नाव गांधीनगर तिराहा होते हुए गदन खेड़ा बाईपास से सीधा अचलगंज होते हुए बेथर अंबेडकर पार्क मे समापन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष डाक्टर कुलदीप भार्गव जी का जोरदार स्वागत हुआ और और ललऊ खेड़ा में बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके शान्ति पूर्वक रैली निकाली गई जिसमें जिला अध्यक्ष रवि बौद्ध,आजाद आशीष गौतम जिला महासचिव, जिला उपाध्यक्ष आशीष कुमार रावत, जिला सचिव दिलीप कुमार, जिला भीम आर्मी पाठशाला प्रभारी मनोज भारती, जिला विधि सलाहकार एडवोकेट राजन, मोनू रावत जिला सलाहकार, उन्नाव तहसील संयोजक विमलेश पासी, उन्नाव तहसील सहसंयोजक मोहित गौतम, पंकज ब्लाक अध्यक्ष गंज मुरादाबाद, प्रदीप रावत, जीतू पासी, मनीष गौतम, आकाश, विजय यादव, सतीश अंबेडकर, सनराज, लोगो ने मिलकर रैली को सफल बनाया जिसमें लगभग 200 बाइके व करीब 400लोग के करीब रैली में शामिल हुई जिसमें प्रशासन ने रैली को सफल बनाने में पूर्ण मदद की।

ट्रैक्टर-ट्राली पलटी, नीचे दबकर चालक की मौत

द अचीवर टाइम्स। संवादाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गुडंबा थाना क्षेत्र में हुई एक दुर्घटना में एक ट्रैक्टर ट्राली के पलटने से चालक की नीचे दबकर मौत हो गई। लखनऊ के गुडंबा इलाके में मिट्टी खनन में लगी ट्रैक्टर-ट्राली अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में ट्रैक्टर-ट्राली के नीचे दबने से चालक की मौत हो गई। इंदिरानगर के रसूलपुर सादात का रहने वाला रोहित (20) परशुराम का ट्रैक्टर ट्राली चलता था। भाई दीपक ने बताया एक ठेकेदार कुछ समय से रसूलपुर से मिट्टी का खनन कर रहा था। शनिवार देर रात उसका भाई रोहित मिट्टी लोड करने गया था। रविवार तड़के फोन करके पुलिस ने सूचना दी कि गुडंबा के रजौली में रोहित घायल हो गया है जिसे इलाज के लिए ट्रामा ले जाया गया है। परिजन ट्रामा पहुंचे तो पता चला रोहित की मौत हो गई है। भाई दीपक ने बताया कि घटनास्थल पर पहुंचने पर जानकारी हुई कि ट्रैक्टर तेज रफ्तार में था। अचानक रोहित ने ब्रेक लगा दी और ट्रैक्टर ट्राली पलट गई। रोहित उसके नीचे आ गया। पुलिस ने उसे किसी तरह निकाल कर इलाज के लिए ट्रामा सेंटर पहुंचाया जहां उसकी मौत हो गई। मृतक पांच भाइयों में तीसरे नंबर पर था। परिवार में पिता राकेश और मां दुबरा देवी है।

एक नज़र

नशीले कैप्सूल के साथ पुलिस ने एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

द अचीवर टाइम्स रमेश चंद्र

लखीमपुर खीरी। थाना कोतवाली सदर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ब्रदर्स इटिंग प्वाइंटस ढाबा सलेमपुर कोन के पास से एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार। जिसके पास से 5 गत्ते के कारटून में कुल 57 हजार 600 टेबलेट एल्प्राजोल्म व 47 हजार 520 कैपसूल हत्र्ङ्ग स्क्क्रस्थ्रष्ठ बरामद हुई है। पुलिस ने मुकदमा दर्जकर आरोपी को जेल भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक खीरी गणेश प्रसाद साहा के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के निकट पर्यवेक्षण में संपूर्ण जनपद में अपराध की रोकथाम व अवैध मादक पदार्थो के निर्माण, बिक्री व परिवहन के विरुद्ध चलाया गया। चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत आज दिनाँक 26.11.2023 को समय 02.55 बजे थाना कोतवाली सदर पुलिस द्वारा चेकिंग के दौरान ब्रदर्स इटिंग प्वाइंटस ढाबा सलेमपुर कोन से एक नफर अभियुक्त अभिजीत कुमार पुत्र विरेन्द्र कुमार निवासी सलेमपुर कोन थाना कोतवाली सदर जनपद खीरी को गिरफ्तार किया गया। जामा तलाशी में अभियुक्त के पास से 5 गत्ते के कारटून में कुल 57 हजार 600 टेबलेट एल्प्राजोल्म व 47 हजार 520 कैपसूल हत्र्ङ्ग स्क्क्रस्थ्रष्ठ कुल वजन 32.472 किग्रा0 के साथ गिरफ्तार किया गया है। बरामदगी के आधार पर थाना हाजा पर मु0अ0सं0 1149/2023 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत किया गया है। अभियुक्त अभिजीत कुमार उपरोक्त का चालान मा0 न्यायालय भेजा गया। **गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण:-**

1. अभिजीत कुमार पुत्र विरेन्द्र कुमार निवासी सलेमपुर कोन थाना कोतवाली सदर जनपद खीरी **बरामदगी का विवरण** - 5 गत्ते के कारटून में कुल 57 हजार 600 टेबलेट एल्प्राजोल्म व 47 हजार 520 कैपसूल हत्र्ङ्ग स्क्क्रस्थ्रष्ठ कुल वजन 32.472 किग्रा0। **गिरफ्तारकर्ता टीम का विवरण:-** 1. उ0नि0 लोकनाथ गुप्ता चौकी प्रभारी जेलगेट थाना कोतवाली सदर खीरी। 2. का0 कुलदीप गौतम थाना कोतवाली सदर खीरी। 3.का0 प्रतिपाल थाना कोतवाली सदर खीरी।

कार्तिक पूर्णिमा पर परियर घाट में प्रशासन की तैयारियां

द अचीवर टाइम्स। मुकेश राजपूत

उन्नाव। ब्लॉक सिकंदरपुर सरोसी क्षेत्र के परियर गंगा तट पर कार्तिक पूर्णिमा की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है एक दिन पहले से ही हजारों की तादात में श्रद्धालुओं ने गंगातट पर अपना डेरा जमा लिया है। सदर तहसील क्षेत्र के पौराणिक परियर घाट पर लगने वाले कार्तिक पूर्णिमा मेले में एक दिन पूर्व ही हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगातट पर अपना तम्बू लगा लिया है। रात भर भजन कीर्तन व रामचरित मानस पाठ के आयोजन गंगा तट पर श्रद्धालुओं द्वारा किये गये । अगले दिन प्रातः काल से गंगा तट पर स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की अधिक होने के आसार । देरी से जागे प्रशासन ने पूरी रात भर जागकर घाट तक जाने वाले रास्ते को दुरुस्त करवाने के साथ ही घाट पर बैरीकेटिंग, वस्त्र परिवर्तन केंद्र व आवश्यक पुलिस बल तैनात कर दिया है। घाट पर ब्लाक व तहसील के कर्मचारियों की ड्युटी लगा दी गई है।

जिलाधिकारी ने फतियापुर प्राथमिक विद्यालय में देखा मतदाता पुनरीक्षण का कार्य

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने विकास खण्ड सुरसा के अंतर्गत फ़तियापुर प्राथमिक विद्यालय में बूथ का निरीक्षण किया। उन्होंने बीएलओ द्वारा किये जा रहे मतदाता पुनरीक्षण कार्य को देखा तथा सुपरवाइजर व बीएलओ को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बूथ के अंतर्गत कोई मतदाता छूटने न पाए। पहली बार मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए फॉर्म 6 भरें। मतदाता सूची में संशोधन के लिए फॉर्म 8 भरें। मतदाता सूची से नामों को हटाने व डुप्लीकेसी के मामले में फॉर्म 7 भरें। उन्होंने कहा कि फॉर्मो की पर्याप्त संख्या रखी जाए। फार्मो को ऑनलाइन करने में देरी न की जाए। इपी रेशियो व जेंडर रेशियो का पूरा ध्यान रखा जाए। 18-19 आयुवर्ग के मतदाताओं का निर्धारित अनुपात सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सुपरवाइजर तेजप्रताप को निर्देश दिया कि बीएलओ से निरंतर संवाद बनाये रखें। कार्य मे लापरवाही होने पर संबंधित बीएलओ व सुपरवाइजर की जवाबदेही निर्धारित की जाएगी। उन्होंने परिसर में स्थित जर्जर भवन के जल्द ध्वस्तीकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार व अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्तिक मेला पूर्णिमा का चल रहा भव्य आयोजन

संवाददाता सुधांशु अवस्थी

समस्त सनातन प्रेमियों को सूचित करते हुए अपार हर्ष हो रहा है। गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी कार्तिकी मेला स्थान फूल मती माता मंदिर मछरेहटा मे दिनांक 25 , 26, 27 नवम्बर होना निश्चित हुआ है मेला में दिन की बेला में रामलीला व रात्रि की बेला में कृष्ण लीला का भव्य मंचन होगा, अतः आप सभी मछरेहटा नगर वासियों व क्षेत्र वासियों से विनम्र अनुरोध है आप सभी मेला में समय निकाल कर अवश्य पधारे 25 नवम्बर को मेला उद्घाटन श्री श्री 108 पूज्य संत त्यागी जी महाराज डगरहा धाम एवं श्री श्री 108 महंत नारायण दास जी महाराज डंका वाले बाबा चारधाम पहला आश्रम की गरिमा मयी उपस्थित में हुआ। मेला समापन में- महंत संतोष दास खाकी जी महाराज, सचिव चौरासी कोसी परिक्रमा समिति नैमिषारण्य की गरिमा मयी उपस्थित होगी।

मेला संरक्षण- योगेश प्रधान मिर्जापुर उत्तरी मेला प्रबंधक- रामचंद्र गुप्ता सह प्रबंधक- संजय रस्तोगी जिला संरक्षक बिश्व हिन्दू परिषद सह संरक्षक- रोहित रस्तोगी मेला प्रभारी-मनोज रावत प्रधान मछरेहटा कस्बा सुरक्षा प्रमुख- महेन्द्र पांडेय प्रान्त सह संयोजक बजरंग दल (अवध प्रान्त) मेला अध्यक्ष- महंत प्रीतम दास बडा हनुमान मंदिर मछरेहटा कोषाध्यक्ष- संतोष वैश्य मछरेहटा।

उपाध्यक्ष -दुर्गेश अवस्थी, गोलू, मेला महामंत्री- राजन रस्तोगी, मेला मंत्री - पंकज कनौजिया, मेला सहमंत्री-सतनाम राजवंशी, मेला सहमंत्री-किशोरी मौर्या, मेला ब्यवस्थापक-मंच ब्यवस्थापक-गौरव राजवंशी मेला ब्यवस्थापक-नवीन मौर्या।

सह ब्यवस्था प्रमुख गंगाराम राजवंशी प्रचार प्रमुख- मुनेन्द्र मौर्या (पेंटर) सह प्रचार प्रमुख- गनेश मौर्या प्राचार मंत्री- कमल राजवंशी बिशेष सम्पर्क प्रमुख- अनिल दीक्षित सह बिशेष सं प्र,- दिनेश मौर्या पूर्व प्रधान सह बिशेष सं,प्र-राजा राजवंशी मंदिर पुजारी- श्री राम मौर्या निवेदक समस्त सनातन धर्मानुरागी जनता जनार्दन।

पुलिस कार्यालय प्रांगण में संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई गई

द अचीवर टाइम्स संवादाता

बाराबंकी। बाराबंकी प्रत्येक वर्ष 26 नवम्बर संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक बाराबंकी दिनेश कुमार सिंह द्वारा पुलिस कार्यालय प्रांगण में समस्त पुलिस कर्मियों को संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाकर भारत को एक लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा समस्त नागरिकों को सामाजिक,आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए तथा राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित कराने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर निष्ठा के साथ कार्य करने के लिए समस्त पुलिस कर्मियों को प्रेरित किया गया। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी नगर डॉ0 बीनू सिंह व क्षेत्राधिकारी सदर सुमित त्रिपाठी व अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक उत्तरी, बाराबंकी आशुतोष मिश्र द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन्स में व समस्त क्षेत्राधिकारीगण द्वारा अपने-अपने कार्यालयों में तथा थाना प्रभारियों/चौकी इंचार्ज द्वारा थाना/चौकी पर पुलिस कर्मियों को संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई गयी।

जन कल्याणकारी योजनाओं में जल जीवन मिशन का अहम योगदान रहा

विकासखंड मसौली के ग्रामपंचायत चंदवारा में भव्य कार्यक्रम

द अचीवर टाइम्स। अनुराग मेहरोत्रा

बाराबांकी। बाराबांकी विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत विकासखंड मसौली के ग्रामपंचायत चंदवारा में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद उपेन्द्र सिंह रावत बाराबंकी, विशिष्ट अतिथि सदस्य विधान परिषद अंगद कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती एकता सिंह बाराबंकी, उत्तर प्रदेश जल निगम ग्रामीण बाराबंकी केअधिशाषी अभियंता अमित कुमार ने जल जीवन मिशन की ओर से जनपद बाराबंकी में कार्य कर रहे न्यू जेनेशिश दिल्ली से आईईसी का कार्य कर रही संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर सोनू सैनी एवम उनकी टीम के लोग एवम ढ्ढस्-का कार्य कर रही ढ्ढस्-संस्था मैसर्स श्रद्धा सेवा समिति की टीम के संस्था प्रतिनिधि अजय कुमार तथा उनकी टीम के लोग एवम पूरे प्रोजेक्ट की मॉनिटरिंग कर रही कार्यालय डीपीएमयू से जिला समन्वयक सूर्य नारायण, डिजाइन समन्वयक, कैयूम अहमद, अतुल सिंह, ग्राम प्रधान, एफटीके महिलाएं, टेक्निकल स्टॉप एवम जनपद के अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे उपस्थित लोगों को सरकार के द्वारा किए जा रहे सभी जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई जिसमे जल जीवन मिशन का अहम योगदान रहा।

मौरंग भरा डम्फर पलटने से कई घंटे बाधित रहा उन्नाव हरदोई मार्ग

द अचीवर टाइम्स, मुकेश राजपूत

उन्नाव। उन्नाव हरदोई मार्ग के खुमानखेडा के गांव के पास मौरंग से भरा डम्पर अनियंत्रित होकर पलट गया। डम्फर पलटने से सड़क पर मौरंग विखर गई मौरंग बिखरने से मार्ग पर वाहनों का आवा गमन बंद हो गया। जिससे दोनों ओर लगभग पांच से आठ किमी लम्बी वाहनों की कतार लग गई पुलिस ने छह घंटे बाद क्रेन से डम्पर को हटवा कर जाम खुलवाया । चालक मौके पर नहीं मिला। रविवार सुबह पांच बजे हरदोई उन्नाव मार्ग पर खुमानखेडा के जंगलेश्वर मोड़ पर सामने से आ रहे वाहन को बचाने में डम्पर सडक किनारे कच्चे रोड पर होने से चालक डम्फर को पुनः सड़क पर लाते ही अनियंत्रित होकर पलट गया। सड़क पर डम्पर और मौरंग विखर गई। दोनों ओर से आने जाने के लिए मार्ग पर कई घंटे के लिए लम्बा जाम लग गया। दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गई। सूचना पर पहुंचे दरोगा राजपाल ने जेसीबी से ड्म्फर खाली कराया और उसे। हटाने का प्रयास किया। जेसीबी से सफलता न मिलने पर क्रेन को बुलाया। लगभग दस बजे क्रेन की मदद से डम्पर को। हटाया तबतक दोनों ओर लगभग कई किमी लम्बी वाहनो की कतार लग गई। पुलिस ने एक घंटे में दोनों ओर के वाहनो को पास कराया। इस बीच घटना स्थल के दोनों ओर जेसीबी से खंती में रास्ता बनाया गया जिससे छोटे वाहनों को पास कराया।

घंटा घर स्थित भीम रावअम्बेडकर की प्रतिमा पर नायक टाईगर फोर्स भारत संघ के कार्यकर्ताओं द्वारा माल्यार्पण कर उनके रास्ते पर चलने के दिए उपदेश

द अचीवर टाइम्स फसाद खान

शाहजहांपुर । 26 नवंबर 2023 संविधान के शुभ अवसर पर नायक टाईगर फोर्स भारत संघ के कार्यकर्ताओं द्वारा। घंटा घर स्थित भीम राव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित करते हुए भीम राव अम्बेडकर के रास्ते पर चलने के दिए उपदेश राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीत कुमार आजाद ने कहा संविधान को तैयार करने में 2 वर्ष, 11 महीने 18 दिन लगे थे ! यह 26 नवंबर,1949 को पूर्ण हुआ। 26 नवंबर का दिन भारत में संविधान दिवस के तौर पर मनाया जाता है ! इसी दिन राष्ट्रीय कानून दिवस भी होता हैं हर भारतीयों के लिए 26 नवंबर दिन बहुत खास और गौरवपूर्ण महसूस करने वाला है ! यह वो दिन है जो इस दिन संविधान बनकर तैयार हुआ था जिसमें हमें आजादी व समानता के साथ जीने का अधिकार दिया गया है ! 26 नवंबर 1949 को ही देश की संविधान सभा ने वर्तमान संविधान को विधिवत रूप से अपनाया था ! संविधान बनकर तैयार हुआ और देश को समर्पित किया गया ! यह संविधान ही है जो हमें आजाद देश का आजाद नागरिक की भावनाओं का एहसास करता है ! जहां संविधान के दिए मौलिक अधिकार हमारी ढाल बनकर हमें हमारा हक दिलाते हैं ! वहीं इसमें दिए मौलिक कर्तव्य में हमें हमारी जिम्मेदारियां भी याद दिलाते है इस बीच मौजूद रहे संजीत कुमार आजाद,फसाद खान,अपूर्व दुवेदी ,आदि तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिना सूचना दिए बंद रहा फरधान का रेलवे फाटक दिन भटकते रहे सैकड़ो राहगीर

द अचीवर टाइम्स लखीमपुर खीरी रमेश चंद्र

फरधान। कस्बे के पीलीभीत बस्ती मार्ग पर बने रेलवे फाटक गेट संख्या 138 पर बिना अग्रिम सूचना दिए रविवार की सुबह 6:00 बजे बंद कर दिया गया और लाइन का पैकिंग का काम शुरू कर दिया गया। इससे निकलने वाले भारी वाहनों से समेत सैकड़ो छोटे वाहनों व यात्रियों को निकालने में काफी दिक्तों का सामना करना पड़ा। सैकड़ो ट्रक कस्बा में देर रात तक सड़क पर खड़े रहे। अनजान रास्ते पर निकलने वाले सैकड़ो राहगीर इधर उधर भटकते रहे। फरधान कस्बे में लखीमपुर गोला मार्ग पर रेलवे क्रॉसिंग गेट संख्या 138 है। जिस पर रविवार रेल विभाग द्वारा रेल लाइन में पैकिंग का काम शुरू कराया दिया। इसकी सूचना पहले से किसी को नहीं दी गई थी। आज सुबह अचानक 6:00 बजे रेलवे क्रासिंग बंद करके लाइन रेलवे लाइन खोद दी गई और सभी छोटे-बड़े वाहनों का आवागमन बंद कर दिया गया। सड़क पर निकलने वाले भारी वाहन कस्बा में सड़क पर खड़े रहे। कुंभी चीनीमिल को गन्ना ले जाने वाले ट्रक भी नहीं जा सके। जिससे आज गन्ना सेंटर रेल और धौरहरा खुर्द दोनों सेंटरों पर तौल बंद रही। राहगीरों का कहना है कि इसकी सूचना अगर पहले दे दी गई होती तो उनको यह दिक्कत न उठानी पड़ती। कई किसानों की ट्रैक्टर ट्राली रेलवे लाइन दोनों तरफ फंस गए। एसओ बृजेश कुमार मौर्य का कहना है सूचना मिली थी। इसका प्रचार प्रसार रेलवे द्वारा करना था। हमें केवल सुरक्षा व्यवस्था की सूचना मिली थी। मौके पर अशांति न फैले इस कारण पुलिस लगाई गई थी। छोटे छोटे वाहनों को सकतापुर गांव से निकाले गए हैं।

बड्स एंड ब्लॉसम स्कूल में कला प्रदर्शनी मेले का आयोजन

स्कूल के बच्चों के बनाये सुंदर मॉडलों ने दर्शकों का दिल जीता

❖ बच्चे देश का भविष्य होते हैं इनका उत्साहवर्धन बहुत जरुरी है-शिप्रा घोषाल

संवाददाता

लखनऊ। बाला कदर रोड स्थित बड्स एंड ब्लॉसम स्कूल में वेस्ट मटेरियल से बनी वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाई गई। जिसमें नर्सरी से लेकर कक्षा 8 तक के छात्र-छात्राओं ने स्वयं और अपने टीचर्स,अभिभावकों की मदद से वेस्ट मटेरियल से बनी हुई वस्तुओं को मनमोहक मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया।मॉडलों में चंद्रयान,ग्लोबल वार्मिंग,लेयर ऑफ़ द अर्थ,लखनऊ रेलवे जंक्शन,कंदील,जूट वर्क आदि विशेष रूप से दर्शनीय रहे।छोटे बच्चों ने तितली, गाजर, पशु-पक्षी और फल-फूलों के भी छोटे-छोटे क्राफ्ट मॉडल बनाएं,रंगोली भी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहीं।इस क्राफ्ट प्रदर्शनी का उद्घाटन संयुक्त रूप से विद्यालय की प्रधानाचार्य शिप्रा घोषाल और समाजसेवी अब्दुल वहीद ने किया।इस अवसर पर प्रधानाचार्य शिप्रा घोषाल ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चे देश का भविष्य होते हैं इनका उत्साहवर्धन बहुत जरूरी है यही बच्चे जो आज एक छोटे से स्कूल में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं वही आई.ए.एस, आई.पी.एस, डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक के रूप में भविष्य में देश के विकास में अपना सहयोग देंगे।उन्होंने कहा कि 25 से अधिक वर्षों से हर वर्ष हम लगातार यह प्रदर्शनी लगाते रहते हैं,इस प्रदर्शनी की तैयारी में बच्चों के साथ-साथ स्कूल का स्टाफ और बच्चों के अभिवावकों की भी सराहनीय भूमिका रहती है।बहुत कम समय में इन सबने बहुत अच्छी तैयारी की है जिसको देखकर लोगो ने बड़ी प्रशन्सा की है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद समाजसेवी अब्दुल वहीद ने बच्चों के उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामना दी और स्कूल के पूरे स्टाफ को सफल आयोजन के लिए मुबारकबाद पेश की। इस आयोजन की सफलता में रजिया बेगम,नीलम, इशरत जहां, क्रिस्टीना, जेहरा, मानसी गुरुनानी, शालिनी चंद्रा, संगीता गुप्ता, मिस्बाह, नाजिया, नीरज गुप्ता, रेहाना, पूजा बत्रा, फरजाना, उज्मा आदि टीचरों का सराहनीय योगदान रहा है। स्कूल के मैनेजर सर्वजीत सिंह ने भी बच्चों और स्कूल स्टाफ की बहुत प्रशंसा की।नर्सरी के आद्रिक सोनकर, के.जी.फर्स्ट की शांवी को, क्लास फोर्थ के श्रेयांस को उनके मॉडल्स के लिये प्रथम पुरस्कार दिया गया।क्लास 6 के शौर्य, सुमित,आयान अली को स्टोन एज,विंड मील मॉडल हेतु और क्लास 8 के वैष्णवी, परी,अंकित, ऐनी, प्रखर को उनके मॉडल ग्लोबल वार्मिंग,चंद्रयान को प्रथम पुरस्कार दिया गया।स्कूल परिसर में विद्यालय के टीचर्स और बच्चों के अभिभावकों ने स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टाल्स भी लगाये थे,आये हुये अतिथियों ने क्राफ्ट प्रदर्शनी देखने के बाद इन स्टाल्स पर अपनी मनपसन्द चीजों का आनन्द लिया और खाने की प्रशन्सा की।

संविधान दिवस पर यूपी प्रेस क्लब में संगोष्ठी का आयोजन

संवाददाता

लखनऊ। सीमांत गांधी सोशल वेलफेयर ट्रस्ट की तरफ से संविधान दिवस पर यूपी प्रेस क्लब में संगोष्ठी का आयोजन किया गया ट्रस्ट के अध्यक्ष सैयद बिलाल नूरानी की अध्यक्षता में वक्ताओं ने संविधान की प्रस्तावना में वर्णित बराबरी और अभिव्यक्ति की आजादी की रक्षा के लिए संकल्प लिया प्रोग्राम की शुरुआत अजरा मुबीन के द्वारा संविधान की प्रस्तावना पढ़कर की गई विषय परिवर्तन करते हुए इतिहासकार और समाजवादी चिंतक शाहनवाज कादरी ने संविधान पर खतरे एवं संशोधनों के ज़रिए संविधान की मूल आत्मा से छेड़छाड़ की आशंका की तरफ इशारा किया समाज सेविका ताहिरा हसन ने डॉक्टर अंबेडकर के संघर्षों का जिक्र करते हुए संविधान के देश की महिलाओं और वंचित वर्गों का सबसे बड़ा हथियार बताया मौलाना सुफियान निजामी ने अल्पसंख्यकों के धार्मिक अधिकारों से छेड़छाड़ को रोकने की जरूरत पर जोर दिया एसजीपीजीआई के पीडियाट्रिक डिपार्मेंट के एचओडी डॉ बसंत ने बल देते हुए भविष्य में धार्मिक कट्टरता के माध्यम से संविधान से छेड़छाड़ की आशंका जाहिर की पूर्व विधायक एवं सपा प्रवक्ता अनूप संडा ने वक्ति लोकप्रियता के लिए राजनीतिक दलों द्वारा अपनाए जाने वाले कदमों के दुष्परिणामों के प्रति सचेत करते हुए समान विचार के लिए विचारों की एकता और संघर्ष पर बल दिया कार्यक्रम का संचालन श्री परवेज़ मलिकज़ादा ने किया ट्रस्ट की सचिव अज़रा मुबीन ने धन्यवाद ज्ञापन किया तथा ट्रस्ट की भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला

चीफ गेस्ट मौलाना सुफियान निजामी
आज के सेमिनार के अध्यक्ष सैयद बिलाल नूरानी
की नोट स्पीकर शाहनवाज कादरी
स्पीकर ताहिरा हसन सोशल एक्टिविस्ट
स्पीकर अनूप संडा एक्स एमएलए वह समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता
स्पीकर डॉक्टर वसंत कुमार एच ओ डी का पीडियाट्रिक एसजीपीजीआई

एक नज़र

लखनऊ पब्लिक स्कूल्स एण्ड कॉलेजेज में कोलोसियम 2023 का सफल आयोजन संपन्न

लखनऊ। लखनऊ पब्लिक स्कूल्स एण्ड कॉलेजेज द्वारा आयोजित 6वीं इंटर स्कूल स्टेट एथेलेटिक चैंपियनशिप, कोलोसियम-2023 की ट्राफी सीतापुर के विद्याज्ञान स्कूल के नाम रही। जिन्होंने 222 अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। कोलोसियम के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर अर्जुन अवार्डी रचना गोविल, शैलेन्द्र प्रताप सिंह (एथेलेटिक्स कोच, गुरु गोविन्द सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज), लक्ष्मण अवार्डी हिमांशु तिवारी, जबलपुर से पधारे कानून विद विवेक रंजन, वीना पाण्डेय, आर्किटेक्ट अनुपमा अग्रहरी, डॉ प्रभा सिंह, डॉ आकांक्षा दीक्षित, प्रधानाचार्या नीलम सिंह, भारती गोसाई, सुनंदा माथुर, मीना तिवारी, कहकशां अरबी, विजय सचदेवा, के.के.शर्मा, अनीता चौधरी, कंचन पाण्डेय, परीक्षा नियंत्रक योगेश कुमार गुप्ता व वाईस प्रिंसिपल अमित त्रिवेदी उपस्थित रहे। 175 अंक पाकर सेंट जोसफ कान्वेंट स्कूल, वाराणसी द्वितीय स्थान एवं 114 अंक पाकर एल पी सी , विनम्र खंड, गोमती नगर तृतीय स्थान पर रहा।

द एमएसजी फाउंडेशन की तरफ से वर्चुअल हेल्थ कैंप का आयोजन

लखनऊ। द एमएसजी फाउंडेशन ने जयपुरिया के पास गरीब जुग्गी झोपड़ी में वर्चुअल हेल्थ कैंप का आयोजन किया। इस मेडिकल कैंप में एमबीबीएस एमडी पीडियाट्रिक (डॉ.मुज़फ़्फर हॉस्पिटल) की डॉक्टर सादिया मंसूर ने लोगों को ऑनलाइन देखा और दवाएं बताई यह दवाएं जो डॉक्टर सादिया मंसूर ने बताई द एमएसजी फाउंडेशन की तरफ से लोगों को दी गई। इस मेडिकल कैंप में तकरीबन 25 लोगों को देखा गया और उन्हें दवाई दी गई। इस मेडिकल कैंप में समाज के कई प्रतिष्ठित लोग मौजूद रहे और डॉ. ऐमन भी मौजूद रहीं। वही द एमएसजी फाउंडेशन की तरफ से फाउंडेशन के संस्थापक मोहम्मद सादिक, फाउंडेशन के अध्यक्ष मोहम्मद आलम, फाउंडेशन के उपाध्यक्ष शुजा अब्बास, सदफ इकबाल, ज़फ़र इकबाल, आबिद मौजूद रहे।

ताइक्वाण्डो चैम्पियनशिप में सी.एम.एस. छात्रों ने जीते दो गोल्ड मेडल

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर (प्रथम कैम्पस) के दो प्रतिभाशाली छात्रों वरिष्ठा एवं विवान ने अन्तर-विद्यालयी डिस्ट्रिक्ट ताइक्वाण्डो चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल अर्जित कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। चैम्पियनशिप का आयोजन लखनऊ ताईक्वाण्डो एसोसिएशन के तत्वावधान में हुआ, जिसमें लखनऊ के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभाग किया। सी.एम.एस. के इन प्रतिभाशाली छात्रों ने कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच गोल्ड मेडल जीतकर अपनी खेल प्रतिभा का परचम लहराया है तथापि अपनी खेल प्रतिभा, चुस्ती-फूर्ती, कौशल तथा दमखम के बलबूते दो गोल्ड मेडल अर्जित कर आने वाले समय में राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने के संकेत दिये है। सी.एम.एस. संस्थापक डा. जगदीश गाँधी ने इस होनहार छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की है। सी.एम.एस. छात्र न सिर्फ शैक्षिक क्षेत्र में अपितु खेलों व समाज के अन्य बहुतेरे क्षेत्रों में भी विद्यालय का नाम राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर रहे हैं क्योंकि सी.एम.एस. अपने छात्रों के बौद्धिक विकास के साथ उन्हें खेलों व अन्य सामाजिक क्षेत्रों के लिए भी विशेष रूप से तैयार करने में पूरे मनोयोग से संलग्न है।

कैट में डाटा इंटरप्रिटेशन व रीजनिंग में उलझे परीक्षार्थी

लखनऊ। देश भर के भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) और अन्य शीर्ष प्रबंधन संस्थान में दाखिले के लिए कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट) 2023 का आयोजन रविवार को किया गया। परीक्षा में डाटा इंटरप्रिटेशन और लॉजिकल रीजनिंग ने परीक्षार्थियों का कड़ा इम्तिहान लिया। कैट की परीक्षा कुल तीन पालियों में हुई। पहली सुबह 8:30 बजे से 10:30 तक, द्वितीय पाली दोपहर 12:30 से 2:30 बजे तक, जबकि तृतीय पाली शाम 4:30 से 6:30 बजे तक रही। परीक्षार्थियों को सुबह के समय सेंटर तलाशने में परेशानी हुई तो शाम के समय कई अभ्यर्थियों को घर जाने में भी दिक्कत हुई।

परीक्षा केंद्र पहुंचने में हुई परेशानी

राजधानी के एलडीए स्थित एक निजी परीक्षा केंद्र पर पहुंचे अभिनव कुमार ने बताया कि मैं वाराणसी से आया हूं। यह मेरा दूसरा प्रयास है, इससे पहले गृह जनपद में ही सेंटर था लेकिन इस बार लखनऊ बनाया गया। सुबह की पाली में परीक्षा होने से सेंटर तलाशने में दिक्कत हुई।

सन आई हॉस्पिटल ने यूपी के पहले कंटूरा लेसिक सर्जरी वाले आई हॉस्पिटल का किया शुभारंभ

❖ लखनऊ के गोमती नगर में आलमबाग के बाद सन आई हॉस्पिटल की दूसरी ब्रांच।

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी और आसपास के क्षेत्रों के नेत्र रोगों के इलाज में अग्रणी सन आई हॉस्पिटल, लखनऊ के गोमती नगर में अपनी दूसरी ब्रांच का शुभारंभ किया है। सन आई हॉस्पिटल की नई ब्रांच सम्मिट बिल्डिंग के सामने स्थित है। सन आई हॉस्पिटल का नया ब्रांच कंटूरा लेसिक सर्जरी की सुविधा वाला यूपी का पहला आई हॉस्पिटल है। कंटूरा लेसिक सर्जरी में पारंपरिक लेसिक और अन्य दृष्टि सुधार विधियों की तुलना में बेहतर दृश्य परिणाम प्राप्त होते हैं। सन आई हॉस्पिटल की स्थापना 2002 में डॉ. सुधीर श्रीवास्तव ने की थी। अपनी स्थापना के साथ ही यह अस्पताल आंखों के इलाज में अग्रणी बना है। अस्पताल में विभिन्न प्रकार के आंखों के इलाज, जैसे कि मोतियाबिंद, रतौंधी, ग्लूकोमा, आई हर्पिज, आंखों के ट्यूमर, डायबिटीज से संबंधित रेटिनोपैथी व लेसिक सर्जरी की सुविधा उपलब्ध है। नई ब्रांच में भी सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। अस्पताल में 14 अनुभवी नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर्स उपलब्ध हैं। साथ ही अस्पताल में अत्याधुनिक उपकरणों से लैस ऑपरेशन थिएटर भी हैं। नई ब्रांच के बारे में बताते हुए डॉ. सुधीर श्रीवास्तव ने कहा, ÷हम अपनी नई ब्रांच के साथ लखनऊ के लोगों को अत्याधुनिक मेडिकल टेक्नोलॉजी के साथ बेहतर आंखों का इलाज प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर हैं। हम अपने मरीजों को उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए हमने अपने नए ब्रांच में कंटूरा लेसिक सर्जरी की सुविधा भी शुरू की है। यह सुविधा यूपी में पहली बार किसी आई हॉस्पिटल में उपलब्ध हुई है। डॉक्टर सुधीर श्रीवास्तव ने बताया कि नई ब्रांच में भी आँखों के आस-पास की सूजन, पफीनेस और महीन रेखाओं को सुधारने के लिए कॉस्मेटिक सर्जरी की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि अस्पताल नयन नाम से एक मोबाइल नेत्र शिविर भी चलाता है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की आंखों की जांच व इलाज किया जाता है। उन्होंने कहा कि अस्पताल सामाजिक सेवाओं के लिए भी प्रतिबद्ध है। ग्रामीण भारत में पर्याप्त प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव है। 66त्न ग्रामीण आबादी की महत्वपूर्ण इलाज तक पहुंच नहीं है। हमने इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए नयन की शुरुआत की।

संविधान दिवस पर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को याद किया गया: मुर्तजा अली

संवाददाता

लखनऊ। शराबबंदी संघर्ष समिति कार्यालय में संविधान दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसकी मुर्तजा अली ने किया.! इस अवसर पर मुर्तजा अली ने कहा कि भारत की आजादी के बाद हम सबको वोट देने का अधिकार संविधा के द्वारा हर नागरिक नागरिक अपने पसंद की सरकार चुन सकता है और उसको सत्ता से हटा सकता संविधान कि हम सब को जानकारी लेनी चाहिए.! स्कूलों और मदरसा के किताबों में संविधान की पढ़ाई होनी चाहिए! इसी क्रम में मोहम्मद फहीम सिद्दीकी , मोहम्मद आफाक ,इरशाद अहमद, ने कहा कि कुछ सत्ताधारी लोग संविधान के खिलाफ बात करते रहते हैं ऐसे लोगों पर अंकुश लगनी चाहिए संविधान बचाओ आंदोलन की भी जरूरत बताई गई ! आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से फहीम सिद्दीकी, मोहम्मद आफाक, रफी अहमद, जिया उल नदवी, मोहम्मद फुरकान, मोहम्मद शमीम, जिया अल नदवी, फहद , हलीमा, आदि लोग उपस्थित रहे !

इंदिरा नगर में एक निशुल्क विशाल मेडिकल कैंप का आयोजन

संवाददाता

लखनऊ। अंजुमन कब्रिस्तान लवकुश नगर, इंदिरा नगर लखनऊ में एक निशुल्क विशाल मेडिकल कैंप का आयोजन मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी ,इंदिरा नगर द्वारा किया गया, जिसमें हृदय एवं शुगर, कान नाक गला, जनरल फिजिशियन, जनरल सर्जन बच्चों के बीमारी एवं स्त्री रोग से संबधित माहिर डॉक्टरों ने मरीजों को देखा तथा मुफ्त दवाएं दी, इसके अतिरिक्त कुछ विशेष बीमारियों जैसे गैस्ट्रो, कोलाइटिस बवासीर हेतु हर्बल विशेषज्ञ ने अपना परामर्श दिया तथा मुफ्त दवाई दी तथा सभी तरह की पैथोलॉजी जांच की सुविधा भी 50त्न छूट पर उपलब्ध कराई गई इस कैंप से महिला, पुरुष तथा बच्चों ने ढाई सौ की संख्या में लाभ उठाया! इस अवसर पर विशेष रूप से काज़ी अहमद रज़ा, मोहम्मद साबिर खान, एडवोकेट सईद आरिफ, मुस्तकीम अहमद सिद्दीकी, अनवर अली खान, बशीर खान, इकराम उल हक, मोहम्मद आमिर खान, मेराज अहमद, मुजाहिद खान, नसीम अहमद मोहम्मद इमरान, तौसीफ आलम खान, शहजाद अली, वकील अहमद, जाहिद रजा आदि ने उपस्थित होकर अपना विशेष सहयोग दिया!

संविधान बचाने के लिए केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनवानी होगी: शाहनवाज़ आलम

❖ अल्पसंख्यक कांग्रेस ने मदरसों में दिलवाया संविधान बचाने का संकल्प।
❖ स्पीक अप 124 में बोले कांग्रेस नेता।

संवाददाता

लखनऊ। संविधान दिवस के दिन हमें संविधान के मूल ढांचे और मूल्यों को बचाने का संकल्प लेना होगा। भाजपा संविधान को बदलकर फिर से मनुवादी व्यवस्था को लागू करना चाहती है। उस व्यवस्था में कमज़ोर तबकों को पढ़ने, लिखने और ज़मीन रखने तक का अधिकार नहीं होता था। सिर्फ़ कांग्रेस ही संविधान की रक्षा कर सकती है। ये बातें अल्पसंख्यक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष शाहनवाज़ आलम ने साप्ताहिक स्पीक अप कार्यक्रम की 124 वीं कड़ी में कहीं। शाहनवाज़ आलम ने कहा कि 26 नवम्बर 1949 को बाबा साहब ने संविधान की प्रति प्रधानमंत्री नेहरू जी की मौजूदगी में राष्ट्रपति को सौंपी थी। इसके चार दिन बाद 30 नवम्बर 1949 को ही आरएसएस के मुखपत्र ऑर्गनाइजर में संविधान की जगह मनु स्मृतु के शासन को लागू करने के पक्ष में लेख प्रकाशित हुआ। उन्होंने कहा कि देश के पहला चुनाव जनसंघ ने मंदीर में दलितों के प्रवेश और छुआछूत को अपराध घोषित करने के खिलाफ़ लड़ा था। वहीं इंदिरा गाँधी सरकार द्वारा 1976 में संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए समाजवादी और सेकुलर शब्द को भी भाजपा सरकारें हटाने की कोशिश करती रही हैं। संघ के मुख्य मोहन भागवत, केंद्रीय मंत्री अनंत हेगड़े और प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष बिबेक देबरॉय सार्वजनिक तौर पर कह चुके हैं कि वो संविधान को बदलना चाहते हैं। शाहनवाज़ आलम ने कहा कि ऐसे में ज़रूरी है कि संविधान के समर्थक तबके केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनवाएं क्योंकि सिर्फ़ कांग्रेस ही संविधान की रक्षा कर सकती है। उन्होंने यह भी बताया कि आज अल्पसंख्यक कांग्रेस की तरफ से मदरसों में संविधान की प्रस्तावना को पढ़वाकर संविधान बचाने का संकल्प दिलवाया गया।

देव दीपावली आज, जगमगाएंगे घर-मंदिर और घाट

लखनऊ। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा का मान उदयातिथि के कारण सोमवार को है, इसी दिन देव दीपावली का पर्व मनाया जाएगा। मान्यता है कि इसी दिन भगवान विष्णु का प्रथम मत्स्यावतार हुआ था। इस दिन व्रत, पूजन और दान करने का विधान है। साथ ही गंगा स्नान व तीर्थ स्थान पर स्नान-दान का महत्व है। शाम को शहर में दीपदान होगा। ज्योतिषाचार्य धीरेन्द्र पांडेय और एसएस नागपाल के मुताबिक, पूर्णिमा का प्रारंभ रविवार को दोपहर तीन बजकर 52 मिनट पर हो गया। समापन सोमवार को दोपहर 2 बजकर 45 मिनट पर होगा। इस बार पूर्णिमा तिथि पर कृतिका नक्षत्र और शिव योग का संयोग है। इस दिन चंद्रमा अपनी उच्च राशि वृषभ में होंगे। दिन में स्नान-दान और शाम को दीपदान का विधान है। कहा जाता है कि देवता धरती पर आते हैं, उनके स्वागत में दीपक जलाए जाते हैं।

कोचिंग का पैसा नहीं लेकिन कलैक्टर बन सकती है बिटिया: अम्बर फाउंडेशन की पहल

पहल

8 शहरों में 3000 होनहार बेटियों ने एपटीट्यूड टैस्ट देकर कलैक्टर बनने के सपने को पूरा करने की राह में बढ़ाया क़दम

संवाददाता

कलैक्टर बिटिया के तहत लखनऊ में लिए जा रहे एपटीट्यूड टैस्ट में हिस्सा लेती होनहार बेटियां और मुफत मोतियाबिन आप्रेशन के लिए आए अनेक मरीज़

लखनऊ। लखनऊ और आसपास के ज़िलों में ऐसी बेशुमार बेटियां हैं जो बड़े सपने संजोए जवानी की दहलीज़ पर क़दम रखती हैं परन्तु घरेलु हालात उन्हें अपनी पढ़ाई जारी रखने में बाधित होते हैं। एक बड़ी पहल करते हुए लखनऊ की प्रख्यात समाजसेवी संस्थान अम्बर फाउंडेशन ने ध्येय कोचिंग के साथ मिलकर कलैक्टर बिटिया प्रोग्राम प्रारंभ किया है जिसके माध्यम से ग़रीब घर की होनहार बच्चियों को फ्री कोचिंग देकर उनके कलैक्टर बनने के सपने को पूरा करने की कोशिश की जाएगी ताकि उनके सपने को पूरा करने में उनके घर की आर्थिक स्थिति रूकावट न बने। कलैक्टर बिटिया के तहत अम्बर फाउंडेशन और ध्येय कोचिंग 300 होनहार बच्चियों का चयन करके उन्हें फ्री कोचिंग देंगे। इस संदर्भ में आज लखनऊ और आसपास के 8 शहरों जौनपुर, बलरामपुर, घोंडा, लखिमपुर, प्रयागराज, सीतापुर, गोला और जलालपुर में एपटीट्यूड टैस्ट का आयोजन किया गया जिसमें 3000 से अधिक बच्चियों ने हिस्सा लेकर अपने सपनों को दिशा देने की राह में पहला क़दम बढ़ाया। केवल लखनऊ के अलीगंज में 600 से अधिक बेटियों ने इस एपटीट्यूड टैस्ट में हिस्सा लिया। यह सब बच्चियां ग़रीब परिवारों से थीं जो स्वयं सिविल सर्विसेज़ कोचिंग की भारी फीस भर पाने में असमर्थ थीं। अम्बर फाउंडेशन के चेयरमैन वफा अब्बास का कहना है कि इन सब बच्चियों की आंखों में बड़े सपने थे जिन को वे इस मुफत कोचिंग के माध्यम से पूरा होते देख रही थीं। उन्होंने कहा कि हालांकि ये सब बच्चियां होनहार हैं परन्तु पारिवारिक स्थिति के कारण आगे की पढ़ाई बाधित हो रही है। इनमें से 300 बच्चियों का चयन करके उन्हें फ्री कोचिंग दी जाएगी ताकि ये बच्चियां कलैक्टर बनने के सपने को साकार कर सकें। अम्बर फाउंडेशन के कामों पर विस्तृत जानकारी देते हुए वफा अब्बास ने बताया कि आज ही लखनऊ के गोमती नगर स्थित आईलाईफ सैन्टर अस्पताल में मोतियाबिन के 70 आप्रेशन किए गये जिन आप्रेशनों का तमाम खर्च अम्बर फाउंडेशन ने उठाया। अम्बर फाउंडेशन के चेयरमैन वफा अब्बास ने बताया कि आंखों की जांच में अम्बर फाउंडेशन के पास लगातार अनेक मोतियाबिन के केसेज़ सामने आ रहे हैं जिनकी आंखों का आप्रेशन होना आवश्यक है अन्यथा ऐसे मरीज़ों की आंखों की रौशनी भी जा सकती है। आप्रेशन का सिलसिला भी शहर के विभिन्न अस्पतालों में जारी है, उन्होंने बताया। बीते दिनों मे अनेक आप्रेशन निराला नगर स्थित क्लैरिटी आईकेयर अस्पताल में भी किए गये हैं। अम्बर फाउंडेशन के वफा अब्बास का कहना है कि लखनऊ और आसपास के इलाक़ों में अनेक गरीब घरों के लोग ऐसे हैं जिनकी आंखें कमज़ोर हो चुकी हैं या किसी आंखों की बीमारी के शिकार हैं। जांच, इलाज और आप्रेशन का खर्च न कर पाने की स्थिति में इनकी आंखों की बीमारी तो बढ़ती जाती ही है, इनकी आमदनी पर भी बहुत अधिक असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा किए जा रहे तमाम कार्य के प्रेरणास्त्रोत भारत के रक्षा मंत्री और लखनऊ से सांसद श्री राजनाथ सिंह हैं। अपने प्रोग्राम 'दृष्टि से उज्जवल भविष्य तक' के तहत अम्बर फाउंडेशन हजारों लोगों की दृष्टि बेहतर करने में लगी है जो उनकी जिंदगी में बड़ा बदलाव लाएगी। अम्बर फाउंडेशन के चेयरमैन वफा अब्बास का प्रेरणा स्त्रोत प्रारंभ से रक्षा मंत्री और लखनऊ से सांसद श्री राजनाथ सिंह रहे हैं। बीते दिनों में श्री राजनाथ सिंह ने अम्बर फाउंडेशन के कई कार्यक्रमों में शिरकत करके उसके अथक प्रयासों की सराहना की। वफा अब्बास का कहना है कि हर मुलाक़ात पर श्री राजनाथ सिंह उनसे गरीबों की बेहतरी के लिए किए जा रहे कामों का ब्यौरा अवश्य सुनते हैं और अपनी महत्वपूर्ण राय समय समय पर देते रहते हैं।

सम्पादकीय

ममता और गहलोत का गुजरात पर हमला एक राज्य के प्रति नफरत फैलाने के समान है

इस बात में कुछ गलत नहीं है कि कोई राजनीतिज्ञ किसी अन्य राजनीतिज्ञ की नीति और विचारधारा से सहमत नहीं हो और उस आधार पर उसे नापसंद करे और उसका विरोध करे लेकिन देश के प्रधानमंत्री पद पर जो व्यक्ति बैठा है उसके खिलाफ अमर्यादित बातें कहना सर्वथा अनुचित है। विपक्षी गठबंधन की ओर से कई नेता प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनने को आतुर तो दिख रहे हैं लेकिन इस पद की गरिमा और सम्मान का उन्हें जरा भी ख्याल नहीं है। प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवारी हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपशब्द बोलने का ऐसा सिलसिला शुरू हुआ है जोकि दिन पर दिन लोकतंत्र को शर्मसार कर रहा है। देखा जाये तो प्रधानमंत्री को अपशब्द बोलने के अभियान का नेतृत्व कांग्रेस नेता राहुल गांधी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री बनने के लिए देश को जातिवाद की आग में झोंक देने को आतुर दिख रहे राहुल गांधी की नजर में पीएम का मतलब है पनौती मोदी। राजस्थान की एक चुनावी सभा में राहुल गांधी ने जब पीएम शब्द की अपने शब्दों में व्याख्या की तो सभी चौंक गये क्योंकि उनके परिवार से तीन लोग प्रधानमंत्री रह चुके हैं और उनकी माँ सोनिया गांधी भी प्रधानमंत्री बन गयी होतीं यदि उनके विदेशी मूल का मुद्दा ऐन वक्त पर आड़े नहीं आया होता। हम आपको यह भी बता दें कि यह वही राहुल गांधी हैं जिन्होंने डॉ. मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्वकाल के दौरान उनका विधेयक सरेआम फाड़ कर प्रधानमंत्री पद के प्रति अपने असम्मान का खुलेआम प्रकटीकरण किया था।

राहुल गांधी मोदी को पनौती कह रहे हैं तो उनकी पार्टी के रिमोट कंट्रोल से संचालित माने जाने वाले अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे प्रधानमंत्री के पिता को सार्वजनिक रूप से अपशब्द कह रहे हैं। प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवारी की दौड़ में कहीं राहुल और खरगे आगे ना निकल जायें इसके लिए विपक्षी गठबंधन इंडी के घटक दल भी सक्रिय हो गये हैं। अगला चुनाव मोदी बनाम अरविंद केजरीवाल होने का दावा कर रही आम आदमी पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पनौतियों का सिकंदर करार देते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट डाल रही है। यह सब देख प्रधानमंत्री पद पाने का सपना काफी अरसे से पाले हुए बैठीं ममता बनर्जी भी सक्रिय हो गयी हैं और भाजपा तथा प्रधानमंत्री पर हमला करते हुए उन्होंने कहा है कि ''भारतीय टीम ने इतना अच्छा खेला कि उन्होंने विश्व कप में सभी मैच जीते, सिवाय उस मैच को छोड़कर जिसमें पापी लोगों ने भाग लिया था।%% जाहिर है जब विपक्षी पार्टियों के बड़े नेता प्रधानमंत्री के खिलाफ ऐसे उद्गार व्यक्त कर रहे हैं तो उनके कार्यकर्ता और भी आगे जाकर टिप्पणियां करेंगे। इसलिए आप सोशल मीडिया के किसी भी मंच पर चले जाइये प्रधानमंत्री के खिलाफ अमर्यादित बातें कहने के अभियान का असर आपको वहां पर साफ दिख जायेगा।

देखा जाये तो लोकतंत्र में इस बात में कुछ गलत नहीं है कि कोई राजनीतिज्ञ किसी अन्य राजनीतिज्ञ की नीति और विचारधारा से सहमत नहीं हो और उस आधार पर उसे नापसंद करे और उसका विरोध करे लेकिन देश के प्रधानमंत्री पद पर जो व्यक्ति बैठा है उसके खिलाफ अमर्यादित बातें कहना सर्वथा अनुचित है। यदि प्रधानमंत्री के खिलाफ विरोध भी प्रकट करना है तो उसे ससम्मान किया जाना चाहिए। इसके अलावा जिस तरह प्रधानमंत्री के गृह राज्य गुजरात को निशाना बनाया जा रहा है वह तो और भी गलत है। एक राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का यह कहना एक राज्य के प्रति नफरत फैलाने के समान है कि अगर क्रिकेट विश्व कप का फाइनल मैच कोलकाता या मुंबई में खेला जाता तो भारत जीत जाता। इसके अलावा राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जिस अंदाज में मारवाड़ी और गुजराती शब्द का प्रयोग करते हुए गुजरात पर कटाक्ष किया है वह भी सर्वथा अनुचित है। जिस तरह विपक्ष के नेता गुजरात और गुजरातियों के प्रति अपनी नफरत का इजहार कर रहे हैं उससे उनके उन दावों पर भी सवाल उठता है जिसके तहत वह मुहब्बत की दुकान खोलने का दावा करते हैं। हम आपको बता दें कि राहुल गांधी कई जनसभाओं में कह चुके हैं कि आपकी जेब से पैसा निकाल कर गुजरात के व्यापारियों की जेब में डाला जा रहा है। इसी लाइन को अन्य विपक्षी नेता भी थोड़ा-बहुत घुमा फिराकर दोहराते हैं। यहां सवाल उठता है कि मोदी से नफरत करते करते यह नेता क्यों गुजरात की हर चीज से नफरत करने लगे हैं? देखा जाये तो देश की अर्थव्यवस्था में गुजरात सर्वाधिक योगदान देने वाले राज्यों में शुमार है। महात्मा गांधी और सरदार पटेल का यह प्रदेश अहिंसा और एकता का संदेश देता है। व्यापारिक गतिविधियों का यह केंद्र प्रदेश देशभर के नौजवानों के लिए रोजगार का सबसे बड़ा स्रोत है। बहरहाल, जो लोग गुजरात, गुजरातियों और वहां स्टेशन पर चाय बेचने से लेकर देश के प्रधानमंत्री पद तक पहुँचने वाले नेता से नफरत का इजहार कर रहे हैं वह दरअसल अपनी खीझ प्रकट कर रहे हैं क्योंकि जीवन ने उन्हें सर्वाधिक अवसर और बेहतर हालात तथा पर्याप्त संसाधन दिये लेकिन वह उसका कभी सदुपयोग नहीं कर पाये। अपने कर्मों की बदौलत अपने राज्य को अंधेरे में धकेलने वाले नेताओं से यदि गुजरात की चकाचौंध नहीं देखी जा रही है तो इसके लिए उन्हें नरेंद्र मोदी को जिम्मेदार बताने की बजाय अपने गिरेबां में झांक कर देखना चाहिए।

पहले के फैसलों पर अमल जरूरी, देरी से उठते हैं औचित्य पर सवाल

जलवायु परिवर्तन पर शीर्ष स्तरीय चिंतन हेतु गत वर्ष मिस्र के शर्म-अल-शेख में कॉप-27 के बाद पांच महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इसके केंद्र में मूल ध्येय क्रियान्वयन पर रहा। अब आगामी 30 नवंबर से 12 दिसंबर तक एक बार फिर दुनिया का शीर्ष नेतृत्व जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण और बढ़ते वैश्विक तापमान से मानवता को हो रहे नुकसान और उससे निपटने की तैयारियों पर विचार के लिए दुबई में एकत्रित होगा। कॉप-28 में नई चिंताओं, नए प्रस्तावों एवं नए निर्णयों के बीच बीते वर्ष के निर्णयों और उनके अमल की स्थिति पर गौर करना आवश्यक है। पिछले सम्मेलन में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका के कारण एक विशेष प्रस्ताव के जरिये जलवायु परिवर्तन से हुए नुकसान एवं विनाश हेतु कोष (लॉस ऐंड डेमेज फंड) के गठन का निर्णय लिया गया। इसका उद्देश्य पर्यावरण को हो रहे नुकसान की क्षतिपूर्ति के साथ भविष्य के विनाश को रोकने हेतु पर्याप्त संसाधन मुहैया कराना था। इसके अलावा, तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक रखने पर विशेष जोर देते हुए यह संकल्पना की गई थी कि वर्ष 2025 में अधिकतम स्तर को देखते हुए तापमान में वृद्धि की दर वर्ष 2030 तक लगभग 43 प्रतिशत तक कम करने के लिए समग्र उपाय किए जाएंगे, ताकि जैविक नुकसान को यथासंभव रोका जा सके। पिछले सम्मेलन में व्यापार एवं संस्थाओं की जवाबदेही तय करने पर भी जोर दिया गया था। सम्मेलन में व्यापार एवं संस्थागत परिप्रेक्ष्य में कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण हेतु व्यापक रूपरेखा तैयार कर पर्यावरण लक्षित रिपोर्टिंग को भी समान रूप से अहम माना गया। पिछले सम्मेलन में यह माना गया कि कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने एवं पर्यावरण अनुकूल विकास को बढ़ावा देने के लिए विकासशील देशों के पास पर्याप्त संसाधन न होने से उनमें कमी की जगह वृद्धि हो रही है। इसलिए 1.50 डिग्री सेल्सियस का लक्ष्य हासिल करने के लिए विकसित देशों की जिम्मेदारी बनती है कि वे वित्तीय मदद देकर विकासशील देशों में प्रदूषण से हो रहे जैविक नुकसान को रोकने में मददगार बनें। उल्लेखनीय है कि ग्रीन क्लाइमेट फंड स्थापित करने में वर्षों लग गए और उसकी उपलब्धता एवं सुलभता के प्रति भी विकासशील देशों ने अनेक आपत्ति दर्ज कराई थी। आशंका यही बन रही है कि कहीं इसका भी हश्र वैसा ही न हो जाए, क्योंकि इसकी स्थापना पहले चार वर्षों के लिए विश्व बैंक के तहत किए जाने का प्रस्ताव है, जिसका मूल कार्य ऋण प्रदान करना है। जबकि इस कोष का प्रारंभिक उद्देश्य अनुदान एवं सहायता प्रदान करना है। ऐसे में उक्त कोष की स्थापना से पहले ही स्वायत्तता पर गंभीर प्रश्न चिह्न लग गए हैं। इसके अलावा, इसमें न तो गैर सरकारी संगठनों और न ही प्रभावित समाजों यथा औद्योगिक संगठनों, अंतरराष्ट्रीय समूहों आदि को कोई स्थान दिया गया है।

क्यों नहीं अभिभावकों को सरकारी स्कूलों पर भरोसा?

-प्रियंका सौरभ

आईआईएम अहमदाबाद के शिक्षा का अधिकार संसाधन केंद्र के एक हालिया अध्ययन ने पुष्टि की है कि शिक्षा की खराब गुणवत्ता के कारण माता-पिता को सरकारी स्कूलों पर भरोसा नहीं है और वे अपने बच्चों को निजी स्कूलों में दाखिला दिलाना पसंद करते हैं, भले ही इसके लिए उन्हें ट्यूशन और अन्य फीस पर काफी अधिक खर्च करना पड़े। बच्चों को निजी स्कूलों में भेजने के लिए परिवारों द्वारा बताये गए दो सबसे प्रमुख कारण है - सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता के प्रति असंतोष और पास में कोई सरकारी माध्यमिक विद्यालय का न होना। विद्यालय भी अपर्याप्त बुनियादी सुविधाओं या इसकी खराब गुणवत्ता से ग्रस्त हैं। हालांकि स्कूल भवन, पेयजल और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता के संबंध में स्थिति में सुधार हुआ है, लेकिन खेल के मैदानों, कंप्यूटरों और रैंप के मामले में स्थिति अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। इस वजह से सरकारी स्कूल गरीबों और अशिक्षितों के बच्चों का सहारा बन गए, जहां उन्हें नौकरशाही और शिक्षक संघों की दया पर रहना पड़ता है। इसके परिणामस्वरूप इन स्कूलों के लिए स्थापित मानकों- पाठ्यपुस्पुतकों की गुणवत्ता और प्रासंगिकता, विद्यार्थियों की उपलब्धियों का निरीक्षण का विकास थम गया। आज नब्बे प्रतिशत से ज्यादा सार्वजर्वनिक खर्च की राशि भारतीय स्कूलों में अध्यापकों के वेतन और प्रशासन पर ही खर्च होती है। फिर भी विश्व में बिना अनुमति अवकाश लेने वाले अध्यापकों की संख्या भारत में सबसे अधिक है। हमारे स्कूलों में अध्यापक आते ही नहीं हैं और चार में से एक सरकारी स्कूल में रोज कोई न कोई अध्यापक छुट्टी पर होता है। शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट (एएसईआर) 2022 के अनुसार, बच्चों की सरल अंग्रेजी वाक्यों को पढ़ने की क्षमता कक्षा ङ्क के बच्चों के लिए 2016 के स्तर पर बनी हुई है (2016 में 24।7त्र से 2022 में 24।5त्र तक)। 2022 में 68।9त्र स्कूलों में खेल का मैदान है, लड़कियों के लिए उपयोग योग्य शौचालयों वाले स्कूलों में 2022 में केवल 68।4त्र की वृद्धि हुई है, पीने के पानी की उपलब्धता वाले स्कूलों का अनुपात सिर्फ 76त्र है। यूनेस्को की 2021 की भारत के लिए शिक्षा की स्थिति रिपोर्ट के अनुसार- कोई शिक्षक नहीं, कोई कक्षा नहीं, भारत में लगभग 1।1 लाख स्कूल एकल-शिक्षक संस्थाएँ हैं। 2022 में शिक्षकों की औसत उपस्थिति 87।1त्र है और पिछले कई वर्षों से औसत छात्र उपस्थिति लगभग 72त्र बनी हुई है। सुधार के बावजूद, कुछ क्षेत्रों में लिंग असमानताएँ बनी हुई हैं। नामांकित न होने वाली 15-16 साल की लड़कियों के अनुपात में गिरावट जारी है, जो 2022 में 7।9त्र हो गई है। भारत में प्राथमिक स्तर की कक्षा (1-5) में स्कूलों में ड्रॉपआउट की कुल दर 1।5 प्रतिशत है, उच्च प्राथमिक कक्षा (6-8) में 3 प्रतिशत है। माध्यमिक स्तर की कक्षा (9-10) में 12 प्रतिशत के साथ उच्चतम स्थान है जो अभी भी एक बड़ी चुनौती है। 2022 में किसी न किसी रूप में प्रारंभिक बचपन की शिक्षा में नामांकित 3-वर्षीय बच्चों का अनुपात 78।3त्र है। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ) को समय-समय पर संशोधित किया जाता है, लेकिन पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता और प्रभावशीलता को लेकर चिंताएं हैं। उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण 2021-22 पारंपरिक पाठ्यक्रमों की तुलना में व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों में कम नामांकन का संकेत देता है। कोविड-19 महामारी ने डिजिटल विभाजन को उजागर किया, जिसमें कई छात्रों के पास ऑनलाइन शिक्षा तक पहुंच नहीं थी। नीति आयोग 2023 के अनुसार, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों का स्कोर अधिक है, जबकि बिहार और झारखंड जैसे राज्यों का स्कोर कम है, जो शिक्षा की गुणवत्ता में असमानताओं को दर्शाता है। कक्षा I-VIII में सशुल्क निजी ट्यूशन कक्षाएं लेने वाले बच्चों का अनुपात 2018 में 26।4त्र से बढ़कर 2022 में 30।5त्र हो गया। ये सब बेहद चिंतनीय है। देश और राज्य सरकारों के लिए यह कम लज्जा की बात नहीं है कि जिन कामों को उन्हें खुद करना चाहिए, उनके लिए अदालतों को आदेश देना पड़ता है। प्राथमिक स्कूलों में शिक्षा की बदहाली किसी से छिपी नही है। पूरे देश में सरकारी स्कूलों की स्थिति बहुत खराब है। कई स्कूलों में तो शिक्षक पढ़ाने ही नहीं जाते,जहां जाते हैं वहां वे मन से नहीं पढ़ाते। इन स्कूलों की दशा सुधारने के लिए बना तंत्र भी लगभग पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है। किसी का किसी पर नियंत्रण नहीं है। आज पूरे तंत्र पर भ्रष्टाचार का बोलबाला है। सरकारी प्राथमिक स्कूलों की इस दशा को सुधारने के लिए सभी सरकारी अधिकारियों, निर्वाचित प्रतिनिधियों और न्यायिक कार्य से जुड़े अधिकारियों के लिए यह अनिवार्य कर दिया जाए कि वे अपने बच्चे को पढ़ने के लिए इन्हीं स्कूलों में भेजें। सरकारी स्कूलों को निजी स्कूलों से अधिक आकर्षक बनाने की पहल की जा सकती है अगर पर्याप्त कक्षाएँ, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएँ और मनोरंजक सुविधाएँ सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाये। स्वच्छ पेयजल, क्रियाशील शौचालय और नियमित स्वच्छता जागरूकता अभियान, डिजिटल शिक्षण की सुविधा के लिए कंप्यूटर, टैबलेट और इंटरनेट कनेक्टिविटी तक पहुंच प्रदान की जाए। ओडिशा सरकार का 5टी हाई स्कूल परिवर्तन कार्यक्रम पारदर्शिता, प्रौद्योगिकी, टीम वर्क और परिवर्तन की ओर ले जाने वाली समयबद्धता की 5टी अवधारणा पर आधारित है। 2021 में लॉन्च किया गया यह कार्यक्रम सभी उच्च विद्यालयों में स्मार्ट और डिजिटल कक्षाओं, ई-पुस्तकालयों, आधुनिक विज्ञान प्रयोगशालाओं, बेहतर स्वच्छता सुविधाओं और खेल सुविधाओं के रूप में शैक्षिक प्रौद्योगिकी को अपनाने पर केंद्रित है। योग्यता-आधारित भर्ती लागू करना, प्रतिस्पर्धी वेतन प्रदान करना, और व्यावसायिक विकास के अवसर प्रदान करना,शैक्षणिक कौशल और विषय ज्ञान को बढ़ाने के लिए नियमित कार्यशालाएँ, सेमिनार और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना, शिक्षकों को प्रेरित करने और उनके प्रयासों को मान्यता देने के लिए प्रदर्शन-आधारित इनाम प्रणाली लागू करना इस दिशा में बेहतरीन प्रयास साबित हो सकता है। एक समग्र दृष्टिकोण को शामिल करना जो संज्ञानात्मक, सामाजिक, भावनात्मक और शारीरिक विकास पर केंद्रित हो। छात्रों को भविष्य में रोजगार के अवसरों के लिए तैयार करने के लिए व्यावसायिक कौशल और उद्यमशीलता प्रशिक्षण को एकीकृत करना,परियोजनाओं, क्षेत्र यात्राओं और व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से अनुभवात्मक सीखने को प्रोत्साहित करना, एक स्वागत योग्य और समावेशी वातावरण को बढ़ावा देना जो विविधता का सम्मान करता हो और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देता हो। विद्यार्थियों की प्रगति पर चर्चा करने और चिंताओं को दूर करने के लिए नियमित अभिभावक-शिक्षक बातचीत को प्रोत्साहित करना, स्वामित्व की भावना को बढ़ावा देने के लिए स्कूल की गतिविधियों और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में स्थानीय समुदायों को शामिल करना जैसे ओडिशा सरकार का स्कूल अभियान, अपनी तरह की एक अनूठी पहल है जो ओडिशा में सरकारी स्कूलों के सुधार में योगदान करने के लिए पूर्व छात्र समुदाय को प्रेरित और संगठित करने का प्रयास करती है। ओडिशा के आदर्श विद्यालय (ओएवी) मॉडल का उद्देश्य सुलभ, गुणात्मक और सस्ती अंग्रेजी माध्यम शिक्षा प्रदान करके ग्रामीण शहरी अंतर को पाटना है। अब तक ओडिशा के ग्रामीण और अर्ध शहरी क्षेत्रों के सभी 314 ब्लॉकों में 315 अंग्रेजी माध्यम के सह-शिक्षा हैं। इन पहलों को लागू करके, हम एक अधिक न्यायसंगत और समावेशी शिक्षा प्रणाली बना सकते हैं, जो प्रत्येक बच्चे को अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए सशक्त बनाती है। इसका उद्देश्य सशक्त, सुसज्जित और नैतिक युवाओं की एक पीढ़ी का निर्माण करना है, जो 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हों। देश में माध्यमिक शिक्षा हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, और इसकी वर्तमान स्थिति से तुलना करते हुए, केंद्र और राज्य सरकारों- दोनों की वार्षिक शिक्षा योजना में इसे प्राथमिकता देकर माध्यमिक शिक्षा पर अधिक नीतिगत ध्यान केंद्रित करने का समय आ गया है।

संविधान दिवस विशेष, कैसे बना संविधान और क्या है विशेषता?

अथक प्रयास के बाद 1949 में 26 नवंबर के दिन भारत के संविधान को अपनाया गया था। भारत का संविधान देश के लोगों के लिए एक जीवंत और प्रेरणादायक दस्तावेज है जिसने न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका के बीच शक्तियों के बंटवारे को औपचारिक रूप दिया है। किसी भी सभ्य समाज के संचालन के लिए कुछ नियम कायदों की जरूरत होती है। लोकतांत्रिक प्रणाली में संविधान के जरिए इसकी व्यवस्था की जाती है। दरअसल संविधान किसी भी देश की शासन प्रणाली और राज्य को चलाने के लिए बनाया गया एक दस्तावेज होता है। अथक प्रयास के बाद 1949 में 26 नवंबर के दिन भारत के संविधान को अपनाया गया था। भारत का संविधान देश के लोगों के लिए एक जीवंत और प्रेरणादायक दस्तावेज है जिसने न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका के बीच शक्तियों के बंटवारे को औपचारिक रूप दिया है। साथ ही संविधान को बरकरार रखने के लिए इन तीन स्तंभों को वैध नियम और जिम्मेदारियां दी हैं, जिससे नागरिकों की उम्मीदों और अपेक्षाओं को साकार किया जा सके। संविधान से नागरिक को अधिकार मिलता है, साथ ही नागरिक इसका पालन करके, इसे संरक्षित करके संविधान को ज्यादा सार्थक और ताकतवर बनाते हैं। चलिए संविधान दिवस के मौके पर विस्तार से जानते हैं कैसे बना भारत का संविधान और क्या हैं इसकी खूबियां, जो इसे दुनिया का सबसे बेहतरीन संविधान बनाता है।

क्या है संविधान दिवस और क्यों मनाते हैं संविधान दिवस?

सैकड़ों साल की दासता और गुलामी के बाद 15 अगस्त 1947 को भारत आजाद हुआ। भारत की आजादी उसकी जनता के लिए एक ऐसे युग की शुरुआत थी जो एक नए दर्शन, विचार और सिद्धांत से प्रेरित था। जिसके मूल में लोक संप्रभुता, प्रतिनिधिमूलक सरकार और नागरिक अधिकारों की मूलभूत अवधारणाएं शामिल थीं। जिनमें आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक न्याय के साथ ही स्वतंत्रता, समानता और बंधुता की बात कही गई। इस नए दर्शन, विचार और सिद्धांत का आधार बना हमारा संविधान यानी भारत का संविधान.... जिसे संविधान सभा में 26 नवंबर 1949 को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित किया गया। नागरिकता, निर्वाचन और अंतरिम संसद से संबंधित प्रावधानों के साथ ही अस्थायी और संक्रमणकारी उपबंधों को उसी दिन से लागू कर दिया गया। जबकि बाकी संविधान 26 जनवरी 1950 से लागू किया गया। 26 जनवरी 1950 को संविधान में उसके प्रारम्भ की तारीख कहा गया। यही वजह है कि हर साल 26 नवंबर का दिन संविधान दिवस के तौर पर मनाया जाता है। दरअसल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 11 अक्टूबर 2015 को मुंबई में एक ऐतिहासिक घोषणा की। उन्होंने बाबा साहेब डॉ भीम राव अंबेडकर स्मारक की नींव रखते हुए कहा था कि हर साल 26 नवंबर को संविधान दिवस के तौर पर मनाया जाएगा। इसके बाद 19 नवंबर 2015 को भारत सरकार ने गजट नोटिफिकेशन के ज़रिए 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया और 26 नवंबर 2015 को पहला संविधान दिवस मनाया गया। तब से हर साल 26 नवंबर को संविधान दिवस के तौर पर मनाया जाता है।

संविधान निर्माण की पृष्ठभूमि

संविधान के बनने की कहानी भी बड़ी दिलचस्प है। तकरीबन दो सौ साल की गुलामी के बाद ब्रिटिश हुकूमत से आजाद होने पर देश में लोकतंत्र स्थापित करने के लिए एक संविधान की जरूरत महसूस हुई... लेकिन ये संविधान कैसा हो और इसे कौन बनाएगा इस पर लंबा मंथन चला। दरअसल भारत में अंग्रेजों के आगमन और आजादी के आंदोलन के दौरान हुए संघर्ष ने संविधान के निर्माण की बुनियाद डाल दी। 1600 ईस्वी में अंग्रेज ईस्ट इंडिया कंपनी के जरिए भारत आए। शुरुआत में व्यापारिक कामकाज तक सीमित रहने वाले अंग्रेज़ों ने 1775 में बंगाल, बिहार और उड़ीसा के राजस्व और दीवानी न्याय के अधिकारों पर कब्जा जमा लिया। 1857 के सिपाही विद्रोह के बाद तो ब्रितानी हुकूमत ने आधिकारिक तौर पर भारत का शासन अपने हाथ में ले लिया। और यहीं से शुरू हुई असली आजादी की जद्दोजहद। लंबे संघर्ष के बाद 1930 आते आते देश में पूर्ण स्वराज का माहौल बन चुका था। इस दौरान संविधान निर्माण की मांग भी जोर पकड़ने लगा था। हालांकि भारत के संविधान निर्माण का निश्चित उल्लेख, जो भले ही इन शब्दों में या इस नाम विशेष से न हो, सर्वप्रथम मांग बाल गंगाधर तिलक ने 1895 में स्वराज बिल के जरिए की थी। वहीं, भारत शासन एक्ट 1919 के लागू होने के बाद 1922 में महात्मा गांधी ने संविधान सभा और संविधान निर्माण की मांग की और कहा कि जब भी भारत को स्वाधीनता मिलेगी तो भारतीय तो भारतीय संविधान का निर्माण भारतीय लोगों की इच्छाओं से होगा।

नेहरू रिपोर्ट और संविधान सभा की औपचारिक मांग

अगस्त 1928 में भारत के संविधान का सिद्धांत निर्धारित करने के लिए मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता में एक समिति बनाई गई। इस समिति की रिपोर्ट नेहरू रिपोर्ट के नाम से मशहूर हुई। 1934 में कांग्रेस कार्यकारिणी ने वयस्क मताधिकार के आधार पर निर्वाचित संविधान सभा द्वारा एक संविधान तैयार करने की मांग की। यह पहला मौका था जब संविधान सभा के लिए औपचारिक रूप से एक निश्चित मांग पेश की गई। इसके बाद 1936 में कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन में संविधान सभा द्वारा संविधान निर्माण की मांग की गई। 1938 में कांग्रेस के पंडित जवाहरलाल नेहरू ने घोषणा की कि स्वतंत्र भारत के संविधान का निर्माण वयस्क मताधिकार के आधार पर चुनी गई संविधान सभा करेगी और इसमें कोई बाहरी हस्तक्षेप नहीं होगा। नेहरू की इस मांग को 1940 में ब्रिटिश सरकार ने मान लिया जिसे अगस्त प्रस्ताव के नाम से जाना जाता है।

क्रिप्स मिशन और कैबिनेट मिशन का भारत आगमन

जैसे-जैसे भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन जोर पकड़ता गया, ब्रिटिश हुकूमत पर संविधान निर्माण के लिए संविधान सभा के गठन का दबाव भी बढ़ता गया। इसी दबाव में, 1942 में ब्रिटिश सरकार के कैबिनेट मंत्री सर स्टैफोर्ड क्रिप्स अपने साथियों के साथ भारत के स्वतंत्र संविधान के प्रारूप के प्रस्ताव के साथ भारत आए। क्रिप्स प्रस्ताव को मुस्लिम लीग ने अस्वीकार कर दिया। मुस्लिम लीग भारत को दो स्वायत्त हिस्सों में बांटने की मांग कर रहा था। आखिरकार, 1946 में ब्रिटिश हुकूमत ने तीन सदस्यीय कैबिनेट मिशन को भारत भेजा। इसमें लॉर्ड पेथिक लॉरेंस, सर स्टैफर्ड क्रिप्स और ए वी अलेक्जेंडर शामिल थे। कैबिनेट मिशन ने मुस्लिम लीग की दो संविधान सभाओं की मांग को खारिज कर दिया और कुछ अहम सुझाव दिए।

कैबिनेट मिशन और संविधान सभा के लिए चुनाव

कैबिनेट मिशन ने एक महत्वपूर्ण काम यह किया कि मुस्लिम लीग को उनकी मांगों को दायरे में ही एक संविधान सभा के गठन पर राजी कर लिया। कैबिनेट मिशन योजना के तहत संविधान निर्माण सभा के लिए कुल सदस्य संख्या 389 निर्धारित की गई। इनमें से 292 सदस्य ब्रिटिश भारत के 11 प्रांतों से, 4 सदस्य चीफ कमिश्नरों के चार प्रांतों यानी दिल्ली, अजमेर-मारवाड़, कुर्ग और ब्रिटिश बलूचिस्तान से एक-एक और बाकी 93 सदस्य भारतीय रियासतों से चुने जाने थे। आखिरकार, जुलाई से अगस्त 1946 के बीच संविधान सभा की कुल 389 सीटों में से ब्रिटिश भारत के लिए आवंटित 296 सीटों पर चुनाव हुआ। इसमें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 208, मुस्लिम लीग को 73 और छोटे समूहों और स्वतंत्र सदस्यों को 15 सीटें मिलीं। भारतीय रियासतों ने खुद को सभा से बाहर रखने का फैसला किया इसलिए वो सीटें भर नहीं पाई।

संविधान सभा का गठन और पहली बैठक

संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर 1946 को नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन हॉल, जिसे अब संसद भवन के केंद्रीय कक्ष के रूप में जाना जाता है, में हुई। इसमें महात्मा गांधी को छोड़कर उस वक्त के राष्ट्रीय आंदोलन से जुड़ी करीब हर बड़ी शख्सियत शामिल थी। मुस्लिम लीग ने अलग पाकिस्तान की मांग को लेकर बैठक का बहिष्कार किया। लिहाजा पहली बैठक में कुल 207 सदस्यों ने हिस्सा लिया। सभा के सबसे वरिष्ठ सदस्य डॉ सच्चिदानंद सिन्हा को सभा का अस्थायी अध्यक्ष चुना गया। दो दिन बाद 11 दिसंबर को डॉ राजेन्द्र प्रसाद सभा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए और डॉ एच सी मुखर्जी और वीटी कृष्णमाचारी को सभा का उपाध्यक्ष निर्वाचित किया गया।

उद्देश्य प्रस्ताव और प्रारूप समिति का गठन

13 दिसंबर 1946 को पंडित नेहरू ने सभा के सामने पहली बार संविधान सभा के उद्देश्य सामने रखे। इन उद्देश्यों में ही दरअसल सभा का ढांचा और उसके कामकाज की झलक थी। इसमें भारत को एक स्वतंत्र, संप्रभु गणराज्य घोषित किया गया। ब्रिटिश भारत के सभी हिस्सों और इसमें शामिल होने की इच्छा रखने वाले क्षेत्रों को संघ के दायरे में लाया गया। संप्रभु भारत के सभी अधिकार और शक्तियों का स्रोत जनता को बनाया गया। सभी के लिए न्याय, सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक स्वतंत्रता, सुरक्षा और समान अवसर, विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, कहीं भी आने जाने और संगठन बनाने की स्वतंत्रता जैसी कई बातें घोषित की गई। इस प्रस्ताव को 22 जनवरी 1946 को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया। बी. एन. राव द्वारा तैयार किए गए संविधान के प्रारूप पर विचार-विमर्श करने के लिए संविधान सभा ने 29 अगस्त, 1947 को एक संकल्प पारित करके प्रारूप समिति का गठन किया। इसके अध्यक्ष के रूप में डॉ भीमराव अम्बेडकर को चुना गया। इस समिति में अंबेडकर के अलावा 6 और सदस्य थे।

राष्ट्र ध्वज, राष्ट्र गान और राष्ट्र गीत को अपनाना

संविधान निर्माण के दौरान संविधान सभा ने कुछ और महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। मई 1949 में राष्ट्रमंडल में भारत की सदस्यता का सत्यापन किया गया। 22 जुलाई 1947 को भारत के राष्ट्रीय ध्वज को अपनाया गया। 24 जनवरी 1950 को संविधान पर संविधान सभा के सदस्यों ने अंतिम रूप से हस्ताक्षर किए। 24 जनवरी 1950 को राष्ट्रगान को अपनाया गया। 24 जनवरी 1950 को ही राष्ट्रीय गीत को अपनाया गया। यही नहीं संविधान सभा ने ही 24 जनवरी 1950 को डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद को भारत के पहले राष्ट्रपति के रूप में चुना।

संविधान को सर्वसम्मति से अपनाना

इस तरह कुल 2 साल 11 महीने और 17 दिनों में संविधान सभा की 11 प्रमुख बैठक और कई उप समितियों की बैठकें हुई। डॉ भीमराव अंबेडकर की अगुवाई में संविधान निर्माताओं ने 60 देशों के संविधानों पर चर्चा की। डॉ अंबेडकर ने 4 नवंबर 1948 को संविधान का अंतिम प्रारूप पेश किया। इसी दिन संविधान पहली बार पढ़ा गया। इस पर पांच दिन तक आम चर्चा हुई। संविधान के प्रारूप पर ऐसी तीन बैठकें हुई। 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा के 284 सदस्यों ने अंतिम रूप से हस्ताक्षर किए। और, आखिरकार 26 नवंबर 1949 को संविधान को सर्वसम्मति से अपना लिया गया।

भारत शासन अधिनियम,1935- संविधान का मूल स्रोत

हमारे संविधान पर भारतीय शासन अधिनियम 1935 का सबसे ज्यादा प्रभाव है, लेकिन संविधान सभा ने कई देशों के संविधानों का अध्ययन कर उससे अच्छी चीजें लेने की कोशिश की। 9 दिसंबर, 1946 को डॉ सच्चिदानंद की अध्यक्षता में जब भारतीय संविधान सभा का पहला अधिवेशन हुआ तो इसके सामने सबसे बड़ी दिक्कत भारत की विविधता, संस्कृति, भाषाओं और बोलियों को समाहित करने की थी। परेशानी ये थी कि इतने बड़े देश, इतनी ज़्यादा सांस्कृतिक विविधताओं और इतने बड़े भू-भाग की ज़रूरतों को इसमें किस तरह शामिल किया जाए कि सब संतुष्ट भी हो जाएं और कोई विवाद भी न हो। 26 जनवरी, 1950 को संविधान लागू होने तक संविधान सभा में तमाम विषयों पर लंबी चर्चा हुई। इसके लिए भारतीय संविधान सभा ने कई देशों के संविधानों का अध्ययन किया। संविधान का मूल प्रारूप भारतीय शासन अधिनियम 1935 ही रहा। इसमें से करीब 250 अनुच्छेद सीधे-सीधे या थोड़े बहुत बदलाव के साथ ले लिए गए। 1935 के अधिनियम में कुल 451 धाराएं और 15 परिशिष्ट थे। इस अधिनियम से जो चीज़ें संविधान में समाहित की गई इनमें द्वैध शासन की स्थापना, संघीय व्यवस्था, अलग प्रांतीय सरकार का प्रावधान, राज्यपाल का कार्यकाल, संघीय न्यायालय, संसद की सर्वोच्चता और संसद में द्विसदन व्यवस्था, लोक सेवा आयोग, प्रशासनिक विवरण और आपातकालीन उपबंध शामिल हैं।

60 देशों के संविधान को पढ़ने के बाद तैयार हुआ भारतीय संविधान

इनके साथ-साथ ब्रिटिश संविधान में वर्णित संसदात्मक शासन-प्रणाली, एकल नागरिकता, कानून बनाने की प्रक्रिया, विधि का शासन, मंत्रिमंडलीय प्रणाली, परमाधिकार लेख, संसदीय विशेषाधिकार और द्विसदनवाद भारतीय संविधान का हिस्सा बने। इसके अलावा संविधान में मौलिक अधिकार, न्यायिक पुनरावलोकन, संविधान की सर्वोच्चता, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, निर्वाचित राष्ट्रपति और उस पर महाभियोग, उपराष्ट्रपति, उच्चतम और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को हटाने की विधि, वित्तीय आपातकाल और न्यायपालिका की स्वतंत्रता जैसे विषय संयुक्त राज्य अमेरिका से लिए गए। संघात्मक विशेषताएं, अवशिष्ट शक्तियां केंद्र के पास, केंद्र के जरिए राज्य के राज्यपालों की नियुक्ति और उच्चतम न्यायालय का परामर्श और न्यायिक निर्णय की शक्ति कनाडा के संविधान से समाहित किया गया है।

अलग-अलग देशों के संविधान से लिए गए अलग-अलग तत्व

संविधान के नीति निर्देशक सिद्धांत, राष्ट्रपति के निर्वाचक-मंडल की व्यवस्था, राष्ट्रपति द्वारा राज्य सभा में साहित्य, कला, विज्ञान और समाज-सेवा आदि क्षेत्र से विशिष्ट व्यक्तियों का मनोनयन आयरलैंड के संविधान से... प्रस्तावना की भाषा, समवर्ती सूची का प्रावधान, केंद्र और राज्य के बीच संबंध और उनकी शक्तियों का विभाजन, व्यापार-वाणिज्य और समागम की स्वतंत्रता, संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक ऑस्ट्रेलिया के संविधान से... जबकि आपातकाल के लागू रहने के दौरान राष्ट्रपति को मौलिक अधिकार संबंधी शक्तियां, आपातकाल के समय मूल अधिकारों का स्थगन जर्मनी के संविधान से लिया गया।

अनेक संविधानों का महत्वपूर्ण तत्व शामिल

दक्षिण अफ्रीका के संविधान से संशोधन की प्रक्रिया और प्रावधान के अलावा राज्यसभा में सदस्यों के निर्वाचन का तरीक़ा लिया गया है। तत्कालीन सोवियत संघ के संविधान से भारतीय संविधान में मौलिक कर्तव्यों का प्रावधान, मूल कर्तव्यों और प्रस्तावना में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय का आदर्श लिया गया।

इसके अलावा विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया जापान के संविधान से जबकि गणतंत्रात्मक स्वरूप और प्रस्तावना में स्वतंत्रता, समता, बंधुता के आदर्श फ्रांस के संविधान से लिए गए। जब संविधान तैयार हुआ तो इसमें 22 भाग, 8 अनुसूचियां और 395 अनुच्छेद थे। संविधान सभा ने जो दस्तावेज तैयार किया वो दुनिया सबसे बड़ा लिखित संविधान था।

दुनिया का सबसे अनोखा और सबसे बड़ा लिखित संविधान

करीब 60 देशों के संविधान का अध्ययन के बाद तैयार किया गया हमारा संविधान दुनिया में अनोखा होने के साथ ही कई मायनों में बेहद खास और अपनी अलग पहचान रखता है। भारतीय संविधान की खासियत की वजह से ही देश में केंद्र और राज्य के साथ स्थानीय स्वशासन का रास्ता साफ हुआ। दरअसल भारतीय संविधान... अपने में निहित तत्वों और मूल भावनाओं की वजह से दुनिया का सबसे अनोखा संविधान है। मूल संविधान को स्वीकार करने के बाद भी इसमें वक्त वक्त पर कई तरह के बदलाव होते रहे और इसमें समय के साथ अहम परिवर्तन किये जाते रहे हैं।

मां की महाआरती कर भक्तों ने आशीर्वाद प्राप्त किया

द अचीवर टाइम्स। मुकेश राजपूत

उन्नाव। उन्नाव प्रत्येक माह की भांति इस माह के चतुर्थ रविवार को भी। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर प्रांगण आवास विकास कॉलोनी उन्नाव में सैकड़ो मां के भक्तों ने उपस्थित होकर भव्यतापूर्ण संपन्न हुई दिव्य महाआरती कर आशीर्वाद प्राप्त किया। भगवती मानव कल्याण संगठन एवं पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम धाम ट्रस्ट के तत्वाधान में। हर माह के चौथे रविवार को संपन्न होती हैं दिव्य महाआरती। हर माह की भांति इस माह भी भव्यतापूर्ण संपन्न हुई महाआरती। जिसमें गैर जनपदों से भी आकर भारी संख्या में सम्मिलित होकर मां के भक्तों ने मां गुरुवर की आरती को प्राप्त कर आशीर्वाद प्राप्त किया । व महाआरती के समापन के पश्चात बताया गया की जीवन जीने को तो अनेकों जन्म मिल जाएंगे। परंतु गुरुवर श्री के सानिध्य का जीवन हमें फिर बार-बार नहीं प्राप्त हो सकेगा। इसलिए हमें गुरुवर की बताई विचारधारा को पूर्ण रूप से आत्मसात करना है। उस पर संशय किए बगैर पूर्ण निष्ठा, विश्वास, समर्पण, के साथ धर्म रक्षा, राष्ट्र रक्षा, और मानवता की सेवा, में अपने जीवन को समर्पित करना है। 10,11,फरवरी 2024छत्तीसगढ़ में शक्ति चेतना जन जागरण शिविर संपन्न होगा। जिसमें लाखों लाख लोग पहुंचकर अपने जीवन को धन्य करेंगे। अतः आप लोग भी अपने-अपने क्षेत्र में इष्ट मित्र सगे संबंधियों को बताकर उन्हें प्रेरित कर वहां अवश्य पहुंचना है। जिससे उनके भी घर परिवार में सुख शांति समृद्धि आ सके। और वह भी अपने जीवन को धन्य कर सकें। गुरुवर का लक्ष्य तो सुनिश्चित है । गुरुवर के कार्यो में यदि हम सहयोगी नहीं भी बनेंगे। तो भी गुरुवर श्री युग परिवर्तन का लक्ष्य लेकर के आए हैं। वह पूरा करके जाएंगे उसमें दुनिया की कोई भी ताकत बाधक नहीं बन सकती। लक्ष्य सुनिश्चित है। निर्णय हमें और आपको लेना है। की धर्म पथ पर बढ़ाना है। या अधर्म मार्ग पर चलना है। गुरुवर श्री इस युग के अवतारी युग चेतना पुरुष हैं जिनका सानिध्य हमें हर जीवन में नहीं प्राप्त हो सकेगा। उक्त अवसर पर भगवती मानव कल्याण संगठन केंद्रीय प्रवक्ता रमेश चंद्र मिश्रा व प्रदेश सचिव रागेंद्र सिंह, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी प्रदेश अध्यक्ष राकेश त्रिपाठी, व पार्टी प्रदेश प्रवक्ता आलोक शर्मा, युवाओं के मार्गदर्शक सौरभ मिश्रा वैभव मिश्रा संगठन जिलाध्यक्ष प्रिंस विश्वकर्मा, संगठन महिला जिलाध्यक्ष सुमन सिंह सेंगर, आदि सैकड़ो मां भक्त उपस्थित रहे।

उद्यान विभाग के चालक हरिश्चंद्र यादव के गैराज पर नहीं चल पाया योगी का बुलडोजर

- उद्यान विभाग में ड्राइवर के पद पर कार्यरत हरिश्चंद्र यादव का ऊसर और बंजर की जमीन पर अवैध कब्जा।
- योगी सरकार में सरकारी पद पर तैनात ड्राइवर हरिश्चंद्र यादव का ऊसर बंजर की जमीन पर कब्जा।

द अचीवर टाइम्स दीपक कनौजिया।

लखनऊ। सरोजनीनगर तहसील क्षेत्र के सरोसा भरोसा में करोड़ों रुपये की सरकारी जमीन पर दबंगों ने कुछ वकीलों का साथ लेकर मकान व गैराज के साथ-साथ व नगर निगम की जमीन पर अवैध प्लाटिंग कर कब्जा कर लिया। स्थानीय लोगों ने शिकायत की तो अधिकारी दूसरे विभाग की जमीन बताकर पल्ला झाड़ते रहे। स्थानीय समाज सेवक सतीश यादव के द्वारा स्पीड पोस्ट के माध्यम से मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब व माननीय मुख्यमंत्री को लिखित शिकायत प्रार्थना पत्र दिया है मामले की जांच कर के भूमाफियाओं के द्वारा जमीन को सुरक्षित कराया जाए लेकिन लंबी अवधि बीतने के बाद भी कार्रवाई के नाम पर कुछ नहीं हुआ। स्थानीय लोगों के अनुसार, खसरा संख्या 750 में 5000 स्क्वायर फिट का गैराज 735 खसरा संख्या में 4200 स्क्वायर फीट का मकान और 637 खसरा संख्या से सटी हुई नगर निगम की जमीन पर 12 विस्वा पर अवैध प्लाटिंग कर डाली है खाली पड़ी सरकारी जमीन पर पिछले माह दबंगों ने दिनदहाड़े अवैध निर्माण कर कब्जा कर लिया। करीब 40 से 50 लोगों की मौजूदगी में दबंगों नें निर्माण कार्य के दौरान कुछ वकीलों को भी शामिल कर रखा था। आसपास के लोगों ने विरोध किया तो उन्हें धमकाया गया। इसकी सूचना देने के बाद भी पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। आपको बता दे जिला व तहसील प्रशासन के अधिकारियों ने भी शिकायत पर कार्रवाई करने की जरूरत नहीं समझी और जांच का आश्वासन देते रहे। इस लापरवाही का फायदा दबंगों ने उठाया। जबकि इससे पहले शिकायत पर पुलिस तीन बार निर्माण कार्य रुकवा चुकी थी। उस दौरान नगर निगम के लेखपाल ने स्थल की जांच की। जिसमें संबंधित जमीन राजस्व अभिलेखों के अनुसार खसरा संख्या- 750, 735 व 637 ग्राम सरोसा भरोसा, सरोजनीनगर में ऊसर बंजर में दर्ज है।

कब्जेदार के पास नहीं हैं स्वामित्व संबंधी अभिलेख

समाज सेवक सतीश यादव ने बताया जांच के दौरान सरकारी भूमि पर अपना अधिकार जमाए कब्जेदार हरिश्चंद्र यादव व सुभाष यादव,टेकचंद यादव, सर्वेश यादव, दुर्गेश यादव के पास स्वामित्व संबंधित अभिलेख नहीं दे पाते हैं। एसडीएम सरोजनीनगर ने भी लेखपाल से जांच कराई थी। लेखपाल अशोक यादव कानूनगो अंकिता पांडे ने खसरा संख्या 637 की फर्जी पैमाइश करके हरिश्चंद्र यादव को जमीन का हकदार बना दिया और जमीन हरिश्चंद्र यादव की होने की रिपोर्ट दी गई थी। उस दौरान भी कब्जेदार स्वामित्व संबंधित अभिलेख नहीं दे पाए थे। बताया यह भी गया कि यह लोग गिरोह बनाकर इसी तरह खाली भूमि पर कब्जा करते हैं।

एक तरफ कार्रवाई तो दूसरी ओर कब्जे का खेल

एक ओर जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में सरकारी जमीनों पर कब्जा करने वालों पर कार्रवाई कर सरकारी जमीनों को कब्जा मुक्त कराया जा रहा है तो वहीं, दूसरी ओर राजधानी में ही खुलेआम दबंगों द्वारा जमीन कब्जा की जा रही है। बता दें कि जिला प्रशासन ने अब तक एंटी भू-माफिया अभियान के तहत तालाब, चरागाह, ऊसर, बंजर आदि कुल 47.596 हेक्टेयर भूमि कब्जामुक्त कराई है। जिसकी कीमत 157 करोड़ रुपये है, लेकिन सरोसा भरोसा में सरकारी भूमि पर कब्जा संबंधी शिकायत करने के बाद भी कार्रवाई नहीं की गई है। विस्तृत सूत्रों से पता चला है की हरिश्चंद्र यादव उद्यान विभाग वर्तमान में ड्राइवर के पद पर तैनात है जिसके चलते क्षेत्र में सरकारी गाड़ियों से आकर अपना रुतबा कायम कर रखा है हैरान करने वाली बात तो यह है की एक सरकारी पद पर रहकर सरकारी जमीनों पर कब्जा कर लेना योगी सरकार के ऊपर बहुत बड़ा झटका देने की बात है आपको बता दें ऐसे दबंग भू माफियाओं पर अब लखनऊ विकास प्राधिकरण व तहसील प्रशासन किस तरीके से कार्यवाही करेगा यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

एक नज़र

पुलिस चौकी के पास डॉक्टर की बेटी से छेड़खानी, बेटे को बेल्ट से पीटा; कार छोड़कर भागे आरोपी

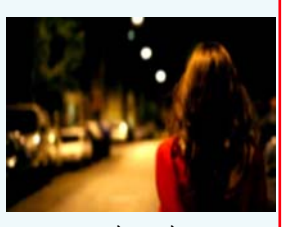

बरेली। डॉक्टर के पुत्र-पुत्री कार से बटलर प्लाजा के गेट नंबर दो के पास आए थे। यहां कार सवार लड़कों ने डॉक्टर की बेटी से छेड़खानी कर दी। विरोध पर उनके बेटे की पिटाई कर दी। बरेली में चौकी चौराहा पुलिस चौकी के पास बटलर प्लाजा गेट के सामने कार निकालने को लेकर डॉक्टर की बेटी से शनिवार रात छेड़खानी की गई। तीन आरोपियों ने युवती का हाथ पकड़कर खींचा। उसके भाई की बेल्ट से पिटाई कर दी। भीड़ आगे आई तो आरोपी कार छोड़कर फरार हो गए। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर रही है। शनिवार रात सात बजे रामपुर गार्डन निवासी डॉक्टर के पुत्र-पुत्री कार से बटलर प्लाजा के गेट नंबर दो के पास आए थे। वह अपनी कार खड़ी कर अंदर दुकान पर गए। वहां से लौटकर कार निकालने की कोशिश की तो पीछे दूसरी कार खड़ी थी। उन्होंने कार में बैठे लड़कों से उसे हटाने के लिए कहा।

नशे में थे लड़के

आरोप है कि लड़के नशे की हालत में थे, वे कार नहीं हटा रहे थे। विरोध करने पर कार से उतरे तीनों लड़कों ने भाई-बहन से अभद्रता कर दी। युवती का हाथ पकड़कर खींचा और उसके भाई को बेल्ट से पीट दिया। आसपास के लोग मदद के लिए आगे बढ़े तो आरोपी कार छोड़कर भाग गए। कोतवाल डीके शर्मा ने कार को कब्जे में ले लिया। युवती की ओर से कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। उसने तीनों लड़कों का हुलिया भी पुलिस को बताया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। एसपी सिटी राहुल भाटी ने बताया कि घटनाक्रम के आधार पर तहरीर लेकर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। कोतवाल को निर्देश दिए हैं कि तत्परता से आरोपियों का पता लगाकर उन्हें जेल भेजा जाए।

रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने तीसरी बार बढ़ाई तारीख, जानें अब कब तक भर सकेंगे परीक्षा फॉर्म

बरेली। परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 25 से बढ़ाकर 30 कर दी गई है। ऑनलाइन शुल्क जमा करने व आवेदन पत्र विभाग में जमा करने की अंतिम तिथि एक दिसंबर हो गई है। बरेली के रुहेलखंड विश्वविद्यालय की ओर से मुख्य परीक्षा स्नातक स्तर के आच्छादित व अतिरिक्त पाठ्यक्रमों के परीक्षा फॉर्म भरने की तारीख 30 नवंबर कर दी गई है। वहीं ऑनलाइन शुल्क जमा करने व आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तारीख एक दिसंबर है। परीक्षा नियंत्रक संजीव कुमार ने बताया कि एनईपी के अतिरिक्त पाठ्यक्रमों (बीलिब, एमलिब, बीकॉम-वित्त एवं वित्तीय सेवा, बीसीए, बीबीए-पुराना पाठ्यक्रम, पीजीडीसीए, एमएसडब्लू) इत्यादि के प्रथम, तृतीय व पांचवें सेमेस्टर के संस्थागत, बैक और छूटी हुई प्रयोगात्मक परीक्षा की आवेदन तिथि 25 से बढ़ाकर 30 कर दी गई है।

एक दिसंबर आवेदन जमा करने की अंतिम तारीख

ऑनलाइन शुल्क जमा करने व आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि एक दिसंबर कर दी गई है। एनईपी से आच्छादित पाठ्यक्रमों (बीए, बीकॉम, बीएससी, बीबीए व बीएससी-गृह विज्ञान) प्रथम, तृतीय व पांचवें सेमेस्टर के संस्थागत व बैक परीक्षा आवेदन पत्र छह नवंबर से ऑनलाइन विवि पोर्टल पर भरे जा रहे हैं। फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 25 से बढ़ाकर 30 कर दी गई है। ऑनलाइन शुल्क जमा करने व आवेदन पत्र विभाग में जमा करने की अंतिम तिथि एक दिसंबर हो गई है। विवि की ओर से परास्नातक द्वितीय सेमेस्टर की प्रयोगात्मक व मौखिक परीक्षाएं संपन्न कराने की तिथि 30 तक बढ़ा दी गई है।

यूपी पीईटी को देखते हुए कई ट्रेनों के समय में परिवर्तन, 28 और 29 को बदले टाइम पर चलेंगी गाड़ियां

झांसी। यूपी पीईटी परीक्षा को लेकर ट्रेनों की समय सारणी में बदलाव किया गया है। पीईटी में छात्रों की भारी संख्या को देखते हुए यह बदलाव लागू किया गया है। रेलवे की ओर से नई समय सारणी के अनुसार 28 और 29 अक्टूबर को कई गाड़ियां बदले समय पर चलेंगी। झांसी मंडल ने भी बदली समय सारणी जारी की है। उत्तर प्रदेश में 28 और 29 अक्टूबर को आयोजित होने जा रही प्रारंभिक अहर्ता परीक्षा पीईटी के मद्देनजर रेलवे ने ट्रेनों के परिचालन समय में कई बदलाव किए हैं। प्रारंभिक अहर्ता परीक्षा में अभ्यर्थियों की भारी भीड़ को देखते हुए दोनों दिन कई ट्रेनें बदले हुए समय पर संचालित की जाएंगी। परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा के मद्देनजर झांसी मंडल रेलवे ने कई ट्रेनों के प्रस्थान समय में परिवर्तन का निर्णय लिया है।

जिलाधिकारी उन्नाव के आदेश पर घाटों का किया गया

द अचीवर टाइम्स। मुकेश राजपूत

उन्नाव। उन्नाव में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा के पावन पर्व को लेकर जिलाधिकारी उन्नाव के निर्देशन में प्रशासन सक्रिय दिन रविवार को गंगा घाट कोतवाली चंदन घाट चौकी जाजमऊ क्षेत्र के अंतर्गत उन्नाव जनपद के जिला अधिकारी के निर्देशन पर सदर तहसीलदार अविनाश चौधरी व क्षेत्रीय लेखपाल मनीष शुक्ला व चौकी इंचार्ज राजेश कुमार सिंह मय हमराहियों के साथ गंगा तट पर उपस्थित होकर साफ सफाई व स्नान का यथोचित व्यवस्था कराई जा रही है वहीं पर क्षेत्रीय प्रधान पुत्र अनिल निषाद कई लोगों के साथ उपस्थित होकर प्रशासन के साथ साफ सफाई की व्यवस्था में सक्रिय हैं तहसीलदार के निर्देशन पर गोताखोरों को बुलाकर स्नान करने के स्थान को चिन्हित कर बांस बल्ली गढ़वा कर रस्सी बधवाने का निर्देश दिया साथ ही साथ महिलाओं को स्नान करने व कपड़ा बदलने का यथोचित व्यवस्था करने का निर्देशन भी दिया राजस्व विभाग की टीम के द्वारा व उपस्थित क्षेत्रीय प्रधान क्षेत्रीय लेखपाल सहित गंगा तट पर गंगा स्नान को लेकर उचित व्यवस्था का प्रबंधन किया जा रहा।

चौधरी दिग्विजय सिंह महाविद्यालय में 220 छात्र-छात्राओं को स्मार्टफोन किए गए वितरित

संवाददाता

कुसमिलिया(जालौन)। प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं को आधुनिक दौर से जोड़ने और स्वावलंबी बनाने को लेकर स्मार्टफोन योजना का लाभ लगातार युवाओं को मिल रहा है।शनिवार को चौधरी दिग्विजय सिंह महाविद्यालय डकोर में 220 छात्र-छात्राओं को स्मार्ट फोन का वितरण किया गया।स्मार्ट फोन वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी ने पहुंचकर छात्र-छात्राओं को स्मार्टफोन वितरित किए।स्मार्टफोन पाकर छात्र-छात्राओं के चेहरे खिल उठे। जिसमें मुख्य अतिथि कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी पहुंचे उन्होंने बताया कि छात्र-छात्राएं स्मार्टफोन का सदुपयोग करें दुरुपयोग ना करें। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा जो लैपटॉप वितरण प्रणाली की शुरुआत की थी तो अब प्रदेश सरकार स्मार्टफोन वितरण कर रही है । महाविद्यालय के प्रबंधक इमरान अहमद ने बताया कि सरकार द्वारा चलाई जा रही इस योजना से विद्यार्थी सूचना तकनीकि के साथ साथ पढ़ाई के कई आयामों से जुड़ रहे हैं। इस मौके पर अध्यक्ष उपेंद्र सिंह यादव ,संरक्षक सुरेंद्र सिंह, प्रबंधक हरजीत सिंह, अध्यापक संतोष तिवारी, खेमचंद सिंह, नवीन यादव, राजकुमार ,विशाल, राजा यादव के साथ कई छात्र- छात्राएं उपस्थित रही ।

मिलिट्री अस्पताल से मेडिकल कॉलेज का हुआ करार, बढ़ेंगी पीजी की सीटें

दोनों चिकित्सालयों के चिकित्सा शिक्षक संयुक्त रूप से देंगे सेवाएं

संवाददाता

झांसी। महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में पीजी कोर्सो की सीटों में इजाफा होने का रास्ता साफ हो गया है। कॉलेज और मिलिट्री अस्पताल के बीच एमओयू हो गया है। अब दोनों चिकित्सालयों के चिकित्सा शिक्षक संयुक्त रूप से चिकित्सा सुविधाएं देंगे। इससे सर्जरी, मेडिसिन, एनेस्थीसिया आदि विभागों में

झांसी में सुबह-सुबह हुए एनकाउंटर में मारा गया खूंखार बदमाश कालिया

एक लाख 25 हजार का था इनामी

संवाददाता

झांसी। राशिद कालिया पर हत्?या और अपहरण के कई मामले दर्ज हैं। उसके ऊपर कानपुर पुलिस ने एक लाख और झांसी पुलिस ने 25 हजार को इनाम घोषित किया था। एसटीएफ को सूचना मिली थी कि वह सुपारी लेकर किसी की हत?या करने जा रहा था।

झांसी में इसी जगह हुआ एनकाउंटर

यूपी के झांसी में सुबह-सुबह पुलिस एनकाउंटर हो गया। हत्या और अपहरण के कई मामलों में वांछित खूंखार बदमाश राशिद एसटीएफ और पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में मारा गया। उसके ऊपर एक लाख 25 हजार रुपये का इनाम था। वह कानपुर के चकेरी थानाक्षेत्र के चिश्ती नगर का रहने वाला था। राशिद कालिया उर्फ गौड़ा उर्फ वीरू पर कानपुर और झांसी में हत्या, अपहरण सहित कई गंभीर धाराओं में केस दर्ज है। एसटीएफ को राशिद के झांसी में होने की सूचना मिली थी। मऊरानीपुर क्षेत्र में सितौरा रोड पर एसटीएफ और थाना मऊरानीपुर पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में राशिद कालिया घायल हो गया, जिसे सीएचसी मऊरानीपुर ले जाया गया। यहां से उसे मेडिकल कॉलेज झांसी रेफर कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों ने राशिद को मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि राशिद के खिलाफ जनपद कानपुर नगर के चकेरी थाने में हत्या सहित कई अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज है, जिसमें उस पर एक लाख का पुरस्कार घोषित है। झांसी के नवाबाद में राशिद पर हत्या सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज है और जनपद झांसी से पच्चीस रुपये का पुरस्कार घोषित है। राशिद सुपारी लेकर मऊरानीपुर थानाक्षेत्र में किसी की हत्या करने जा रहा था। सितौरा रोड पर सुबह एसटीएफ और मऊरानीपुर थाना पुलिस की संयुक्त टीम के साथ हुई मुठभेड़ में राशिद जख्मी हो गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश एस के मुताबिक एसटीएफ को सूचना मिली थी कि राशिद सुपारी लेकर मऊरानीपुर थानाक्षेत्र में किसी की हत्या करने जा रहा था। सितौरा रोड पर सुबह एसटीएफ और मऊरानीपुर थाना पुलिस की संयुक्त टीम के साथ हुई मुठभेड़ में राशिद जख्मी हो गया। उसे सीएचसी ले जाया गया जहां से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

शानोशौकत से होने वाले उर्से कादरी के चादर शरीफ जुलुस में डीजे का बिलकुल इस्तमाल न किया जाये, मुफ़्ती दिलशाद कादरी

संवाददाता

बदायूं। शहर मुफ़्ती दिलशाद कादरी ने उर्से कादरी को लेकर ज़रूरी एलान किया है उन्होंने कहा जैसा कि आपको मालूम है कि इस साल 30 नवंबर एक दो दिसम्बर बरोज जुमेरात जुमा हफ्ता उर्से कादरी अपनी साबिका रिवायात के साथ मुनाकिद होगा। आप सभी हजरात निहायत अदब एहतराम के साथ उर्से कादरी की तमाम तकरीबात में शरीक हों। हर साल की तरह इस साल भी एक दिसम्बर को शहर समेत कई इलाकों से चादर शरीफ का जुलूस दरगाह ए कादरी आएगा। इसमें भी अकीदतमंद बड़े अदब एहतराम के साथ शरीक हो और एक बात का खास खयाल रखें। चादर शरीफ के जुलूस में डीजे बिल्कुल इस्तेमाल न करें। माइक पर नात व मनकबत और सलाम पढ़ते हुए उर्से कादरी में शरीक हों और दरगाह कादरी आएं और अपनी किसी भी तर्ज़ें अमल से किसी को तकलीफ न दें।

गौशाला बना गौ लाश केन्द्र

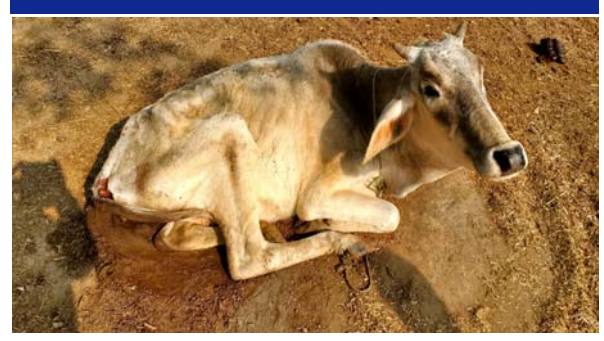

द अचीवर टाइम्स। प्रिंस पांडेय

लौकिया। ग्राम पंचायत देशी लौकिया का गौशाला गायों की रक्षा के लिए नहीं बल्कि गाय की लाशों का ढेर बन गया है। तड़पते हुए गौवंशो की आंखें कौए जिंदा ही निकाल लेते हैं।प्रत्येक दिन कई गाये भूख प्यास से तड़प तड़प कर दम तोड़ रही हैं। जो जिंदा भी हैं उनकी हड्डियों का ढांचा ही दिखाई पड़ता है। एक गाय तो चार देने वाली चरही में ही मेरी पड़ी है। जो की वीडियो में साफ साफ दिखाई पड़ रहा है। क्या कर रहे हैं जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी कैसी है व्यवस्था? इसका भगवान ही मालिक है। सरकार द्वारा गायों की रक्षा के लिए तमाम प्रयासों के बावजूद देसी लौकिया की गौशाला में कोई सुधार नहीं दिख रहा है। निरिह गौवंस कातर दृष्टि से आने जाने वाले लोगों को निहार रहे हैं मानो कह रहे हो कि मेरी रक्षा करो। ऐसा नहीं है कि सभी गौशालाओ में अव्यवस्था हो उदाहरण के तौर पर ग्राम पंचायत रायसेनपुर में भी इतनी ही बड़ी गौशाला का संचालन श्री कुमुद गुप्ता के द्वारा भली भांति किया जा रहा है।

वांछित दो नफर अभियुक्तों को किया गिरफ्तार कर भेजा जेल

दअचीवर टाइम्स रमेश चंद्र

लखीमपुर खीरी। धौरहरा पुलिस ने दो हत्या के आरोपियों को किया गिरफ्तार। दोनों अभियुक्त कई महीनों से चल रहे फरार। दोनों अभियुक्तों को भेजा जेल। पुलिस अधीक्षक खीरी गणेश प्रसाद साहा के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के निकट पर्यवेक्षण में संपूर्ण जनपद में अपराध की रोकथाम व वांछित/वारंटी अभियुक्तों की गिफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत क्षेत्राधिकारी धौरहरा महोदय के कुशल मार्गदर्शन में आज दिनांक 26.11.2023 को थाना धौरहरा पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 754/2023 धारा 302/201 भादवि में वांछित 02 नफर अभियुक्तों 1.शुभम जायसवाल उर्फ छोटू पुत्र राकेश जायसवाल नि0 ग्राम गिरगिट्टी थाना मोतीपुर जिला बहराइच 2.गौरव उर्फ गोलू जायसवाल पुत्र अजय कुमार नि0 मो0 अम्बेडकर नगर कस्बा व थाना धौरहरा जिला खीरी को जालिमनगर पुल से गिरफ्तार किया गया। अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों को मा0 न्यायालय भेजा गया है। उल्लेखनीय है कि दिनांक 19.11.2023 को श्यामलाल क्रेशर पानी का हौज बहद ग्राम अवस्थीपुरवा थाना ईसानगर खीरी में मोहित शुक्ला पुत्र मन्नूलाल शुक्ला निवासी कस्बा थाना धौरहरा जिला खीरी का शव मिला था। मृतक के पिता के तहरीर के आधार पर अभियुक्तगण थाना धौरहरा पर 1.शुभम जायसवाल उर्फ छोटू पुत्र राकेश जायसवाल नि0 ग्राम गिरगिट्टी थाना मोतीपुर जिला बहराइच 2.गौरव उर्फ गोलू जायसवाल पुत्र अजय कुमार नि0 मो0 अम्बेडकर नगर कस्बा व थाना धौरहरा जिला खीरी के विरुद्ध पंजीकृत किया गया। आज दिनांक 26.11.2023 को मुखबिर की सूचना पर जालिमनगर पुल के पास से अभियुक्तगणो को गिरफ्तार किया तथा अभियुक्तगण के निशानदेही के आधार पर मृतक मोहित शुक्ला का बैग व इलाहाबाद बैंक का पासबुक व एक जोड़ी कपड़ा घटनास्थल के पास से बरामद किया गया है। पूछताछ पर अभियुक्तगण उपरोक्त ने दवा एजेन्सी के कारोबार में पैसो के हेर-फेर के कारण क्षुब्ध होकर मृतक मोहित शुक्ला की हत्या कारित करना स्वीकार किया गया है।

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण-

1.शुभम जायसवाल उर्फ छोटू पुत्र राकेश जायसवाल नि0 ग्राम गिरगिट्टी थाना मोतीपुर जिला बहराइच। 2.गौरव उर्फ गोलू जायसवाल पुत्र अजय कुमार नि0 मो0 अम्बेडकर नगर कस्बा व थाना धौरहरा जिला खीरी

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम-

1.प्रभारी निरीक्षक दिनेश सिंह, थाना धौरहरा, खीरी 2.उ0नि0 ब्रह्मनन्द यादव थाना धौरहरा 3.का0 आदर्श चौरसिया थाना धौरहरा

मण्डलायुक्त ने पोलिंग बूथों का किया निरीक्षण

टुंडला एस डी एम और तहसीलदार को लगाई फटकार, राजनीति दलों के नेताओ से की वार्ता

संवाददाता

आगरा। मण्डलायुक्त आगरा मण्डल आगरा व रोल प्रेक्षक श्रीमती रितु माहेश्वरी ने शनिवार को विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के चल रहे विशेष पुनरीक्षण अभियान का अपने निर्धारित कार्यक्रमानुसार जनपद में प्रथम पर्यवेक्षण किया। मंडलायुक्त महोदया ने टूण्डला विधानसभा क्षेत्र के विद्यालय मोहम्मदाबाद, मदावली, फिरोजाबाद शहर के तिलक इं0 कॉलेज, रसीदपुर कनैटा व कम्पोजिट विद्यालय सिविल लाइन के पोलिंग बूथों का निरीक्षण कर चल रहे पुनरीक्षण कार्य की जमीनी हकीकत को जाना। बीएलओ, सुपरवायजर सहित सम्बन्धित को निर्देशित किया। मदावली मतदान केन्द्र के बूथों के निरीक्षण के दौरान सम्बन्धित बी एल ओ सर्वे का कार्य पूर्ण नहीं होने व प्राप्त फार्मों का अपलोड नही होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए टूण्डला के तहसीलदार व एसडीएम को निर्देश दिए कि वह स्ट्रीक्ट मॉनिटरिंग कर फार्मों की संख्या बढवाऐं और साथ के साथ अपलोड भी करवाए। इसी प्रकार उन्होने अन्य पोलिंग बूथों का निरीक्षण कर सम्बन्धित बीएलओ व ग्रामीणों से वार्ता कर पुनरीक्षण कार्य की जानकारी प्राप्त की और निर्देश दिए कि 1 जनवरी 2024 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हो अथवा 18 वर्ष आयु पूर्ण कर चुके हो, ऐसे युवा-युवतियों के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित होने से छूटने नहीं पाए। उन्होने सभी बीएलओ को निर्देश दिए कि कार्यक्रम के अन्तर्गत निर्धारित विशेष तिथियों पर अपने-अपने मतदान केन्द्रों, स्थलों पर दॉवे, आपत्तिया प्राप्त करने के लिए सभी बी0एल0ओ0, पदाभिहित अधिकारी प्रातः 10:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक उपस्थित रहकर फॉर्म प्राप्त करेंगे। निरीक्षण के उपरांत मण्डलायुक्त ने पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा करने के लिए कलैक्ट्रेट सभागार में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों व सभी उप जिलाधिकारियों, अपर जिलाधिकारी, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी सहित सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान उन्होने कहा कि महिलाओं, नए मतदाता एवं दिव्यांग तथा महत्वपूर्ण व्यक्तियों के नामों का सत्यापन एवं सूची में नाम सम्मिलित कराये जाने पर सम्बन्धित एसडीएम व तहसीलदार द्वारा विशेष ध्यान दिया जायें। उन्होने राजनैतिक दलों के उपस्थित प्रतिनिधियों से पूछा कि उन्हें पुनरीक्षण कार्य में कोई समस्या तो नही है या फिर उनके द्वारा कोई फीडबैक हो तो बताए, जिस पर सभी राजनैतिक दलों ने पुनरीक्षण कार्य में संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि सभी अधिकारियों का सहयोग मिल रहा है। पूर्व की बैठकों में निर्वाचन कार्यालय द्वारा सभी राजनैतिक दलों को मतदान केन्द्रों पर बीएलओ के साथ अपने वोटर एजेंट को नियुक्त किया जाने को कहा गया था, जिसमें से केवल भाजपा, समाजवादी, बहुजन समाज पार्टी द्वारा ही एजेंटों की नियुक्ति की गयी, जिस पर मण्डलायुक्त ने अन्य राजनैतिक दलों से भी आग्रह किया की वह मतदान केंद्रों पर अपने वोटर एजेंट को नियुक्त कर सूची निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध कराए, ताकि पूरी पारदर्शिता के साथ हैल्दी वोटर लिस्ट तैयार हो सके। बैठक के दौरान मण्डलायुक्त महोदया ने सभी एसडीएम तहसीलदार व जिला बेसिक शिक्षाधिकारी को निर्देशित किया कि निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण अभियान के सर्वे की प्रगति अच्छी नहीं है। किसी भी बूथ पर सर्वे का काम पूरा नहीं हुआ उसे जल्द पूरा किया जाए। टूंडला में किसी भी बीएलओ ने रजिस्टर तैयार नहीं किये वे तैयार कराएं जाएं। जनपद के सभी मतदान केन्द्रों पर पानी, बिजली, रैम्प व शौचालय आदि अवस्थापना सुविधाऐं अभी से सुनिश्चित कराऐं। उन्होने सभी उप जिलाधिकारियों व तहसीलदारों को यह भी निर्देशित किया कि वह बल्क में किसी से फॉर्म न लें और पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य करें। फिर भी अगर लापरवाही दिखी तो जिम्मेदारों के खिलाफ ससपेंड या फिर मुकदमा दर्ज की कड़ी कार्यवाही अमल में लायी जाएगी। इस अवसर पर जिलाधिकारी डा0 उज्ज्वल कुमार ने मण्डलायुक्त को आश्वस्त करते हुए कहा कि आप द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए आगे आने वाले समय में हम लोग और अच्छे से पुनरीक्षण कार्य कर एक हैल्दी मतदाता सूची का प्रकाशन कराऐगें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन, नगर आयुक्त घनश्याम मीणा, अपर जिलाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह, सहायक निर्वाचन अधिकारी व डिप्टी कलेक्टर सतेन्द्र कुमार, सभी उपजिलाधिकारी, तहसीलदार सहित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

एक नज़र

एत्मादपुर थाना समाधान दिवस पर पहुंचे पुलिस कमिश्नर, मंच गया हड़कंप

थाने के सीसीटीवी कैमरे खंगाले अपराध रजिस्टर

आगरा। माह द्वितीय और चतुर्थ शनिवार को थाने पर लगने वाले समाधान दिवस के मौके पर पुलिस आयुक्त डॉ. प्रीतिंदर सिंह के अचानक थाना एत्मादपुर पहुंचने पर थाना परिसर पर अधिकारियों और पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया। पुलिस आयुक्त को देख उपनिरीक्षकों और पुलिसकर्मीयो ने आनन-फानन में अपने कार्यो में जुट गए।

पुलिस आयुक्त डॉ. प्रीतिंदर सिंह ने मुंशियाने कक्ष में पहुंचकर अपराध रजिस्टर को चेक किया और थाने-चौकियों पर लग रहे सीसीटीवी कैमरों शसक्त पोल पर लगाने के लिए थाना प्रभारी विजय विक्रम सिंह को निर्देशित किया। थाना दिवस की अध्यक्षता एसडीएम रतन वर्मा कर रहे थे। पुलिस आयुक्त डॉ. प्रीतिंदर सिंह ने मीडिया के बातचीत में कहा कि थाना दिवस में आने वाली शिकायतों प्रति प्राथमिकता में लेकर अमल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि थानों और चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों का निरीक्षण किया और सही दिशा में उच्च क्वालिटी कैमरें लगाने के लिए थाना प्रभारी को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि किन-किन मुकदमों में गुंड़ा एक्ट और गैंगस्टर कार्रवाही की गई है उन पर समीक्षा की गई है। जमीनी विवाद को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा समन्वय बनाकर विवाद को सुलझाने के लिए रणनीति तैयार की जाएगी।

श्यमुना एक्सप्रेस-वे पर चोरी के प्रयास में चार बदमाशों को पुलिस ने दबोचा

बदमाश लायक सिंह पर आगरा समेत तीन जिलों मे 23 अपराधिक मामले

(दो एटा, एक फिरोजाबाद और एक आगरा के बोदला है बदमाश)

आगरा। थाना एत्मादपुर क्षेत्र के अंतर्गत इनररिंग रोड़ नगला नथौली एक्सप्रेस-वे पुल के नीचे बारदात की फिराक में घात लगाकर घूम रहे चार बदमाशों को पुलिस गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनके कब्जे एक पेचकस, प्लास और सरिया बरामद की है। जिनमें से दो बदमाशों का आपराधिक रिकॉर्ड काफी लंबा है। वह आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी भी बारदातों को करते थे। जिन पर 30 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। एत्मादपुर पुलिस इंस्पेक्टर विजय विक्रम सिंह ने बताया कि बीती रात इनररिंग रोड़ नगला नथौली एक्सप्रेस-वे पुल के नीचे बारदात करने के लिए प्लान बना रहे चार बदमाशों छलेसर पुलिस चौकी टीम ने उन्हें दबोच लिया। पुलिस पूछताछ में उन्होंने बताया कि अतुल पुत्र फतेह सिंह निवासी गोपालपुरा थाना जलेसर एटा, लायक सिंह पुत्र धनीराम निवासी खंजापुर थाना रसूलपुर फिरोजाबाद, अतुल पुत्र ओमप्रकाश गोपालपुरा थाना जलेसर एटा, अजय सिंह उर्फ बाबा पुत्र नारायण सिंह निवासी बोदला थाना सिकंदरा आगरा को गिरफ्तार किया गया है। जिनमें दो बदमाशों लायक सिंह वह आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी में 23 और अतुल पुत्र फतेह सिंह पर 5 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। जिन्हें पुलिस ने मेडीकल परीक्षण के बाद न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर जेल भेज दिया है।

फर्जी पुलिसकर्मी बनकर दो लोगों ने रेलवे स्टेशन पर खड़ी महिला के साथ किया दुष्कर्म, तलाश जारी

अशोकनगर। अशोकनगर जिले के मुंगावली रेलवे स्टेशन पर दो लोगों ने खुद को जीआरपी अफसर बताते हुए महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। महिला अपने पति के साथ स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान आरोपियों ने सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। अशोकनगर में महिलाओं के साथ अपराधों का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। पिछले पांच दिन में मुंगावली शहर में लगातार महिलाओं के साथ अपराध देखने को मिल रहे हैं। बुधवार रात को ही मुंगावली एरिया के तहत आने वाले मड़ाऊ खेड़ी गांव में एक नाबालिग के साथ तीन लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया था तो वहीं शुक्रवार रात को भी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार कर रहे दंपती महिला के साथ जीआरपी स्टॉफ बनकर आए लोगों ने दुष्कर्म किया है। बता दें कि मुंगावली की रेलवे स्टेशन के पास एक 30 वर्षीय महिला के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता रेलवे स्टेशन पर अपने पति के साथ ट्रेन आने का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान दो लोग आए और आकर कहने लगे कि वह लोग जीआरपी स्टॉफ से हैं। पति से बोले कि तुम्हें सहाब बुला रहे हैं। पति के जाते ही उधर दूसरे व्यक्ति ने झाड़ियों में महिला को ले जाकर बारी-बारी से दोनों ने दुष्कर्म किया। घटना शुक्रवार की रात करीब 11 बजे की है। चंदेरी थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला और उसका पति दोनों जयपुर मजदूरी करने के लिए जा रहे थे। रात के समय भोपाल जोधपुर ट्रेन से जाना था, लेकिन उनके स्टेशन तक पहुंचने से कुछ समय पहले ही ट्रेन चली गई, जिसके बाद वह अगली ट्रेन आने का स्टेशन पर ही रुककर इंतजार करने लगे। देर रात स्टेशन पर चहल-पहल काफी कम होने लगी। रात करीब 11 बजे दो लोग आए, जिनमें से एक व्यक्ति अपने चेहरे को कपड़े से ढके हुए था। दोनों जाकर पहले तो पास में बैठे रहे, फिर उन दोनों के टिकट चेक करने लगे। आधार कार्ड चेक किया, पूछा तुम कहां जा रहे हो। पति-पत्नी ने कहा कि उनकी ट्रेन चूक गई है अगली ट्रेन आएगी, उसी समय वह टिकट लेकर ट्रेन से जाएंगे।

जनपद में 21 हजार शौचालय निर्माण का लक्ष्य पूर्ण कराए डीएम

❖बै गांवों की हुई समीक्षा,461 गावो की धनराशि आवंटित,104 मॉडल ओडीएफ प्लस गांव 15 जनवरी तक पूर्ण करे

❖गांवों में जल भराव मिला तो सेक्रेटरी और ग्रामप्रधान की व्यक्तिगत जिम्मेदारी,कच्ची नाली निकाल जलभराव का निस्तारण कराएं।

संवाददाता

आगरा। जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में पंचायत राज विभाग के कार्यो की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज 2 , व्यक्तिगत शौचालय तथा 05 वें 15वें वित्त आयोग से आवंटित धनराशि की समीक्षा की गई। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन(ग्रामीण) फेज 2 की समीक्षा में बताया गया कि 33658 व्यक्तिगत शौचालय के सापेक्ष 25332 की प्रथम किश्त अवमुक्त की जा चुकी है, जिसमें 18997 का निर्माण पूर्ण कर जियो टैग किया गया है, जिलाधिकारी ने शेष शौचालय निर्माण की धीमी प्रगति तथा सत्यापन प्रक्रिया पूर्ण न होने पर नाराजगी व्यक्त की तथा समयबद्ध कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए तथा आगामी समीक्षा बैठक हेतु 05 दिसंबर की तिथि नियत की तथा कार्य में तेजी लाने को निर्देशित किया। धनराशि लाभार्थी के खाते में पहुंचते ही अति शीघ्र शौचालय निर्माण कराने को निर्देशित किया। बैठक में ओडीएफ प्लस गांव में प्रभावी जल प्रबंधन हेतु कार्य योजना बनाकर, गदे पानी और सूखे -गीले कूड़े से छुटकारा दिलाने को मॉडल के रूप में 01- 01 गांव लेकर विकसित करने हेतु एडीओ(पंचायत) को आगामी बैठक में प्रेजेंटेशन देने के निर्देश दिए गए। सभी घरों में तरल अपशिष्ट के अंतर्गत शॉकपिट बनाकर प्रभावी प्रबंधन करने को निर्देशित किया, बैठक में जिलाधिकारी ने नालियों के ओवरफ्लो होने,गांवों में भारी जल भराव की प्राप्त शिकायतों का संज्ञान लिया तथा सेक्रेटरी और ग्रामप्रधान की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय करते हुए कच्ची नाली निकाल कर जलभराव का प्रभावी निस्तारण कराने हेतु सभी एडीओ पंचायत को कड़े निर्देश दिए। बैठक में 5 वें व 15 वें वित्त आयोग में प्राप्त लक्ष्य के सापेक्ष लंबित भुगतान की समीक्षा की तथा नियमानुसार 05 दिसंबर तक शतप्रतिशत भुगतान करने के निर्देश दिए। बैठक में शासन के दिए निर्देशों के क्रम में जनपद की 05 हजार की आबादी से अधिक ग्राम पंचायतों को मॉडल ओडीएफ प्लस, लिक्विड तथा सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट स्थापित करने तथा बेहतर साफ सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने की समीक्षा में बताया गया कि 104 गांवों को मॉडल ओडीएफ प्लस किया गया है जिलाधिकारी ने शेष को भी 15 जनवरी तक प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश दिए तथा एक सप्ताह बाद पुनः समीक्षा करने को निर्देशित किया। बैठक में जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधानों का डोंगल सेक्रेटरी के पास मिलने की प्राप्त शिकायतों का भी संज्ञान लिया तथा इसे अनियमितता माना तथा जांच में किसी भी सेक्रेटरी के पास डोंगल मिलने पर उसके विरुद्ध कठोर धाराओं में एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्री ए. मनिकंडन,जिला पंचायत राज अधिकारी मनीष कुमार,एडीओ पंचायत आदि।

चक रोड से अवैध कब्जे सप्ताह भर में हटाए डीएम

आगरा.। जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी ने चक मार्ग और संपर्क मार्ग के अतिक्रमण संबंधित शिकायतों के प्रभावी व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु शिकायत मिलने पर पैमाइश कराने तदोपरांत तत्काल संबंधित उपजिलाधिकारी के पर्यवेक्षण में खंड विकास अधिकारी द्वारा,मनरेगा से, संपर्क व चक मार्ग पर मिट्टी कार्य 01सप्ताह में पूर्ण कराया जाएगा। इस हेतु जिलाधिकारी ने विगत 02 वर्ष की प्राप्त सभी संपर्क मार्ग, चक रोड अतिक्रमण या कब्जे की शिकायतों का संज्ञान लेकर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। पूर्व में कई प्राप्त शिकायतों में यह देखा गया है कि पैमाइस के बाद भी चक रोड पर पुनः कब्जा या अतिक्रमण कर लिया गया तथा समस्या का अंतिम समाधान नहीं हुआ, जिलाधिकारी ने पैमाइस के तत्काल बाद मिट्टी का कार्य कराए जाएं।

डीएम का कड़ा रुख, विना पंजीकृत एंबुलेंस नही होगी संचालित।

❖ निरीक्षण को बनाई कमेटी, करेगी जांच।

संवाददाता

आगरा। यूपी सरकार के निर्देश पर जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी ने जनपद में चल रही अपंजीकृत एवं अनफिट एम्बुलेंस के विरूद्ध परिवहन विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग सयुक्त रूप से अभियान चलाकर कार्यवाही करने को निर्देश दिए गए थे।जिसके क्रम में आज दिनांक 25 नवंबर को स्वास्थ्य विभाग एवं परिवहन विभाग के संयुक्त टीम द्वारा विशेष अभियान चलाया गया, जिसके अन्तर्गत जनपद आगरा में संचालित जनपदीय / गैर जनपदीय निजी एंबुलेंस को संयुक्त टीम द्वारा जांच की गई, कार्यवाही का पता चलते ही एंबुलेंस चालक भाग खड़े हुए। अभियान में स्वास्थ्य विभाग से डॉ.एस0के0 राहुल उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं परिवहन विभाग से श्री शिव कुमार मिश्रा यात्री कर अधिकारी के द्वारा सरोजनी नायडू मेडिकल कालेज आगरा के इमरजेंसी के पास, मेडिकल कालेज के अन्दर पोस्ट मार्टम हाऊस के पास, लेडी लायल जिला महिला अस्पताल के पास एवं देहली गेट पर निजी एम्बुलेंसो का निरीक्षण किया गया। जिसमें 11 एम्बुलेंसो में फिटनेस/बीमा/प्रदूषण समाप्त पाया गया, जिस पर नियमानुसार कार्यवाही करते हुए रूपया एक लाख चार हजार का चालान काटा गया। चालान काटी गयी निजी एम्बुलेंस वाहन की गाड़ी संख्या निम्नवत है-यू0पी0 80 सी0टी0 0616,यू0पी0 40 सी0टी0 5489,यू0पी0 40 बी0एम0 9082,यू0पी0 80 डी0टी0 1924, यु0पी0 85 ए0टी0 8291,यू0पी0 80 सी0टी05613,यू0पी0 80 एफ0टी01517,यू0पी0 40 बी0ई0 9363,यू0पी0 40 बी0एम0 9082,यू0पी0 83 टी0 1260,यू0पी0 80 सी0टी0 1933 हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्री अरुण कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि अपंजीकृत एवं अनफिट एम्बुलेंस के विरूद्ध परिवहन विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा संयुक्त रूप से लगातार अभियान चलाया जाएगा तथा पड़ोसी जनपदों से आने वाले अवैध, अनधिकृत एंबुलेंस पर भी विशेष नजर रखी जाएगी।

मेडिकल कॉलेज में प्राइवेट एबूलेंस नही हो पाएगी खड़ी

पुलिस, सी एम ओ और। नगर आयुक्त को लिखा पत्र

संवाददाता

आगरा। मेडिकल कॉलेज में संस्थान के बाहर अनाधिकृत रूप से खड़ी होने वाली निजी अस्पतालों की एम्बूलेसों को हटवाये जाने के सम्बन्ध में उ0प्र0 शासन, लखनऊ के पत्र 12 सितंबर के क्रम में एस0एन0 मेडिकल कॉलेज, आगरा के आकस्मिक विभाग एवं पोस्टमार्टम गृह के आस-पास एकत्रित होने वाली प्राइवेट एम्बूलेंसों को हटवाने के लिए प्रधानाचार्य, एस0एन0 मेडिकल कॉलेज, आगरा द्वारा दिनांक 13.सितंबर को थानाध्यक्ष, थाना एम0एम0 गेट आगरा को पत्र भेजा गया, जिसके क्रम में तत्कालीन थानाध्यक्ष, थाना एम0एम0 गेट द्वारा अभियान चलाकर इनको हटवाया था।

पिछले कुछ दिनों से ये प्राइवेट एम्बूलेंस पुनः आकस्मिक विभाग के आस-पास नजर आने लगी हैं।

थानाध्यक्ष, एम0एम0 गेट, आगरा को इस संस्थान के आकस्मिक विभाग एवं पोस्टमार्टम गृह के आस-पास से इन प्राइवेट एम्बूलेंसो को तत्काल हटवाने हेतु कार्यवाही करने को पुनः कहा गया है। इस सम्बन्ध में सी0एम0ओ0 आगरा, नगर निगम, आगरा, परिवहन विभाग, आगरा एवं ट्रैफिक पुलिस, आगरा को भी आवश्यक कार्यवाही हेतु पत्र प्रेषित किया गया है। इस सन्दर्भ में आज पुलिस विभाग द्वारा अभियान चलाकर अनाधिकृत एम्बूलेंसो के चालान काटे गये एवं कुछ को जब्त कर पुलिस लाइन भेजा गया। संस्थान के समस्त सुरक्षा गार्ड्स को सख्त हिदायत दी गयी है, कि कोई भी प्राइवेट एम्बूलेंस संस्थान में खड़ी न हो, यदि अनाधिकृत रूप से कोई भी एम्बूलेंस खड़ी होती है, तो तत्काल प्रभाव से उसका नम्बर नोट कर पुलिस को सूचित किया जाए।

चीतों के घरों में बाघ की दस्तक, पगमार्ग मिलने के संकेत, वन विभाग में मचा हड़कंप

संवाददाता

ग्वालियर। मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में इन दिनों एक बड़ी खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि यहां पर बाघ को देखा गया है। वहीं, वन विभाग के बड़े अधिकारियों का कहना है कि कूनो में बाघ के पद चिन्ह तो मिले हैं और यहां पर उनका मूवमेंट होता रहता है। वहीं, इस बात को दर्शाता हुआ एक वीडियो भी सामने आ रहा है, जिसकी पुष्टि अभी वन विभाग द्वारा नहीं की गई है। कूनो नेशनल पार्क में नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीते छोड़े गए थे, जो वहां पर रह रहे हैं। वहीं, कूनो नदी से ही लगे हुए रणथंभौर नेशनल पार्क की सीमा भी यही नदी तय करती है। ऐसे में कई बार रणथंभौर में रहने वाले बाघ भी कूनो में आ जाते हैं। डीएफओ थिरुकुरल आर ने बताया कि कूनो में बाघ के होने की बात सही हो सकती है। क्योंकि हाल ही में बाघ के फुट मार्क यहां मिले हैं। वहीं, उनका कहना है कि इससे चीतों को कोई खतरा नहीं है। क्योंकि फुट मार्क मिलने की लोकेशन चीतों के बड़े-बाड़े से तकरीबन आठ किलोमीटर की दूरी पर बताई जा रही है। बता दें कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें बाघ को कूनो नेशनल पार्क में घूमते हुए पर्यटकों के कैमरे में कैद होना दिखाया जा रहा है। हालांकि, इस वीडियो की पुष्टि विभाग द्वारा नहीं की गई है। लेकिन

आला अधिकारियों की माने तो बाघों का आना-जाना यहां होता रहता है। ऐसे में कूनो में रहने वाले चीतों को बड़े बाड़े में रखा गया है, जो कि पूरी तरह से सुरक्षित है। लेकिन इसका खामियाजा पर्यटकों को उठाना पड़ रहा है। क्योंकि पर्यटक चीतों के बड़े के आसपास भी नहीं पहुंच सकते और न ही बाड़े के पास जाने की इन्हें अनुमति होती है। फिलहाल, वीडियो वायरल होने के बाद वन विभाग की टीम वीडियो की पुष्टि तो नहीं कर रही। लेकिन बाघ की तलाश में जरूर जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि कूनो नेशनल पार्क में खुले जंगल में घूम रहे सभी चीतों को जिसमें छह नर और पांच मादा शामिल हैं। उन्हें बड़े बाड़े में ट्रेंकुलाइज करके शिफ्ट किया गया है, वहीं चार चीते अभी खुले जंगल में है।

मंदिर में गहनों और नगदी की चोरी, चोर सीसीटीवी में कैद हुआ गिरफ्तार

संवाददाता

छत्तीसगढ़। मंदिर के पुजारी की रिपोर्ट पर गंडई पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से कुछ ही घंटे के अंदर चोर को गिरफ्तार कर लिया। नकदी और गहने पुलिस ने बरामद कर लिए हैं। चोर ने 24 नवंबर शुक्रवार को पूरी घटनाक्रम को अंजाम दिया गया था। देर रात मंदिर का ताला तोड़कर दान पेटी से नगदी सहित गहनों की चोरी की सारी घटना सीसीटीवी में हुई कैद सुबह होने पर मंदिर के पुजारी को चोरी का पता चला मंदिर के पुजारी की रिपोर्ट पर गंडई पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से कुछ ही घंटे के अंदर चोर को गिरफ्तार कर लिया। नकदी और गहने पुलिस ने बरामद कर लिए हैं। नवगठित जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के गंडई थाना क्षेत्र अंतर्गत शहर के मां गंगई मंदिर नगर की कुल देवी का मंदिर है, मंदिर में चोरी की खबर से पूरे नगर में खलबली मच गई थी। चोर ने 24 नवंबर शुक्रवार को पूरी घटनाक्रम को अंजाम दिया गया था। बताया जाता है कि चोर ने नगदी समेत गहनों को अपने घर में छुपा कर रखा था। जिसे पुलिस ने घेरा बंदीबकर आरोपी को नगदी और गहनों समेत धर दबोचा। बता दें कि हर दिन की तरह सुबह मां गंगई के पुजारी अनुभव दुबे ने मंदिर का पट खोला तो मंदिर के दान पेटी का ताला टूटा हुआ साथ ही माता के मुकुट और करधन गायब मिला। जिससे चोर होना साफ दिखा रहा था। पुजारी अनुभव दुबे ने गंडई थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। 24 नवंबर की रात्रि में मां गंगई मंदिर का ज्योति कक्ष का दरवाजा तोड़कर माता का मुकुट, जिसकी कीमत 5 हजार रुपये और करधन की कीमती 10 हजार रुपये, दान पेटी में रखी नगदी रकम करीबन 5 हजार रुपये टोटल 20 हजार रुपये को कोई अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ली गई। पुलिस अनुविभागीय अधिकारी प्रशांत खाण्डे ने बताया कि विवेचना के दौरान थाना से तत्काल टीम तैयार कर महज डेढ़ घंटे के अंदर मां गंगई मंदिर के माता का मुकुट, करधन और दान पेटी में रखे नगदी रकम को चोरी करने वाले आरोपी प्रदीप बघेल उम्र 27 साल रावणपारा गंडई का पता लगा कर घेराबंदी की गई। चोरी का मुकुट, करधन और दान पेटी में रखे नगदी रकम पकड़कर आरोपी को गिरफ्तार करते हुए जेल भेज दिया गया है। पुलिस द्वारा पूरे मामले की जांच की जा रही है।

5टी चेयरमैन ने टनल में फंसे मजदूरों के परिजनों से की मुलाकात.

पांडियन का आशा संदेश कि श्रमिकों को जल्द ही बचा लिया जाएगा

एजेंसी

भुबनेर्स्व। उत्तरखन्द् उत्तरकाशी में सुरंग में फंसे ओडिशा के श्रमिकों के परिवार के सदस्यों नवीन ओडिशा के अध्यक्ष भी.के. पांडियन से नबीन निवास पर मुलाकात की।मुख्यमंत्री के निर्देश पर राज्य सरकार ने श्रमिकों के परिजनों को उत्तरकाशी पहुंचाने की पूरी व्यवस्था कर ली है. ये हैं नबरंगपुर जिले के फूलचंद भत्रा, मयूरभंज जिले की विमला नायक, चितरंजन नायक। हालाँकि, सरकार द्वारा उड़िया श्रमिकों की सुरक्षा के लिए कई कदम उठाए गए हैं। भी के पांडियन ने परिजनों को आश्वासन दिया कि हमारे सभी कर्मचारी सुरक्षित हैं। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में एक निर्माणाधीन सुरंग में 14 दिनों से 41 मजदूर फंसे हुए हैं। इनमें 5 उड़िया श्रमिक हैं. ये श्रमिक हैं भद्रक जिले के तपन मंडल, नबरंगपुर के भगवान भत्रा और मयूरभंज के बिशेश्वर नायक, समहन नायक और राजू नायक। हालाँकि, राज्य सरकार ने इन श्रमिकों के परिवार के सदस्यों को उत्तरकाशी ले जाने की सभी व्यवस्थाएँ की हैं। मुख्यमंत्री के सहयोग से नबरंगपुर जिले के फूलचंद भत्रा, मयूरभंज की बिमला नाइक, चितरंजन नाइक को उत्तरकाशी भेजने की व्यवस्था की गई है, जबकि दो अन्य श्रमिकों के परिवार पहले ही उत्तराखंड पहुंच चुके हैं। रेस्क्यू के बाद फंसे हुए मजदूर अपने परिवार से मिल सकेंगे.

वहीं 5टी के चेयरमैन ने कहा, %%रूढ़िवादी कार्यकर्ताओं की सुरक्षा के लिए राज्य सरकार की ओर से कई कदम उठाए गए हैं. राज्य सरकार के अधिकारी और विशेष टीमें बचाव स्थल पर गई हैं. वे बचाव दल के साथ नियमित संपर्क में हैं। हमारे सभी श्रमिक सुरक्षित हैं। मुख्यमंत्री घटना से पूरी तरह अवगत हैं। श्रमिकों की सुरक्षा और बचाव ÷ऑपरेशन के संबंध में नियमित खबर ली जा रही है। बचाव अभियान पूरे जोरों पर है। वे जल्द ही अपने परिवारों के पास वापस जल्द आ जाएंगे। फंसे हुए मजदूरों को निकालने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास किए गए, लेकिन अभी तक कोई सफलता नहीं मिल पाई है. एगार मशीन के बार-बार खराब होने से बचाव कार्य में बाधा आ रही है। बचाव कार्य में लगे अधिकारियों के मुताबिक, मजदूरों को निकालने में एक दिन और लग सकता है।

हिमाचल के डूबते पर्यटन कारोबार को व्हाइट क्रिसमस से आस

लुभावने पैकेज देने की तैयारी

एजेंसी

शिमला। बाहरी राज्यों के पर्यटक वाहनों पर लगाए गए दोगुने टैक्स के बाद भी सैलानियों की संख्या में कमी आई है। पर्यटन कारोबार फिर रफ्तार पकड़ सके, इसके लिए पर्यटन व्यवसायी लुभावने पैकेज देने की तैयारी कर रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में डूबते पर्यटन कारोबार को अब व्हाइट क्रिसमस से आस है। कोरोना के बाद प्राकृतिक आपदा से पर्यटकों ने प्रदेश की वादियों का रुख करना कम कर दिया है। बाहरी राज्यों के पर्यटक वाहनों पर लगाए गए दोगुने टैक्स के बाद भी सैलानियों की संख्या में कमी आई है। पर्यटन कारोबार फिर रफ्तार पकड़ सके, इसके लिए पर्यटन व्यवसायी लुभावने पैकेज देने की तैयारी कर रहे हैं। बर्फबारी हुई तो हिमाचल के पर्यटन कारोबार में उछाल आने की उम्मीद है। क्रिसमस और न्यू ईयर से पहले शिमला, मनाली, धर्मशाला और डलहौजी में धीरे-धीरे होटलों में एडवांस बुकिंग बढ़ने लगी है। कोरोना काल में दो साल प्रदेश में पर्यटन कारोबार बुरी तरह प्रभावित रहा। इस साल बरसात के दौरान भारी बारिश से आई आपदा के कारण सैलानियों ने प्रदेश का रुख करना बंद कर दिया, जिससे पर्यटन कारोबार को भारी नुकसान पहुंचा। प्रदेश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में पर्यटन कारोबार का करीब 4.3 फीसदी हिस्सा है। प्रदेश का बड़ा वर्ग पर्यटन कारोबार पर निर्भर है। होटल कारोबारी, ट्रैवल एजेंट, टैक्सी ऑपरेटर, गाइड, फोटोग्राफर और हॉर्स राइडर का व्यवसाय सैलानियों पर निर्भर है। सैलानियों को आकर्षित करने के लिए पर्यटन विकास निगम और निजी होटल संचालक आकर्षक पैकेज जारी करने की तैयारी कर रहे हैं।

ये आफर देने की योजना

तीन दिन ठहरने पर एक दिन मुफ्त, एडवांस बुकिंग पर कमरे के किराये में 20 फीसदी छूट, कमरे की बुकिंग पर ब्रेकफॉस्ट फ्री, टूअर पैकेज बुक करने पर फ्री पिकअप और ड्रॉप, साइट सीन बुकिंग पर 30 फीसदी छूट देने की योजना है।

क्या कहते हैं पर्यटन कारोबारी

फेडरेशन ऑफ हिमाचल होटल एंड रेस्टोरेशन एसोसिएशन के अध्यक्ष गजेंद्र ठाकुर का कहना है कि प्राकृतिक आपदा के बाद प्रदेश में सैलानियों की संख्या घटी है। दिसंबर में क्रिसमस, न्यू ईयर पर बर्फबारी से सैलानियों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन के महासचिव मनु सूद का कहना है कि क्रिसमस, न्यू ईयर पर सैलानियों के लिए पैकेज जारी करने की तैयारी है। ऑल हिमाचल कॉमर्शियल व्हीकल ज्वाइंट एक्शन कमेटी के चेयरमैन राजेंद्र ठाकुर के अनुसार आपदा से हुए नुकसान के बाद टैक्सी ऑपरेटरों को विंटर सीजन से बड़ी उम्मीदें हैं।

क्रिसमस पर हिमाचल में कब कब हुई बर्फबारी

साल	दिसंबर में कब
1989	22 से 24 दिसंबर
1991	24 से 25 दिसंबर
1995	21 से 22 दिसंबर
2013	23 दिसंबर
2015	24 दिसंबर
2016	26 दिसंबर

एक नज़र

राज्यसभा सदस्य कार्तिकेय शर्मा के निर्वाचन को चुनौती, हाईकोर्ट में अजय माकन ने दाखिल की याचिका

चंडीगढ़। याचिका में कहा गया कि राज्यसभा के लिए कार्तिकेय शर्मा का चुनाव 10 जून 2022 को हुआ था। कार्तिकेय से अधिक वैध वोट हासिल होने पर अजय माकन को निर्वाचित घोषित करने के निर्देश देने की मांग की गई है। हरियाणा से राज्यसभा की दो सीटों के लिए चुनाव हुए थे। इसमें माकन ने कांग्रेस पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा था। हरियाणा के राज्यसभा सदस्य कार्तिकेय शर्मा के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका पर पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने सुनवाई 20 दिसंबर तय की है। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता अजय माकन ने यह याचिका दाखिल की है। याचिका में कहा गया कि राज्यसभा के लिए कार्तिकेय शर्मा का चुनाव 10 जून 2022 को हुआ था। कार्तिकेय से अधिक वैध वोट हासिल होने पर अजय माकन को निर्वाचित घोषित करने के निर्देश देने की मांग की गई है। हरियाणा से राज्यसभा की दो सीटों के लिए चुनाव हुए थे। इसमें माकन ने कांग्रेस पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा था। हाईकोर्ट को बताया गया कि मतपत्रों की वैधता जांच के दौरान यह देखा गया कि कुल 89 मतों में से एक मतदाता ने अपनी पसंद के रूप में मतपत्र पर अंक एक के बजाय नाम पर चिह्न लगाया था। रिटर्निंग आफिसर ने नियम के तहत उस मतपत्र को अमान्य बता कर खारिज कर दिया। याचिका के अनुसार याचिकाकर्ता के चुनाव एजेंट बीबी बत्रा, जो हरियाणा विधानसभा के मौजूदा विधायक हैं, उनके द्वारा लिखित में आपत्ति दर्ज कराई गई थी, जिसमें विशेष रूप से बताया गया था कि यह वोट निर्धारित नियमों के खिलाफ था। एजेंट ने अपनी आपत्ति में विशेष रूप से यह भी बताया कि नियमों के तहत निर्धारित उचित कॉलम में वोट को चिह्नित नहीं किया गया है। ऐसे में यह वोट अमान्य है। हालांकि, रिटर्निंग ऑफिसर ने बिना कोई वैध कारण बताए उपरोक्त आपत्ति को खारिज कर दिया था। कोर्ट को बताया गया कि रिटर्निंग ऑफिसर ने नियमों के अनुसार उसकी शिकायत पर कार्रवाई नहीं की। अगर उस आपत्ति को स्वीकार कर लिया जाता तो वह राज्यसभा के लिए चुने जाते। कोर्ट से मांग की गई है कि इस याचिका के विचाराधीन रहने तक चुनाव का रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाए।

जींद में सड़क हादसे में दो की मौत, महेंद्रगढ़ में चालक और परिचालक घायल, पांच गोवंश की गई जान

(हरियाणा)। महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्ग-152डी पर रविवार को गोवंश से भरे कैंटर की अज्ञात वाहन से भिड़ंत हो गई। हादसा बुचावास टोल से दादरी तरफ करीब चार किलोमीटर दूर हुआ। हादसे की सूचना राहगीरों ने डायल 112 पर दी। हरियाणा में रविवार की सुबह हादसों में तीन लोगों की जान चली गई। वहीं दो लोग घायल हैं। इतना ही नहीं पांच गोवंश की भी मौत हुई है। महेंद्रगढ़ जिले में एक कैंटर को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में चालक और परिचालक घायल हैं। वहीं पांच गोवंश की मौके पर मौत हो गई। वहीं नारनौल में सड़क हादसे में आई-20 कार चालक की जान चली गई। उधर, जींद जिले के किलाजफरगढ़ के पास ट्राले और पिकअप की भिड़ंत में दो लोगों की मौत हो गई। सूचना पाकर जुलाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को जींद के सामान्य अस्पताल भिजवाया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। कुरुक्षेत्र के सेक्टर-7 निवासी 60 बाबूराम और 35 वर्षीय चालक राहुल पिकअप में मटर भरकर कुरुक्षेत्र से बहरोड़ जा रहे थे। रात को करीब डेढ़ बजे अज्ञात वाहन चालक ने पिकअप को किलाजफरगढ़ गांव के पास ओवरटेक करते समय टक्कर मार दी। इसके बाद गाड़ी मालिक और पिकअप चालक दोनों पीछे जाकर गाड़ी को देखने लगे। इस बीच अचानक एक ट्राले ने दोनों को कुचल दिया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। चालक घटना को अंजाम देकर ट्राले को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। सूचना पाकर जुलाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। उधर, महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्ग-152डी पर रविवार को गोवंश से भरे कैंटर की अज्ञात वाहन से भिड़ंत हो गई। हादसा बुचावास टोल से दादरी तरफ करीब चार किलोमीटर दूर हुआ। हादसे की सूचना राहगीरों ने डायल 112 पर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल कैंटर चालक और उसके साथी को नागरिक अस्पताल पहुंचाया। वहीं रिकवरी वैन के सहारे क्षतिग्रस्त कैंटर को गौशाला तक पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार कैंटर में 15 गोवंश को पंजाब से महाराष्ट्र लेकर जाया जा रहा था। हादसे में पांच गोवंश ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। बाकी को उपचार के लिए श्री श्याम विकलांग गौशाला में रखा गया है। ट्राले के आगे के हिस्से के परखच्चे उड़ गए हैं। हादसे में घायल चालक व उसके सहयोगी का एक निजी अस्पताल में उपचार जारी है। जहां उनकी हालात सामान्य बताई जा रही है। सदर थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार ने बताया कि हादसे की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायल चालक व उसके साथी को अस्पताल पहुंचाया। वहीं हादसे में कुछ गोवंश की मौत हुई है। बाकी का गौशाला में उपचार जारी है।

नारनौल- हादसे में आई-20 चालक की मौत

नारनौल-रेवाड़ी रोड पर एक आई-20 व ट्रक के बीच रविवार अलसुबह आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में आई-20 सवार व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से शव को नारनौल के नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवाया। जानकारी के अनुसार रामपुरा निवासी विक्रम किसी कार्यक्रम में शामिल होकर रविवार अलसुबह रेवाड़ी से नारनौल की तरफ आ रहा था। वहीं दूसरी तरफ नारनौल से रेवाड़ी की तरफ एक ट्रक जा रहा था। वह जैसे ही बाछौद के नजदीक ओल्ड राव होटल के पास पहुंचे तो ट्रक व आई-20 की आमने-सामने टक्कर हो गई।

नवविवाहित महिला की मौत, परिजन बोले- दामाद के भाभी से थे अवैध संबंध, ससुराल वालों ने पिलाया जहर

संवाददाता

दमोह। दमोह जिले में केरबना चौकी क्षेत्र के मुहली गांव में अज्ञात कारणों के चलते नवविवाहित महिला की मौत हो गई है। मृतिका के मायके पक्ष के लोगों ने ससुराल पक्ष वालों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। दमोह के बटियागढ़ थाना क्षेत्र में आने वाली केरबना चौकी क्षेत्र के मुहली गांव में अज्ञात कारणों के चलते 20 साल के महिला की मौत हो गई है। मृतिका के मायके पक्ष के लोगों ने आरोप लगाया कि दामाद के उसकी भाभी से अवैध संबंध थे, जिससे वह बेटी को परेशान करता था। बता दें कि शनिवार शाम परिजन महिला को गंभीर हालत में जिला अस्पताल लाए। वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतिका जानकी पति भैयाराम लोधी (20) के पिता संतोष सिंह और भाई सुरेंद्र लोधी ने ससुराल पक्ष पर हत्या के आरोप लगाए हैं। भाई सुरेंद्र का कहना है कि मेरे जीजा के उनकी भाभी से अवैध संबंध थे। इसी के चलते वह मेरी बहन को परेशान किया करते थे। शनिवार सुबह मेरे जीजा ने घर पर फोन करके कहा कि अपनी बहन को घर ले जाएं। हमने बहन से बात कराने के लिए कहा, तो उन्होंने बात नहीं कराई और फोन काट दिया। जब दोपहर में हम ससुराल पहुंचे तो देखा कि हमारी बहन उल्टियां कर रही थी और उसका स्वास्थ्य काफी बिगड़ हुआ था। इसके बाद हम उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया है। आरोप है कि ससुराल पक्ष ने महिला को जबरन जहर खिलाकर उसकी हत्या की है। पुलिस ने मार्ग कम कर लिया है। मामले की जांच की जा रही हैं।

हिमाचल के 10,540 मेधावियों को दिसंबर में मिलेंगे टैबलेट, उपनिदेशकों को सौंपा आवंटन का जिम्मा

संवाददाता

शिमला। राजधानी शिमला से मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बीते दिनों योजना का शुभारंभ कर दिया है। शिक्षा विभाग ने जिलों को आवंटन के लिए टैबलेट की सप्लाई भेज दी है। हिमाचल प्रदेश के स्कूल-कॉलेजों के 10,540 मेधावियों को दिसंबर में टैबलेट मिलेंगे। राजधानी शिमला से मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बीते दिनों योजना का शुभारंभ कर दिया है। शिक्षा विभाग ने जिलों को आवंटन के लिए टैबलेट की सप्लाई भेज दी है। जिला उपनिदेशकों को आवंटन का जिम्मा सौंपा गया है। शैक्षणिक सत्र 2021-22 के मेधावियों को टैब देकर सम्मानित किया जाना है। वर्ष 2022-23 के मेधावियों के लिए योजना में सरकार बदलाव करने जा रही है। इन मेधावियों को टैबलेट या लैपटॉप की जगह नकद राशि देने की योजना है। वर्ष 2021-22 के मेधावी विद्यार्थियों को श्रीनिवास रामानुजन योजना के तहत टैबलेट प्रदान किए जाएंगे। टैबलेट प्राप्त करने वाले प्रदेश के कुल 10,540 विद्यार्थियों में से 7,520 छात्राएं हैं। कांग्रेस सरकार ने मेधावियों को लैपटॉप की जगह टैबलेट देने का फैसला लिया है। पूर्व सरकार के समय खरीद में देरी के चलते सत्र 2021-22 के विद्यार्थियों को अभी तक टैबलेट नहीं मिले हैं। विगत अगस्त में उच्च शिक्षा निदेशालय ने टैबलेट की खरीद प्रक्रिया के लिए टेंडर किए थे। सरकारी स्कूलों में दसवीं-बारहवीं और कॉलेजों में पढ़ने वाले 10,540 मेधावियों को टैबलेट देने की मुख्यमंत्री सुक्खू ने अपने पहले बजट भाषण में घोषणा की थी।

पोर्टमोर स्कूल से योजना का शुभारंभ

शिमला के पोर्टमोर स्कूल में 16 मेधावियों को टैबलेट देकर योजना का शुभारंभ किया गया है।

कमलनाथ ने संविधान दिवस पर शुभकामना में संदर्भ ही गलत लिख दिया, भाजपा ने कसा तंज

संवाददाता

भोपाल । कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ पर भाजपा प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने तंज कसा है। सलूजा ने नाथ के ट्वीट पर निशाना साधते हुए उन्हें बताया कि आपकी जानकारी पूर्णतः गलत है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख कमलनाथ ने रविवार को ट्विटर पर संविधान दिवस की शुभकामनाएं दी। इसमें उन्होंने लिखा कि आज ही के दिन 26 नवंबर 1950 को हमारा संविधान बनकर तैयार हुआ था। भारत का संविधान ही वह शक्ति है, जिसने देश की विविधता को एकता में समाहित किया है। आइये आज हम सब मिलकर संकल्प लें कि इस संविधान का पालन करते हुए देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने का सदैव प्रयास करते रहेंगे। जय संविधान। यहां उनसे एक गलती हो गई, जिस पर भाजपा ने तंज कसा है। दरअसल, 26 नवंबर 1949 को संविधान बनकर तैयार हुआ था, जबकि कमलनाथ ने इसका वर्ष 1950 लिख दिया।

बता दें कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ में रविवार को सोशल नेटवर्किंग साइट एक पर संविधान दिवस की शुभकामनाएं दी तो इस पर उनके पूर्व मीडिया समन्वयक और भाजपा प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने तंज कसा। सलूजा ने कहा कि आपकी जानकारी पूर्णतः गलत है। पता नहीं किस सलाहकार ने किया है।

यह है सलाहकारों की जंग

नरेंद्र सिंह सलूजा एक साल पहले तक कमलनाथ के मीडिया समन्वयक हुआ करते थे। उन्हें इस पद से हटाया गया तो वे भाजपा में शामिल हो गए। उन पर इंदौर में सिख समाज के एक कार्यक्रम में कमलनाथ के खिलाफ हुई नारेबाजी को लेकर कार्रवाई की गई थी। इसके बाद सलूजा भाजपा में शामिल हुए और प्रवक्ता बन गए। सलूजा ने लिखा तंज कसा कि आपके ट्वीट में दी गई जानकारी पूर्णतः ग़लत है। 26 जनवरी 1950 को तो हमारा संविधान लागू हो गया था। 26 नवंबर 1949 को यह पूरा हुआ था और इसे अपनाया गया था। पता नहीं किस सलाहकार ने किया है। जैसा कि हमें मालूम है, संविधान दिवस हर साल 26 जनवरी को मनाया जाता है। इसकी मुख्य ये है कि 26 नवंबर 1949 में भारतीय संविधान सभा की ओर से संविधान को अंगीकार किया गया था। संविधान दिवस मनाने की परंपरा की शुरुआत साल 2015 से की गई। 26 नवंबर 1949 को संविधान को अंगीकार किए जाने के बाद देश में इसे लागू करने में कुछ महीने का वक्त लगा। 26 जनवरी 1950 को संविधान पूरी तरह से लागू कर दिया गया। इसलिए इस दिन को गणतंत्र दिवस के रूप में देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है।

आपके ट्वीट में दी गई जानकारी पूर्णतः ग़लत है...

- 26 जनवरी 1950 को तो हमारा संविधान लागू हो गया था...
- 26 नवंबर 1949 को यह पूरा हुआ था और इसे अपनाया गया था...
- पता नहीं किस सलाहकार ने किया है.... https://t.co/TLKOSukKH1

NarendraSaluja (@NarendraSaluja)
November 26, 2023

अगले तीन दिन बारिश-बर्फबारी का येलो अलर्ट, सिलक्यारा सुरंग में फंसीं जिंदगियों पर खतरा

संवाददाता

देहरादून। उत्तरकाशी की सिलक्यारा सुरंग में फंसे मजदूरों को निकालने के लिए जारी रेस्क्यू ऑपरेशन में अब मौसम खलल डालेगा। प्रदेश में अगले तीन दिन बारिश और बर्फबारी की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग ने उत्तराखंड में अगले तीन दिनों तक बारिश और बर्फबारी का येलो अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के मुताबिक, राज्य में आज से पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। इसके चलते उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग व पिथौरागढ़ समेत कई ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बारिश-बर्फबारी के आसार हैं। ऐसे में सिलक्यारा टनल में चल रहे राहत कार्यों पर भी इसका प्रभाव पड़ सकता हैं। उत्तरकाशी जिले के सिलक्यारा सुरंग में फंसे मजदूरों को निकालने के लिए जारी रेस्क्यू ऑपरेशन को आज पंद्रवां दिन है। रेस्क्यू ऑपरेश में अभी कई तरह की बाधाएं आ रही हैं, लेकिन अब मौसम भी इस ऑपरेशन में खलल डालेगा। अंदर सुरंग में मजदूर फंसे हैं, वहीं बाहर बारिश और बर्फबारी रहेगी। ड्रिल करने वाली अमेरिकन ऑगर मशीन अवरोध की जद में आने से टूट गई। उसका 45 मीटर हिस्सा 800 मिमी पाइप के भीतर फंस गया। बचाव दलों ने 20 मीटर हिस्सा तो गैस कटर से काटकर बाहर निकाल लिया, लेकिन 25 मीटर बचे हुए हिस्से को काटने के लिए अब हैदराबाद से प्लाज्मा कटर मंगाया गया है। अब अभियान में कई दिन का समय लग सकता है।

मिर्जापुर में शादी से लौट रहे कार सवार चार लोगों की मौत, दो की हालत गंभीर

संवाददाता

मिर्जापुर । मिर्जापुर में सड़क हादसे में कार सवार चार लोगों की मौत हो गई। कार सवार दो लोग घायल हो गए। जिनका ट्रामा सेंटर बीएचयू वाराणसी में इलाज चल रहा है। कार सवार वाराणसी में शादी में शामिल होकर सोनभद्र जा रहे थे। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर से एक सड़क हादसे की खबर आ रही है। अदलहाट थाना क्षेत्र अन्तर्गत सिकिया स्थित पेट्रोल पंप के पास शनिवार की रात साढ़े ग्यारह बजे ट्रेलर ने कार में टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार चार लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। जिनका ट्रामा सेंटर बीएचयू वाराणसी में इलाज चल रहा है। कार सवार वाराणसी में शादी में शामिल होकर सोनभद्र जा रहे थे। कार में चार महिलाएं, एक 12 वर्ष का बालक, एक दो वर्ष का बच्चा व एक पुरुष चालक सवार थे। यह सभी लोग वाराणसी एक शादी समारोह से वापस अपने घर सोनभद्र के राबर्ट्सगंज उर्मोडा जा रहे थे। अदलहाट थाना क्षेत्र के तेंडुआ वीर मंदिर के पास अंकित हॉस्पिटल के सामने राबर्टसगंज की तरफ से आ रही ट्रेलर से टक्कर हो गई। हादसे में सभी लोग घायल हो गए। सूचना पर अदलहाट पुलिस मौके पर पहुंचकर सभी घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से लाल बहादुर शास्त्री चिकित्सालय रामनगर वाराणसी भेज दिया। जहां डाक्टरों द्वारा सभी घायलों को उचित इलाज के लिए ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया गया । जहां इलाज के दौरान शकीला बानो (56) पत्नी सरफराज निवासी ब्रह्म नगर थाना रॉबर्ट्सगंज सोनभद्र, हुस्न आरा (40) पत्नी स्व. दिलशाद निवासी ओबरा सोनभद्र, समिता परवीन (35) पत्नी राशिद जमाल निवासी उर्मोड़ा थाना रॉबर्ट्ससगंज व दिलशान बख्तियार (12) पुत्र स्वर्गीय दिलशाद की मौत हो गई। अन्य का इलाज चल रहा है। एएसपी नक्सल ओपी सिंह ने बताया कि हादसे में तीन महिला व एक बालक की मौत हुई है। थाना अदलहाट पुलिस द्वारा घटना करने वाले ट्रेलर को कब्जे में लेकर वाहन चालक को हिरासत में ले लिया गया। कार चालक से प्राप्त तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है।

भारत ने दूसरे टी-20 में भारत ने आस्ट्रेलिया को धूल चटाई

बल्लेबाजों के बाद गेंदबाजों का बरपा कहर, भारत की 2-0 की बढ़त

एजेंसी

भारत के 235 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया 20 ओवर में 9 विकेट 191 रन ही बना सकी। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मार्कस स्टाइनिस ने 45 रन की पारी खेली। मैथ्यू वेड ने 42 रन की पारी खेली। भारत की तरफ से प्रसिद्ध कृष्णा और रवि बिश्नोई को तीन–तीन विकेट मिले। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 44 रन से मात दे दी।

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया (ढ्ढठ्ठस्र 1ह्य-ह्वह्य 2ठ्ठस्र ञ्च20) के बीच पांच मैचों की टी-20 सीरीज का दूसरा मैच तिरुवनंतपुरम में खेला गया। भारत ने बल्ले और गेंद से दमदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 44 रन से हरा दिया। भारत ने पहला मुकाबला 2 विकेट से जीता था। टीम इंडिया ने सीरीज में 2-0 से बढ़त बना ली है।

मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। यशस्वी जायसवाल और ऋतुराज गायकवाड़ ने भारत को तेज शुरुआत दी। तेज खेलते हुए यशस्वी जायसवाल ने 24 गेंद पर अर्धशतक जड़ा। जायसवाल 25 गेंद पर 53 रन बनाकर आउट हुए। गायकवाड़ ने संभलकर खेलते हुए 58 रन की पारी खेली।

रिंकू सिंह ने खेली तूफानी पारी

ईशान किशन ने अपने स्वभाव के अनुसार बल्लेबाजी करते हुए 32 गेंद पर 52 रन कूटे। कप्तान सूर्यकुमार ने 10 गेंद पर 19 रन का योगदान दिया। आखिरी के ओवरों में रिंकू सिंह की तूफानी पारी खेली। रिंकू ने 9 गेंद पर नाबाद 31 रन बनाए और टीम का स्कोर 235 तक पहुंचाया। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से नाथन एलिस को तीन विकेट मिला।

कहर बनकर टूटे भारतीय गेंदबाज

भारत के 235 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया 20 ओवर में 9 विकेट 191 रन ही बना सकी। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मार्कस स्टाइनिस ने 45 रन की पारी खेली। मैथ्यू वेड ने 42 रन की पारी खेली। भारत की तरफ से प्रसिद्ध कृष्णा और रवि बिश्नोई को तीन-तीन विकेट मिले। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 44 रन से मात दे दी।

गुवाहाटी में खेला जाएगा तीसरा मुकाबला

इस जीत के साथ भारत पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे है। भारत ने पहला मुकाबला 2 विकेट से जीता था। सीरीज का तीसरा मुकाबला गुवाहाटी में खेला जाएगा। 28 नवंबर को खेले जाने वाले इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया वापसी करने को देखेगा।

पाकिस्तान की बराबरी पर आया भारत

भारतीय टीम सबसे ज्यादा टी-20 इंटरनेशनल मुकाबले जीतने वाली देशों की सूची में पाकिस्तान की बराबरी पर आ गया है। दोनों ने एक समान 135-135 टी-20 मैच जीते हैं।

भारत -ऑस्ट्रेलिया मैच में पहली पारी में सबसे बड़ा स्कोर

टी-20 में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच इस मैच में पहली पारी का सबसे बड़ा स्कोर बना। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के नाम यह रिकॉर्ड था जो कि इसी सीरीज में आया। विशाखापट्टनम में पहले टी-20 में ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ पहली पारी में 208 रन बनाए थे।

डेथ ओवर में रिंकू की विस्फोटक पारी, स्कोर 200 के पार पहुंचाया

ईशान किशन के 16वें ओवर में आउट होने के बाद रिंकू सिंह ने विस्फोटक पारी खेली। उन्होंने ने पहली ही बॉल से बड़े शॉट खेलना शुरु कर दिया। 18वें ओवर में सूर्यकुमार .यादव के विकेट के बाद रिंकू ने पहली बॉल खेली। रिंकू ने डेथ ओवर में 9 बॉल में 6 बाउंड्री लगा कर 31 रन बनाए। वहीं, तिलक वर्मा ने उनका साथ दिया और आखिरी ओवर में 2 बॉल पर 7 रन बनाए। टीम ने डेथ ओवर में एक विकेट खो कर 62 रन बनाए। ग्लेन मैक्सवेल और एडम जम्पा की वापसी, टीम इंडिया में बदलाव नहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इस मुकाबले के लिए प्लेइंग इलेवन में 2 बदलाव किए हैं। बेहनडर्फ की जगह एडम जम्पा और एरोन हार्डी की जगह ग्लेन मैक्सवेल की टीम में वापसी हुई है। दूसरी ओर टीम इंडिया में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत– सूर्यकुमार यादव (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋतुराज गायकवाड, ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा और मुकेश कुमार।

ऑस्ट्रेलिया– मैथ्यू वेड (कप्तान/विकेटकीपर), स्टीव स्मिथ, मैथ्यू शॉर्ट, जोश इंग्लिस, मार्कस स्टोइनिस, टिम डेविड, ग्लेन मैक्सवेल, शॉन एबट, नाथन एलिस, एडम जम्पा और तनवीर सांघा।

शमी बने मसीहा! नैनीताल में खाई में गिरी कार तो तेज गेंदबाज ने इस तरह बचाई सवारी की जान

एजेंसी

नैनीताल। विश्व कप 2023 में भारत को कई मुकाबलों में अपने दम पर मैच जिताने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अब मसीहा बन गए हैं। उन्होंने नैनीताल में खाई में गिरी कार से एक व्यक्ति को बचाया है। इसकी जानकारी खुद शमी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दी है। शमी ने यह पोस्ट शनिवार को किया। उन्होंने लिखा- वह (गाड़ी वाला व्यक्ति) बहुत भाग्यशाली है। ऊपर वाले ने उसे दूसरा जीवन दिया। उसकी कार मेरी कार के ठीक सामने नैनीताल के पास पहाड़ी सड़क से नीचे गिर गई। हमने उसे बहुत सुरक्षित बाहर निकाला। शमी ने इस घटना का वीडियो शेयर किया है। शमी ने लिखा- मैं किसी को बचाकर खुश हूं। वह काफी भाग्यशाली है कि ऊपर वाले ने उसे दूसरी जिंदगी दी है। शमी वीडियो में उस व्यक्ति की चोट पर मरहम-पट्टी भी करते दिख रहे हैं। शमी के इस वीडियो को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। कुछ फैंस ने तो यहां तक लिखा- पिच पर इंडिया टीम को बचाया और यहां इंसान को।

शमी ने हाल ही में अपनी कहानी बताई थी

हालांकि, यह घटना कैसे घटी, इस बारे में शमी ने कोई जानकारी नहीं दी। विश्व कप 2023 के दौरान शमी शानदार फॉर्म में दिखे थे। 24 विकेट के साथ शमी इस विश्व कप में सबसे

ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। शुरुआती चार मैच नहीं खेलने के बावजूद शमी ने शानदार गेंदबाजी की। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल में टीम इंडिया कुछ खास नहीं कर सकी और हार गई। टूर्नामेंट के बाद शमी ने एक शो के दौरान अपने खराब दौर के बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य पर भी बयान दिए थे।

शमी ने क्या कहा था?

एक शो के दौरान इंटरव्यू में जब शमी से पूछा गया कि जब आप मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बात कर रहे हैं, तो आपके जीवन का मुश्किल समय क्या था? उस वक्त आपके अंदर क्या चल रहा था? इस पर शमी ने कहा- शुरू में तो बहुत मुश्किल था, क्योंकि मेरे परिवार में ऐसा कुछ हुआ ही नहीं। कोई झमेला नहीं। हमारा एक साधारण परिवार है। यह मुश्किल समय था, तनावपूर्ण समय। अगर आप झूठे हो तो आप चीजों से भागेंगे और लोगों से आखें नहीं मिला पाएंगे। मुझे हमेशा विश्वास था कि सच सामने आएगा। मैंने कहा कि मुझे जहां भी बुलाया जाएगा, मैं जाऊंगा। मैंने सब कुछ देखा है।

शमी का बयान किसके लिए है?

हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि मोहम्मद शमी यहां किस घटना के बारे में बात कर रहे थे, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में वह उतार-चढ़ाव से गुजरे हैं, चाहे वह उनका पेशेवर हो या उनका व्यक्तिगत जीवन। हो सकता है शमी यहां उनकी पत्नी हसीन जहां द्वारा लगाए गए आरोपों पर बात कर रहे हों। हसीन ने शमी पर उन्हें धोखा देने और दूसरी महिलाओं के साथ रिश्ते का आरोप लगाया था। साथ ही देश को भी धोखा देने और मैच फिक्सिंग के आरोप लगाए थे। उन्होंने शमी के खिलाफ केस भी दर्ज करवाया था। हालांकि, बीसीसीआई से शमी को पूरा समर्थन मिला। उन्होंने काफी पहले एक इंटरव्यू में यह तक कहा था कि देश को धोखा देने से बेहतर वह जान देना पसंद करेंगे। शमी भारत के लिए 2015, 2019 और 2023 तीन विश्व कप खेल चुके हैं और तीन विश्व कप में ही भारत के लिए इस मेगा टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। इस विश्व कप में तो शमी की स्विंग और सीम का विपक्षी बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं था।

जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं

शमी ने कहा, मैं तब चार से छह दिनों तक काफी परेशान था। परिवार ने मेरा समर्थन किया। मैंने सोचा कि मुझे शुरुआत से शुरू करने की जरूरत है। जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे। आप हमेशा सामने वाले व्यक्ति को चीजों को नहीं समझा सकते। जब आप चीजों को व्यवस्थित करने की कोशिश करते हैं, तो विपरीत होता है। मैंने किसी की हत्या थोड़ी कर दी थी और भाग गया था। मैंने किसी के साथ ऐसा कुछ नहीं किया है। मुझ पर गलत आरोप लगाए गए हैं वो भी झूठे बयान देकर। मुझे खुद को उस वक्त कोई भी एक्शन लेने से रोकना था।

दुनिया में जलने वाले लोगों की संख्या काफी है

शमी ने कहा- फिर मैं भी एक दुर्घटना का शिकार हो गया। यह कठिन समय था। मैं भागा नहीं। मेरा परिवार मेरे साथ था। लोग जो चाहें कहेंगे। मैं इसके लिए खुद को क्यों रोकूं। आज की दुनिया ऐसी हो गई है कि आप थोड़े से भी सफल हो गए हो तो आपको खाने वाले ज्यादा हैं, समर्थन देने वाले कम होंगे। जलने वाले ग्रुप ज्यादा बड़े हैं। मुझे नहीं लगता किसी के जलने से कोई फर्क पड़ता है या फिर किसी के बोलने पर। आज का समय ऐसा है कि लोग आपका समर्थन करने के बजाय आपको नींचा दिखाते हैं और टांग खींचते हैं। जो लोग ईर्ष्या करते हैं वे अधिक हैं।

नीला हरा गोबिंदसागर में करें प्राकृतिक नजारों का दीदार

कुदरत ने अपने दिलकश फलक पर नीले हरे पनीले ब्रश से बहुत कुछ आकर्षक रचा है। खासतौर पर हर मौसम के मेज़बान हिमाचल प्रदेश के आंगन में बिछे कैनवास पर तो पर्यटकों के लिए पूरे बरस घुम्मकड़ी के लिए कितने ही गंतव्य हैं।

कुदरत ने अपने दिलकश फलक पर नीले हरे पनीले ब्रश से बहुत कुछ आकर्षक रचा है। खासतौर पर हर मौसम के मेज़बान हिमाचल प्रदेश के आंगन में बिछे कैनवास पर तो पर्यटकों के लिए पूरे बरस घुम्मकड़ी के लिए कितने ही गंतव्य हैं। बरसात के मौसम में सावन की बौछारों से पहाड़, घाटियां, वृक्ष नहाकर सर्द मौसम का स्वागत करने के लिए तैयार हो जाते हैं। हिमाचल की गोद में उगी अनेक प्राकृतिक व अप्राकृतिक झीलों का नीला हरा पानी पर्यटकों को कुछ अलग आनन्द देने के लिए बुलाता है। इन जल स्त्रोतों के लुभावने सानिध्य में असंख्य जलखेल प्रतियोगी व पर्यटक हर वर्ष आते हैं और जलक्रीड़ाओं का सक्रिय हिस्सा हो जाते हैं। इस बरस बरसे मेघों ने गोबिंदसागर को लबालब कर दिया है। कुदरत का खुशनुमा हरियाला आँचल आपको बुला रहा है। पंजाब की धरती पर बसे आनंदपुर साहिब जहां विरासत ए खालसा का विशाल खूबसूरत परिसर है, से 83 किलोमीटर दूर बसे बिलासपुर को इस झील के किनारे बसे सुंदर स्थलों में गिना जाता है। जब भाखड़ा बांध का निर्माण हुआ तो पुराने बिलासपुर शहर को जल समाधि देनी पड़ी और भारत की संभवतः सबसे बड़ी मानव निर्मित लगभग 170 वर्ग किमी क्षेत्र में फैली खूबसूरत झील गोबिंदसागर का जन्म हुआ। पहाड़ी रास्ते पर यात्रा के दौरान हरे नीले पानी के लुभावने टुकड़े कभी दिखते हैं तो कभी छिपते हैं मगर खूब लुभाते हैं। यहाँ कैमरा आपको गाड़ी से उतरने को उकसाता है और आप गाड़ी रोककर चहलकदमी कर रहे होते हैं और नीले आसमान, छोटी छोटी हरी भरी पहाड़ियों की गोद में पसरे सागर को दिल में उतार लेना चाहते हैं। इस लघुसागर के किनारे अनगिनत मुहानों पर नई पुरानी किश्तियां घंटों जलआनंद देने के लिए तैयार हैं। गोबिन्दसागर भरपूर आबाद है। विशाल क्षेत्र में बसे दर्जनों गांव भी गोबिंदसागर में पानी लौट आने से नए ढंग से आबाद होते हैं। पैदल लिसलिसी धूल रेत मिट्टी से भरे रास्ते जलमार्ग हो जाते हैं। हजारों क्षेत्रवासियों का आवागमन इन जलमार्गों से होने लगता है। पुरानी किश्तियां पुनः सँवारी जाती हैं और नई बनाई जाती हैं। कई पुराने और नए धंधे आबाद करता है गोबिंदसागर का पानी पानी होना। मतस्यपालन ज्यादा जान पकड़ता है। स्वादिष्ट मछली दूर दूर तक स्वाद बांटती है, कोलकोता तक। इसी पानी पर तैरते हुए नावें घुमक्कड़ या यात्रियों को भाखड़ा, नैनादेवी, कंदरौर स्थित कभी एशिया के सबसे ऊंचे पुल तक या उससे आगे भी ले जाती हैं। बिलासपुर में समयोचित पर प्रशासन द्वारा बोटिंग के अतिरिक्त अन्य जल क्रीड़ाएँ भी आयोजित की जाती हैं। सतलुज नदी से बने गोबिंद सागर की गहरी गोद में पसरा जल सुबह से शाम तक कितने ही रंग बदलता है। आसपास फैली पर्वत श्रृंखलाओं की उंचाइयों पर जाकर दूर दूर तक फैली पनीली सुन्दरता का मज़ा लिया जा सकता है। बिलासपुर बंदला सड़क एक ऐसा ही लुभावना रास्ता है जहां कई मोड़ ऐसे हैं जहां रूककर बिलासपुर शहर और दूर दूर के नयनाभिराम नज़ारों का लुत्फ दिल खोलकर लिया जा सकता है। बीच में पक्की पगडंडी से जाकर झील से लबरेज़ धरती की खूबसूरती का स्वर्गिक निर्मल आनंद लिया जा सकता है। यहां बैंच लगे हैं जहां अक्सर क्षेत्रवासी और पर्यटक पिकनिक के लिए आते हैं। शाम होते और रात के समय बस्तियों की रोशनियाँ ठहरे पानी को रहस्यमय बना देती हैं। अली खड्ड पुल के कारण झील के पड़ोस में एक और आकर्षण जुड़ गया है। गोबिंदसागर झील में आते-जाते विशेषकर बच्चों को बहुत दूर से ही यह पुल लुभाने लगता है। पुल के पास या नीचे से गुजरते समय इधर से उधर सरपट भाग रही गाड़ियों को वे सुलभ बालमन की लम्बी बाहों व भावनाओं की अंगुलियों से छेड़ लेते हैं। लारियां आती जाती हैं और पुल थरथराता रहता है। पुराने बिलासपुर शहर में सातवीं शताब्दी से 12वीं शताब्दी के बीच बने शिखर शैली के मंदिर गोबिंदसागर के निर्माण की पनीली गोद में समा चुके हैं। जब पानी उतरता है मंदिर के ऊपरी हिस्से दिखने लगते हैं तो इन्हीं मंदिरों के कलात्मक सानिध्य में अनेक पिकनिक प्रेमी रात का खाना एन्जॉय करते हैं तो उनकी रात अविस्मरणीय स्वादिष्ट अनुभव हो जाती है। देश के पुरातत्व विभाग ने एक दर्जन से भी ज्यादा मंदिरों के पुर्नस्थापन की योजना बनाई है। यदि यह योजना सम्पन्न हो जाती है तो इतिहास के ये नमूने गोबिन्दसागर के गर्भ से नया जन्म लेंगे। यदि आप बिलासपुर में रुकना चाहें तो रुकने के लिए हिमाचल पर्यटन के होटल के अलावा कई प्राइवेट आराम गाहें भी हैं। गोबिंदसागर घूमने के बाद चाहें तो वाहन से उत्तर भारत के सुप्रसिद्ध शक्तिस्थल नैनादेवी भी जा सकते हैं। समय हो तो अड़ोस पड़ोस के किले, मंदिर व अन्य खूबसूरत जगहें भी देखी जा सकती हैं। यहाँ की रूपहली सुबह और सुनहरी शाम गोबिन्दसागर के सौंदर्य में गजब का निखार ले आती है। नीले पानी से लबालब गोबिन्दसागर का यौवन पर्यटन प्रेमियों को बुला रहा है।

स्वामी, प्रकाषक, मुद्रक विवेक श्रीवास्तव द्वारा ओम साई क्रियेषन्स, आषा काम्प्लवे स, इन्दिरा नगर लखनऊ से मुद्रित एवं पहला तल, निधि काम्प्लेक्स, विकास नगर लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाषित।
RNI No.UPHIN/2015/6090 सम्पादक- विवेक श्रीवास्तव, फोन नं0- 8004949556, 7570901365 Email. info@theachievertimes.com किसी भी वाद विवाद का निस्तारण लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा।

समाचार-पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टाचार समाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।